पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505 दिनांक 29/04/2002

पोस्ट पंजीयन क्र. 536

"पारदर्शिता, एकात्मकता व दूरदर्शिता"

माहेश्वरी महिला

* वर्ष : 24
* अंक : 6

अप्रैल 2026
मूल्य : बीस रुपए

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष सौ. ज्योतिजी राठी

को बहुत-बहुत बधाई व मंगलकामनाएँ

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के सदस्यों की ओर से

चतुर्दश सत्र के नवनिर्वाचित केंद्रीय राष्ट्रीय पदाधिकारी को

बधाई

बधाई

राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्रीमती ज्योति राठी
(रायपुर)

राष्ट्रीय महामंत्री
श्रीमती किरण लड्ढा
(दिल्ली)

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
श्रीमती ममता मोदानी
(भीलवाड़ा)

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
श्रीमती गिरिजा सारड़ा
(नेपाल)

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
श्रीमती अनिता जांवधिया
(बनखेड़ी)

निवृत्तमान अध्यक्ष
श्रीमती मंजु बांगड़
(कानपुर)

उपाध्यक्ष उत्तरांचल
श्रीमती प्रेमा झंवर
(*)

संयुक्त मंत्री उत्तरांचल
श्रीमती मोनिका मोहश्वरी
(मोदीनगर)

उपाध्यक्ष मध्यांचल
श्रीमती नम्रता बियाणी
(इंदौर)

संयुक्त मंत्री उत्तरांचल
श्रीमती भारती राठी
(आर्वी)

उपाध्यक्ष पश्चिमांचल
श्रीमती मधु बाहेती
(कोटा)

संयुक्त मंत्री पश्चिमांचल
श्रीमती कुंतल तोषनीवाल
(चित्तौड़)

उपाध्यक्ष दक्षिणांचल
श्रीमती अरुणा लढ़ा
(नासिक)

संयुक्त मंत्री दक्षिणांचल
श्रीमती अनुराधा जाजू
(हैदराबाद)

उपाध्यक्ष पूर्वांचल
श्रीमती निर्मला मल्ल
(कोलकाता)

संयुक्त मंत्री पूर्वांचल
श्रीमती रेखा लखोटिया
(दुर्गापुर)

कार्यालय मंत्री
श्रीमती भावना राठी
(धमतरी)

माहेश्वरी महिला

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी
महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

✻ प्रकाशक ✻

माहेश्वरी महिला समिति

22/15, यशवंत निवास रोड, इन्दौर
मो.: 9329211011
kabrasushila@gmail.com

अध्यक्ष
श्रीमती लता लाहोटी, पुणे

उपाध्यक्ष
श्रीमती विमलादेवी साबू, सूरत

सचिव
श्रीमती सुशीला काबरा, इंदौर

कोषाध्यक्ष
श्रीमती अनिता माहेश्वरी, ग्वालियर

संयुक्त सचिव
श्रीमती शोभा सादानी, कोलकाता

सदस्य
श्रीमती गीतादेवी मूंदड़ा
इंदौर
श्रीमती कल्पना गगरानी
मुंबई
श्रीमती आशा माहेश्वरी
कोटा

संपादक मण्डल
संरक्षक-सौ. लता लाहोटी
संपादक-श्रीमती सुशीला काबरा
सह-संपादक-प्रो. कल्पना गगरानी

अध्यक्ष-सौ. शैला कलंत्री, येवला
उपाध्यक्ष-सौ. विनीता लाहोटी, कोटा
सचिव-सौ. उर्मिला झंवर, इन्दौर
सदस्य-सौ. कविता दीवान, मथुरा
सदस्य-सौ. रमा साबू, इन्दौर

संपादकीय — नई सोच, नये विचार, नई ऊर्जा, नई शक्ति

प्रिय बहनों, जय महेश

श्रृंखलाबद्ध संगठन के तहत स्थानीय से लेकर राष्ट्र तक नव चयनित पदाधिकारियों को बहुत-बहुत बधाई एवं उनसे अपेक्षा नई सोच, नये विचार, नई ऊर्जा, नई शक्ति से, समर्पण भाव से, समाज को उच्च शिखर पर ले जाएं।

महेश नवमी पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएं

महेश नवमी हमारा वंशोत्पत्ति दिवस है। आशुतोष भगवान महेश की अनुकंपा से ही हम माहेश्वरी कहलाये हैं, इसीलिये हमारी संस्कृति व संस्कार श्रेष्ठ व अनुकरणीय हैं। बड़ों का सम्मान, बुजुर्गों की सेवा व परिवार में परस्पर प्यार व समन्वय बनायें रखें व पालन करें तभी ये त्यौहार या दिवस मनाने की सार्थकता होगी।

समाज सेवा के भाव को प्रमुखता देते हुए, प्रत्येक सत्र में एक घोष वाक्य निर्धारित किया जाता है एवं उसी के अनुरूप कार्य संचालित किये जाते हैं। चतुर्दश सत्र का भी बड़ा सुंदर घोष वाक्य निश्चित किया गया है ''पारदर्शिता, एकात्मकता व दूरदर्शिता'' अर्थात् स्पष्ट सोच व दृष्टि, सामूहिक शक्ति व उज्जवल भविष्य यानें विचारों में, कार्यों एवं आर्थिक नीति में सभी बातें पारदर्शी हो, सबको विदित हो संगठन में ही शक्ति है, ये सर्वविदित है और हमारी संस्कृति तो अनेकता में एकता के लिये प्रसिद्ध है तथा 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'वसुधैव कुटुंबकम्' को मानने वाली हैं। सेवा, त्याग, सदाचार जिनके संस्कारों में समाहित है उसी के अनुरूप इस चतुर्दश सत्र का घोष वाक्य सार्थक है। 'दूरदर्शिता' याने हमारे विचार व कार्य भविष्य के लिये क्या उचित है, तदनुसार योजना बनाई जाये व नये लक्ष्य तय किये जायें, जिनके माध्यम से पर्यावरण, प्रदूषण, वृक्षारोपण, जनसंख्या वृद्धि, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार व पारिवारिक रिश्तों में प्रगाढ़ता के अनुकूल कार्यक्रम तय किये जायें तब समाज में जागरुकता आएगी व राष्ट्र का विकास होगा।

समाज के साथ-साथ ग्राम विकास व राष्ट्र प्रेम की भावना जगायें। वर्तमान समय में राष्ट्र की परिस्थितियों के अनुकूल राष्ट्रहित के कार्यों का वातावरण बनायें। बड़े संयम के साथ संकल्प लें-''**हम स्वदेशी अपनाएं, जिससे देश की मुद्रा देश में रहे। विदेशी मुद्रा का संरक्षण करें, सोना खरीद कर संग्रह न करें। ईंधन की बचत पेट्रोल-डीजल, गैस अनावश्यक दुरुपयोग न करें। इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग व सोलर एनर्जी पर भी ध्यान देकर बचत के साथ अपनी देशभक्ति का भाव दर्शाये, राष्ट्र विकास में सहयोग करें।**''

धन्यवाद, जय महेश

सुशीला काबरा

संपादक, माहेश्वरी महिला पत्रिका

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन
(त्रयोदश सत्र 2023-25)

✻ राष्ट्रीय अध्यक्ष ✻
सौ. मंजु बांगड़, कानपुर
✻
✻ राष्ट्रीय महामंत्री ✻
सौ. ज्योति राठी, रायपुर
✻
✻ राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ✻
सौ. किरण लढ़ा, दिल्ली
✻
✻ राष्ट्रीय संगठन मंत्री ✻
सौ. ममता मोदानी, भीलवाड़ा
✻
✻ रा. निवृत्तमान अध्यक्ष ✻
सौ. आशा माहेश्वरी,कोटा
✻
✻ आंचलिक उपाध्यक्ष ✻
सौ. मंजु मानधना, नई दिल्ली
उत्तरांचल
सौ. अनुसूइया मालू,कोल्हापुर
दक्षिणांचल
सौ. उर्मिला कलंत्री, अहमदाबाद
मध्यांचल
सौ. गिरिजा सारड़ा, विराटनगर
पूर्वांचल
सौ. मधु बाहेती, कोटा
पश्चिमांचल
✻
✻ आंचलिक संयुक्त मंत्री ✻
सौ. मंजु हुरकट, मेरठ
उत्तरांचल
श्रीमती रेणु सारड़ा, हैद्राबाद
दक्षिणांचल
सौ. अनिता जावंधिया, बनखेड़ी
मध्यांचल
सौ. निशा लढ़ा, कोलकाता
पूर्वांचल
सौ. शिखा भदादा, भीलवाड़ा
पश्चिमांचल
✻
✻ कार्यालय मंत्री ✻
सौ. प्रीति तोषनीवाल (कानपुर)

अध्यक्षीय

हम समाज के उन्नति,एकता,सहयोग और भाईचारे के साथ अपने कर्तव्य को निभाएंगे

''विश्व का कण-कण शिवमय हो,
अब हर शक्ति का अवतार उठे,
जल थल और अंबर से फिर,
उमा महेश की जय जय कार उठे ''

त्रयोदश सत्र प्रभु श्री राम को समर्पित था ऐसे में 21 दिसंबर 2026 को रामलला के नगरी अयोध्या में साध्वी मंदाकिनी जी के आशीर्वाद से चतुर्दश सत्र हेतु अध्यक्ष के रूप में मेरा मनोनयन हुआ।

13 अप्रैल 2026 को डायमंड नगरी सूरत में संपूर्ण राष्ट्र की बहनों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से मेरे अध्यक्ष पद की घोषणा के साथ चतुर्दश सत्र की पूरी टीम बनी। पारिवारिक सदस्यों के बीच इतना बड़ा सम्मान मेरे लिए बहुत गर्व की बात थी वही भाव विभोर करने वाले क्षण थे! एक सामाजिक कार्यकर्ता से प्रारंभ हुआ यह 45 वर्षों का सफर समाज के प्रति समर्पित था उसे राष्ट्रीय नेतृत्व मिला।

जोश जुनून और जज्बा तो था ही किंतु विपरीत परिस्थितियों में भी कभी हार नहीं मानी पारिवारिक दायित्वों को पूर्ण करते हुए अनेकों पदों का निर्वाह किया।

बदलते परिवेश में समाज में आई जागरूकता से आज सामाजिक दायित्व का निर्वाह करना चुनौती पूर्ण कार्य हो गया है, किंतु कहते हैं ना मन में कुछ करने की इच्छा प्रबल हो और स्वयं पर विश्वास हो, तो लक्ष्य कितना भी दूर क्यों ना हो, डगर छोटी हो जाती है! और यदि हमारे साथ सद्भावना हो, सकारात्मक सोच हो तो हिम्मत अपने आप बढ़ जाती है।

राष्ट्रीय महिला संगठन का यह 50 वा स्वर्णिम सत्र हैं! किसी भी संस्था के लिए यह बहुत गौरवशाली बात होती है। मुझे गौरव है कि मैं इस सत्र का हिस्सा हूं।

मुझे पूर्ण विश्वास हैं मेरे केंद्रीय व आंचलिक पदाधिकारी पर, मेरे समिति प्रभारी पर, 27 प्रदेशों की कर्मशील बहनों पर! निश्चित रूप से सभी के सामूहिक प्रयास से यह स्वर्णिम सत्र यादगार सत्र बनेगा।

हम सभी जानते हैं नेतृत्व पद से नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की क्षमता से पहचाना जाता है! सफल वही संगठन होता है जहां हर व्यक्ति स्वयं को महत्वपूर्ण महसूस करता है और यह दायित्व होता है, नेतृत्वकर्ता का, वह सभी को सम्मान दे, सभी को साथ लेकर चले। जब हम किसी बड़े उद्देश्य को उद्देश्य पूर्ण कार्य के साथ करना चाहते हैं तो

चुनौतियां भी रास्ता नहीं रोक सकती, क्योंकि अच्छे कार्य में जुड़ा प्रत्येक व्यक्ति हमारा हौसला बढाता है।

हमारा लक्ष्य केवल आज की सफलता नहीं, बल्कि आने वाले समय की सोच को लेकर है। संस्था के 50 वर्षों के सफर में हम कहां से कहां तक पहुंचे हैं, हमारे विकास की यात्रा क्या रही, वैचारिक बदलाव क्या आया साथ ही हमें यह भी देखना है कि सामाजिक चुनौतियों का यथार्थ के धरातल पर हम कितना चिंतन मनन करने में सफल रहे !क्योंकि विकास एक अनवरत यात्रा है, और यात्रा के हर पड़ाव पर हमें अपने कार्यों का मूल्यांकन करना आना चाहिए।

हमें हमेशा याद रखना चाहिए Duty is Beauty, Beauty is not Duty.

जहां दायित्व है वहां चुनौतियां और समस्याएं तो आएगी ही, किंतु यह नेतृत्व करता पर निर्भर है कि वह उसका सामना कैसे करें कैसे सही विकल्पों को चुने।

भीड़ से हटकर अपनी पहचान बनानी है! केवल सामाजिक ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्वों को निभाते हुए हमें आगे बढ़ना है। अतः Smart thinking, Smart Planing, और Smart working से यदि हम कार्य करते हैं तो एक साधारण कार्य भी असाधारण बन जाता है! इन्हीं सब बातों को देखते हुए कुछ प्रमुख विषयों को लिया है।

पारदर्शिता–संगठन की विश्वसनीयता और सशक्त नेतृत्व की आधारशिला है।

एकात्मता–एकात्मक की भावना से सशक्त समाज का निर्माण होता है और संगठन को भी शक्ति मिलती है!

दूरदर्शिता–जहां दूरदर्शिता का भाव हो वही संगठन उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर होता है।

स्पष्ट दृष्टि, सामूहिक शक्ति ही उज्जवल भविष्य की आधारशिला है

अतः सामूहिक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ समाज को नई दिशा प्रदान करना यही हमारा कर्तव्य है यही हमारी सोच है।

23 जून 2026 को हमारा उत्पत्ति दिवस महेश नवमी है, आप सभी को बहुत–बहुत शुभकामनाएं। महेश नवमी केवल एक पर्व नहीं बल्कि भगवान महेश की कृपा से समाज की एकता ,संस्कृति ,और सेवा भावना का प्रतीक है।

आज बदलती परिस्थितियों में जीवन शैली बदल गई, आडंबर, दिखावा प्रतिस्पर्धा का दंश समाज के हर वर्ग को प्रभावित कर रहा है।

इस पावन अवसर पर हमें चिंतन मनन करना होगा, सामूहिक रूप से संकल्प लेना चाहिए, हम समाज के उन्नति,एकता,सहयोग और भाईचारे के साथ अपने कर्तव्य को निभाएंगे।

भगवान उमा महेश की कृपा से सभी के जीवन में सुख ,शांति ,समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य का संचार हो! इसी मंगल कामना के साथ आप सभी को महेश नवमी की पुनः हार्दिक शुभकामनाएं बधाई।

माहेश्वरी है हम, माहेश्वरी होना हमारी शान है

भगवान महेश ने हमें दिया माहेश्वरी होने का वरदान हैं

श्रीमती ज्योति राठी

अध्यक्ष

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

अपनी बात

दुनियादारी समझदारी

पदयोग्यता, पद लालसा और पदाभिमान

व्यक्ति की योग्यता, सर्वांगीण क्षमता का प्रतीक होती है। उसकी पदासीनता जो जितना कर्मठ होता है उसकी गुणवत्ता उसे संस्था में उतना उच्च स्थान दिलाती है।

भारतीय संस्कृति में हर संस्था में, परिवार से लेकर समाज, संस्थान, राज्य, राष्ट्र तक यही पद और पदोन्नति का दीर्घकालीन मापदंड रहा है। इस मापदंड संग अनेकों मानवीय गुण यथा प्रेमभाव, सहजता, शालीनता, सौहार्द, सम्मान–भाव ने इसे न केवल सदियों तक जीवित रखा, अपितु इसकी गरिमा को भी बढ़ाया।

संस्थाओं के शीर्ष नेतृत्वकर्ताओं की सूझबूझ, पारदर्शिता और भेदभाव हीनता ने इस सम्मान को परमेश्वरत्व तक प्रदान कर दिया। निश्छल ग्रामीण पंच परमेश्वर मानने लगा. और पदासीन व्यक्ति भी इस कार्य को लाभ का पद नहीं, अपितु सेवा का अवसर समझने लगता वो अधिकारी नहीं सेवक अपने को समझता था।

सेवा का सत्ता में परिवर्तन

धीरे–धीरे ये सामाजिकता, ये सेवा भाव, ये सौहार्दता, अधिकार का आभास देने लगी। स्वतंत्रता का आभास स्वच्छंदता में बदलने लगा। शिक्षा, संपत्ति के गर्व ने सामाजिक संतुलन को डगमगा दिया। सामाजिक व्यवस्थाएं डगमगाने लगी। परिवार व्यवस्था टूटने लगी। संस्थानों में सेवा का स्थान पदों ने ले लिया और राजनैतिक संस्थानों में गुंडा राज छा गया। प्रजातांत्रिक सिद्धांत ने गुणों की तुलना में गणनाओं को ही सब कुछ समझ लिया। शीघ्र ही गणना का आधार डगमगाने लगा। गणना में गुण गौण हो गया और गठजोड़, सौदेबाजी, असामाजिक तत्वों का दबदबा बढ़ गया। परिणाम स्वरूप हर जगह विकृति ही नजर आने लगी। योग्य, सभ्य, संभ्रांत व्यक्तियों ने पहले पांव पीछे हटा लिये और अब तो वे अपनी पसंदीदा छोटी सी दुनिया तक सीमित हो गये। ये आत्म केंद्रितता इतनी बढ़ गई इन सामाजिक राष्ट्रीय संस्थानों में सभ्य समाज और युवा पीढ़ी की कोई रुचि ही नहीं रही। सामाजिक संस्थायें और राष्ट्र प्रेम भाव उन्हें बेमानी लगने लगा।

सत्ता में शक्ति प्रदर्शन

सामाजिक और राष्ट्रीय संस्थानों से युवा और योग्य व्यक्तियों के पलायन से जो रिक्तता आई वहां बल, छल से उन लोगों का प्रवेश होने लगा जिनके पास सेवा भाव, प्रेम भाव नहीं था। था तो मात्र अहं भाव। शीघ्र ही सेवा के पद अभिमान के पद हो गये। परिवार हो, समाज हो या राजनीति का क्षेत्र हो ज्ञान, अनुभव, बड़प्पन, संस्कारिता सब नकारा हो जाये। पैसा और पॉवर का बोलबाला हो गया। अब कोई फर्क नहीं रहा कि वो पैसा किस तरह आया है, वो पावर सज्जनता का नहीं गुंडागर्दी का भी है तो क्या फर्क पड़ता है। संख्या बल अब सर्वोपरि है वो संख्या कैसे जोड़ी गई कौन पूछता है। मंडी बाजार की तरह संख्या की बोली लगने लगी। जो जितना लगायेगा उतनी ज्यादा संख्या जुटा पाएगा।

शक्ति से उपजा अभिमान

तप, त्याग, साधना और मेहनत से पाई वस्तु या पद एक संतुष्टि प्रदान करता है। छल, बल, जोड़–तोड़ से मिला साम्राज्य अभिमान की पराकाष्ठा पर ले जाकर बैठा

देता है।

हर व्यक्ति के मन में 'अहं ब्रह्मास्मि' का भाव जगा देता है। आप अपने आपको सर्वश्रेष्ठ समझने लगते हैं। अपने आसपास के लोग आपको तुच्छ, नाकारा लगने लगते हैं। बड़े से बड़ा पद पाने की चाह में आपकी आत्ममुग्धता खुले आम ये ऐलान करने लगती है कि आप से अच्छा कोई नहीं है। आप से बढ़कर आपके चहेते पद का कोई दूसरा योग्य दावेदार हो ही नहीं सकता। आपके गुणों का बखान आप ही अपने मुंह से ढोल पीट-पीटकर करने लगते हैं या बलपूर्वक दूसरों से करवाने लगते हैं।

पद की असीमित चाह-अवसाद की राह

एक नजर उठाकर देखिये, हर संस्थान में पद सीमित होते हैं, पुरस्कार गिने चुने होते हैं। दावेदार अनेकों होते हैं। चयनकर्ता अनेकों योग्य पैमानों पर नापते नापते इन पदों और पुरस्कारों के लिये निर्धारित योग्य की सूची में सबसे योग्य को सूझ-बूझ से कसौटी पर कसता है और इस श्रेष्ठ मात्र को चुनता है।

आपका अहं उस समय को स्वीकार नहीं कर पाता। लालच और लालसा, विवेक और आत्म सम्मान को इतना कुंठित कर देती है कि विश्व की सर्वोच्च सत्ता जाने वाले देश का राष्ट्रपति तक प्रतिष्ठित नोबल पुरस्कार को पाने के लिये पुरस्कार विजेता से कह सकता है कि तुम्हें मिला है, तुम मुझे दे दो।

शक्तिमान हक से मांग रहा है और अन्य मांग नहीं पाते तो गलत प्रचार-प्रसार में लग जाते हैं। व्यक्तित्व की गरिमा को गिराते हुए विजयी पर अनेकों लांछन लगाने लगते हैं। इस तरह के क्रिया कलाप आप की चाह को तो पूरा नहीं कर पाते, हां आपकी प्रतिष्ठा पर दाग लगा देते हैं। आपको मजाक का विषय बना देते हैं। आपके मुंह पर जो आपके मन में लगी आग में घी डालते नजर आते हैं। आपके मुंह पर आपकी जूठी तारीफ करते हैं, आपको लड़ने-लड़ाने पर उकसाते हैं, वहीं पीठ पीछे आपका मजाक उड़ाते हैं।

बुद्धि विवेक से विचार करें

1. क्या ये असीमित आक्रोश, आपकी पहचान को नुकसान नहीं पहुंचा रहा?

2. क्या, ये आपको गलत राह पर नहीं ले जा रहा?

3. क्या, ये असीमित चाह मानसिक दुःख का कारण नहीं है?

4. क्या, ये मानसिक वेदना आपके शारीरिक स्वास्थ्य को हानि नहीं देगी?

5. क्या, ये पद मात्र ही जिंदगी का मकसद है?

6. नाराजी में उठाये आपके कदम क्या आपका चारित्रिक हनन नहीं करते?

7. क्या, ये अहं और दंभ आपकी प्रगति में बाधक नहीं है?

8. क्या, ये हठधर्मिता संस्थाओं की साख खत्म नहीं करेगी?

9. क्या, ये उदाहरण युवा पीढ़ी को विमुख नहीं करेंगे?

10. क्या, आप स्वयं अपना और अपने में लोगों का विश्वास नहीं खो देंगे।

निष्कर्ष : ये समझिये और अपने आपको समझाइये कि तारीफ और मूल्यांकन वह नहीं होता जो हम अपने आप करते हैं। तारीफ और मूल्यांकन वो होता है जो दुनिया करती है। हार को स्वीकारना भी सीखिये। तब ही हार के आगे जीत होती है।

प्रो. कल्पना गगडानी, सह-संपादक

पर्यावरण के प्रति जागरूकता: पानी बचाना, पेड़ लगाना और प्रदूषण कम करना भी समाज सुधार का हिस्सा है,
क्योंकि एक स्वस्थ पर्यावरण के बिना मानव जीवन सुरक्षित नहीं है।

त्रयोदश सत्र की अंतिम राष्ट्रीय बैठक स्वर्ण मंगलम 2026 के सफल आयोजन हेतु

आभार अभिव्यक्ति

गुजर जाते हैं.. खूबसूरत लम्हें..
यूं ही मुसाफिरों की तरह..
यादें खड़ी रह जाती है अविरल ..
सुहाने रास्तों की तरह..

अद्भुत! अविस्मरणीय! अत्यंत ही सराहनीय ! विमला सा अनुपम स्वर्ण मंगलम्।

जिसकी शब्दों में जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। 12-13 अप्रैल 2026 को माहेश्वरी लक्सरिया सूरत के प्रांगण में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्वागत अध्यक्ष श्रीमती विमला जी साबू के दूरदर्शी नेतृत्व , स्नेहिल मार्गदर्शन में गुजरात प्रदेश अध्यक्ष मंजू श्रीजी काबरा, प्रदेश मंत्री कांताजी मोदानी की मंजुल कांति बन दमका, सूरत जिलाअध्यक्ष वीणा जी तोषनीवाल के उत्कृष्ट प्रयासों से गूंजायमान जिला सचिव प्रतिभा मोलासरिया की श्रेष्ठता बन महका। उर्मिला संग अनीता की मंगल छवि बन मंजुल सफलता के उन्नत सोपान पर चढ़ गया ।

मानो... ज्योर्तिमय,उज्नवल आशा की किरण के साथ ममता सरीखी उद्घाटनकर्ता के रूप में मुंबई से पधारी प्रिय माया सी अनुपम छवि गढ़ गया।

बच्चों की शानदार प्रस्तुति बैंड बाजे के साथ , वंदे मातरम का उद्घोष, महेश वंदना, सुंदर स्वागत, मधुरिम गीत, युवा प्रतिभाओं का सांस्कृतिक कार्यक्रम श्वेता के शाब्दिक संचालन ने सबको को लुभाया ।

सम्मानित अतिथि गण, सूरत समाज की विभूतियां, पूरे भारतवर्ष तथा नेपाल से पधारी बहनों की बृहद उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्य बनाया।

शक्ति वंदनम सम्मान अलंकरण से सम्मानित युवा बेटियों, प्रतिभाओं ने अपने विचारों से महिला सशक्तिकरण के रूप में सजाया। गोल्डन मूवमेंट के रूप में आत्मरक्षा अभियान में स्वर्णिम कीर्तिमान बनाकर स्वर्णिम इतिहास रचाया। स्वर्ण जयंती के शुभारंभ का डिजिटल लोगो संग दीपों के प्रकाश से कुछ अनूठा आगाज किया जिसमें संरक्षक मंडल, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बहनों का सम्मान उनकी उपस्थिति का कुछ विशेष अंदाज रहा, जिसके लिए सभी को विनम्रता पूर्वक नमन- वंदन- अभिनंदन।

अवार्ड सेरेमनी को नृत्य संगीत तथा खूबसूरत व्यवस्थाओं ने अप्रतिम बनाया। अगले दिन सुबह श्री अरविंदजी साबू जी के व्याख्यान तथा कीर्तन के माध्यम से संगठन में शक्ति बन अध्यात्म की भक्ति को दर्शाया । सुंदर आतिथ्य, सुंदर संयोजन, भोजन, आवास संपूर्ण व्यवस्था लाजवाब।

गुजरात प्रदेश एवं सूरत जिला संगठन की प्रत्येक कार्यकर्ता, प्रत्येक बहन के सुदृढ़ प्रयासों को नमन। जिनकी सहभागिता ने कार्यक्रम को बनाया सफल बेहिसाब।

आप सब की मेहनत रंग लाई, अति सुंदर सफल कार्यक्रम के लिए संगठन के प्रति समर्पित व्यक्तित्व आदरणीय विमला दीदी, आयोजक गुजरात प्रदेश व सूरत जिला अध्यक्ष मंत्री पदाधिकारी एवं समस्त टीम को मंजुल हृदयीव, बधाई।

आभार सहित

मंजु बांगड़
राष्ट्रीय अध्यक्ष-त्रयोदश सत्र
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

अध्यक्षीय आभार अभिव्यक्ति

दीप अकेला कितना जलता, जब तक साथ न बाती हो

जय उमा महेश, जय सियाराम

मेरी इस वैचारिक यात्रा की सह यात्री समस्त बहनों को नमन– वंदन– प्रणाम।

किसी ने सच कहा है कि जीवन में कुछ यात्राएं ऐसी होती हैं जो केवल समय का एक अध्याय बनकर समाप्त नहीं हो जाती, बल्कि वे हृदय की स्मृतियों में एक मधुर अनुभूति, आत्मा की गहराइयों में एक पावन स्पर्श, और संबंधों की उष्मा में सदा सर्वदा जीवित रहने वाली अमिट छाप बन जाती है और माहेश्वरी महिला संगठन की त्रयोदश सत्र की अध्यक्ष के रूप में मेरा यह संपूर्ण कार्यकाल मेरे लिए ठीक ऐसा ही एक भावनात्मक, प्रेरणादाई और आत्मीयता से परिपूर्ण जीवन का सुखद अनुभव रहा है जिसे शब्दों में बांध पाना मेरे लिए अत्यंत कठिन है।

जब मैं अपने संगठनात्मक दायित्व के इस सुंदर अध्याय की ओर दृष्टि करती हूं तो हृदय से केवल यही भाव निकलता है...

राम ही मार्ग है राम ही प्रेरणा है।

प्रभु श्री राम ने सिखाया, सत्ता सेवा से पवित्र होती है और नेतृत्व त्याग से महान। इसी राम तत्व को आधार बनाकर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन ने हर कार्य को यज्ञ माना और हर दायित्व को धर्म।

यह सत्र वास्तव में मंजुल सपनों को साकार करने का खूबसूरत सफर रहा। आज अत्यंत गर्व के साथ कहना चाहूंगी कि हमारी दसों समितियों के माध्यम से हमने केवल योजनाएं नहीं बनाई बल्कि अपने ड्रीम प्रोजेक्ट्स को साकार किया। जहां एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए मेडिसिनल वृक्षारोपण, योग सोपान, आत्मरक्षा अभियान में **तीन गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड** बनाए वहीं दूसरी ओर टेक्नोलॉजी, व्यक्तित्व विकास, महिला सशक्तिकरण, संस्कृति एवं साहित्य चेतना के साथ, परिणय बंधन और समाज की सेवा के लिए नेत्रदान, मेडिकल बैंक की स्थापना कर जरूरतमंदों के जीवन में आशा की नई किरण जगाई। हमने केवल कार्य नहीं किये बल्कि संस्कारों को भी सशक्त किया। **शक्ति वंदनम** जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से नारी शक्ति को सम्मान और मंच दिया तो वही संगमनेर की धरती पर किशोरी संस्कार शिविर का आयोजन कर, आने वाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य का सपना भी साकार किया जो कभी हमारे दिलों में एक संकल्प के रूप में था। कानपुर में आयोजित राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक उर्विजा की सफलता के साथ–साथ, **मंगलाचरण, कौशलेंद्रम, मंगल शक्ति, मंगल प्रबोधन, मंगल प्रेरणा, क्षितिजा, मंगल मैत्री, मंगल अभिव्यक्ति, मानस सिद्धि, स्वर्ण मंगलम**, 10 कार्य समिति व 4 कार्यकारिणी बैठकों का भव्य आयोजन हम सभी की सामूहिक शक्ति समर्पण और एकता का परिणाम है। हमने यह सिद्ध किया कि जब सोच बड़ी हो नीयत साफ हो और टीम एकजुट हो तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता।यह हमारे संगठन की शक्ति है की राम सत्र में अयोध्या की पावन भूमि पर आयोजित हमारी बैठक को इतना सम्मान मिला कि उसे **पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ जी कोविंद** द्वारा भी सराहा गया। यह केवल एक उपलब्धि नहीं बल्कि हमारे प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान है।

''पर उपकार वचन मन काया'' राष्ट्रीय उद्घोष के रूप में यही भाव हमारे हर संकल्प में रहा। सेवा में विनम्रता, नेतृत्व में मर्यादा और सफलता में अहंकार नहीं केवल कृतज्ञता... जिसके लिए आप सभी बहने बधाई की पात्र है।

आज जब मैं पीछे मुड़कर इस पूरे सफर को देखती हूँ, तब ऐसा प्रतीत होता है मानो यह केवल कार्यक्रमों, बैठकों, यात्राओं और योजनाओं की श्रृंखला भर नहीं थी, बल्कि यह

प्रेम, विश्वास, सहयोग, समर्पण और सामूहिक शक्ति से निर्मित एक ऐसा जीवंत परिवार था, जिसमें प्रत्येक बहन ने अपने भाव, अपने श्रम, अपने समय और अपने स्नेह से संगठन रूपी इस विशाल वटवृक्ष को सींचने का पावन कार्य किया।

कुछ रिश्ते पदों से नहीं,
प्रेम और विश्वास से बनते हैं,
कुछ लोग जीवन में ऐसे आते हैं,
जो स्मृतियों में नहीं, धड़कनों में बसते हैं

सबसे पहले मैं संरक्षक के रूप में विद्यमान आदरणीय रत्नी मां, अपनी सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अग्रज बहनों आदरणीय लता जी लाहोटी, गीता जी मूंदड़ा, विमला जी साबू, शोभा जी सादानी, सुशीला जी काबरा, कल्पना जी गगरानी के प्रति अपनी हृदयपूर्ण कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती हूँ, जिनके अनुभव, दूरदर्शिता, मार्गदर्शन और आशीर्वाद ने मुझे हर परिस्थिति में संबल प्रदान किया; क्योंकि नेतृत्व का मार्ग कभी अकेले तय नहीं होता, उसके पीछे अनेक अनुभवी हाथों का स्नेह, अनेक शुभेच्छुओं की प्रार्थनाएँ और अनेक आत्मीय व्यक्तित्वों की प्रेरणा जुड़ी होती है, और मुझे यह सौभाग्य प्राप्त हुआ कि आप सभी का संरक्षण मुझे प्रत्येक कदम पर मिलता रहा।

मैं पाँचों अंचलों की सभी उपाध्यक्ष बहनों का विशेष रूप से अभिनंदन और धन्यवाद करना चाहती हूँ, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में अथक परिश्रम, अद्भुत संगठन क्षमता और मातृवत आत्मीयता के साथ संगठन की गतिविधियों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया; आपने केवल आंचलिक अधिवेशन व कार्यक्रम आयोजित नहीं किए, बल्कि आपने समाज की बहनों को जोड़ने, उन्हें मंच देने, उनमें आत्मविश्वास जगाने और संगठन की भावना को घर-घर तक पहुँचाने का जो कार्य किया, वह वास्तव में अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक है।

मेरी सभी संयुक्त मंत्री बहनों ने जिस समर्पण, सूझबूझ और निस्वार्थ भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया, वह मेरे लिए सदैव गर्व का विषय रहेगा; क्योंकि किसी भी संगठन की सफलता केवल शीर्ष नेतृत्व से नहीं, बल्कि उन समर्पित सहयोगियों से निर्मित होती है, जो बिना किसी अपेक्षा के हर परिस्थिति में संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं।

विशेष रूप से निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती आशा जी माहेश्वरी को हृदयग्राही आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने अपने नाम को पूर्णता सार्थक करते हुए हर कदम पर आशा के भाव का संचार किया। स्नेहिल सानिध्य दिया, मातृवत आत्मीयता के साथ हर कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई... आपको दिल से धन्यवाद।

रा.महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी के प्रति मैं अपने मन की गहराइयों से आभार व्यक्त करना चाहती हूँ; क्योंकि आपने केवल एक महामंत्री के रूप में कार्य नहीं किया, बल्कि हर कठिन क्षण में मेरी शक्ति बनकर, हर निर्णय में मेरी सहयोगी बनकर, हर चिंता में मेरी साथी बनकर इस पूरे कार्यकाल को सहज, संतुलित और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपकी कार्यशैली, आपकी सजगता और आपका आत्मीय व्यवहार सदैव मेरे हृदय में विशेष स्थान रखेगा।

रा. कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण जी लढ्ढा ने अत्यंत पारदर्शिता, ईमानदारी और सूक्ष्मता के साथ संगठन की आर्थिक व्यवस्था को जिस गरिमा से संभाला, वह वास्तव में प्रशंसनीय है; क्योंकि किसी भी संगठन की मजबूती केवल उसके विचारों से नहीं, बल्कि उसकी सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली और उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवस्था से भी निर्मित होती है।

संगठन मंत्री श्रीमती ममता जी मोदानी का मैं विशेष रूप से धन्यवाद करना चाहती हूँ, जिन्होंने संगठन को जोड़ने, समन्वय स्थापित करने का जो कार्य किया, वह संगठन की प्रगति में सर्वदा सहायक रहेगा क्योंकि संगठन केवल संरचना से नहीं चलता, वह भावनात्मक जुड़ाव, आत्मीय संवाद और पारिवारिक वातावरण से जीवंत बनता है।

अत्यंत सजग प्रिय कार्यालय मंत्री श्रीमती प्रीति जी तोषणीवाल ने अत्यंत अनुशासन, तत्परता और समर्पण के साथ कार्यालय व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखा; अक्सर मंच पर दिखाई देने वाली सफलता के पीछे कुछ ऐसे मौन व्यक्तित्व होते हैं, जिनका श्रम दिखाई नहीं देता, लेकिन जिनके बिना कोई भी कार्य सुचारु रूप से संभव नहीं हो सकता, और आपने यह भूमिका अत्यंत कुशलता से निभाई। आपको भी प्रीति भाव से परिपूर्ण मंजुल बधाई।

हमारी शिल्पकार दसों समितियों के राष्ट्रीय समिति

प्रभारी, सह–प्रभारी मंडल एवं सभी समिति सदस्य बहनों का योगदान इस पूरे कार्यकाल की सबसे सुंदर और सशक्त उपलब्धियों में से एक रहा है; क्योंकि आप सभी ने अपनी रचनात्मकता, अपनी सक्रियता और अपने अथक प्रयासों से संगठन को केवल कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि समाज सेवा, संस्कार संवर्धन, महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक चेतना, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता जैसे अनेक आयामों तक विस्तारित किया।

दीप अकेला कितना जलता,
जब तक साथ न बाती हो,
संगठन तभी सफल कहलाता,
जब सबमें मंजुल सी ज्योति हो

मेरी कार्यसमिति बहनों, सभी प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश मंत्री, प्रदेश पदाधिकारी, कार्यकारिणी बहनों और प्रत्येक कार्यकर्ता बहन के प्रति मैं जितना धन्यवाद व्यक्त करूँ, वह कम होगा; क्योंकि आपने अपने परिवार, अपने व्यक्तिगत दायित्वों और अपने समय के बीच से संगठन के लिए जो समय निकाला, जो श्रम दिया और जो समर्पण दिखाया, वही इस पूरे सत्र की वास्तविक शक्ति रहा है।

कई बार हम मंच पर कुछ चेहरों को सम्मानित होते देखते हैं, लेकिन उन सफलताओं के पीछे अनगिनत ऐसे हाथ होते हैं, जो बिना किसी प्रशंसा की अपेक्षा के निरंतर कार्य करते रहते हैं; और मेरी प्रत्येक कार्यकर्ता बहन उसी मौन शक्ति का स्वरूप है, जिसके कारण यह सत्र सफलता, सौहार्द और आत्मीयता का एक सुंदर उदाहरण बन सका।

आज जब यह कार्यकाल पूर्ण हुआ, तब मन में अनेक भाव एक साथ उमड़ रहे हैं – संतोष भी, स्मृतियाँ भी, कृतज्ञता भी और भावुकता भी; क्योंकि यह केवल पद का समापन नहीं है, बल्कि उन असंख्य मधुर क्षणों का स्मरण है, जिन्हें हमने साथ मिलकर जिया, सँवारा और सहेजा।

और आज इसी भाव के साथ मन बार–बार यह कहना चाहता है –

दुआ तो जाने कौन सी थी
जहन में नहीं
बस इतना याद है
की दो हथेलियां मिली हुई थी
जिनमे एक मेरी थी और एक तुम्हारी

बीज बोना आसान है, पर वृक्ष बनाना धैर्य मांगता है,सींचने के लिए समय ,त्याग और सहभागिता चाहिए।

अब यह बीज आप सभी की सहभागिता से वृक्ष बनेंगे– ऐसे वृक्ष जो सुरक्षा देंगे, संस्कार देंगे और समाज को नई दिशा देंगे।

यह यात्रा किसी एक अध्यक्ष की नहीं है ,यह हम सब की साझा साधना है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपका सहयोग आपके विश्वास और आपके परिश्रम से हमारे प्रकल्प केवल योजनाएं नहीं आंदोलन बनेंगे।

हर कार्य के लिए उल्लास चाहिए
हर सांस के साथ मन का समावेश चाहिए
अपनी मंजिल की तरफ सभी बढ़ना चाहते हैं मगर
हर सफलता के लिए आप जैसी बहनों का साथ और विश्वास चाहिए।

अंत में मैं आप सभी को निरंतर ऊर्जा ,अटूट एकता और उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं।

हमारा संगठन केवल एक संस्था ना रहे,वह एक संस्कारशील समाज व राष्ट्र चेतना बने जहां महिलाएं केवल सहभागी नहीं, दिशा देने वाली शक्ति बने।

इसी विश्वास, इसी प्रार्थना और अनंत कृतज्ञता के साथ

आप सभी का **मंजुल हृदयी** आभार

रिश्ते कभी शब्दों से पूरे नहीं होते,
वे संवेदनाओं से जीवित रहते हैं;
और कुछ साथ ऐसे होते हैं,
जो समय बीत जाने के बाद भी
हृदय में सदैव धड़कते रहते हैं।

मंजु बांगड़
राष्ट्रीय अध्यक्ष त्रयोदश सत्र
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

चतुर्दश सत्र की नव चयनित टीम से कराते हैं रूबरू

राष्ट्रीय पदाधिकारी

चतुर्दश सत्र के

जगमगाते सितारे

नेतृत्व हैं जिनके कर कमलों में

आइये होते हैं उनसे रूबरू

राष्ट्रीय अध्यक्ष

सौ. ज्योति राठी, रायपुर

मैं कु. ज्योति गांधी से 1979 में श्रीमती ज्योति राठी बनी। रायपुर में अपना पारिवारिक जीवन प्रारंभ किया तब जीवन साथी श्री कमल राठी रायपुर माहेश्वरी युवा संगठन के सक्रिय सचिव के रूप में थे। इस संस्था में पति-पत्नी दोनों का सदस्य होना आवश्यक था अतः 1980 में मैने भी ज्वाइन किया। शालेय जीवन से ही कुछ लीडरशिप के गुण थे अतः 1981 में महिला युवा समिति की सचिव बनी। सतत तीन सत्र तक सचिव बनाया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष बनी। 1985 में सर्वश्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता से नवाजा गया।

रायपुर माहेश्वरी महिला समिति की 1992 में स्थापना हुई स्थापना वर्ष से सदस्य बन सचिव /अध्यक्ष पद का निर्वाह किया व वर्तमान तक संरक्षक के रूप में कार्यरत हैं। पारिवारिक व सामाजिक दायित्व निभाते हुए विवाह पश्चात बीए, एलएलबी की पढ़ाई कर डिग्री हासिल की।

1996 में छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला संगठन की स्थापना में दादी जी आदरणीय रुक्मिणी देवी टावरी के साथ रहकर प्रदेश संगठन को सशक्त बनाने हेतु गांव-गांव जाकर बहनों को जोड़ा और संगठन को मजबूती प्रदान करने में अपना संपूर्ण योगदान दिया। 2004 में कोटा के आंचलिक अधिवेशन और कार्य समिति बैठक लहरिया में प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया व प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ को प्रथम स्थान दिलाया।

मैंने जाना सफलता का रहस्य-वह था **''मंजिल को भी मत भूलिए और मेहनत से हमेशा जुड़े रहिए।''**

आपके कार्यों को देखते हुए 2005 में प्रदेश संयुक्त मंत्री से सीधा प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। तब छग प्रदेश पश्चिमांचल के अंतर्गत था। 2007 में आपने पश्चिमांचल अधिवेशन और राष्ट्रीय कार्य समिति बैठक का आतिथ्य स्वीकार कर रायपुर छत्तीसगढ़ में आयोजन किया और राष्ट्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदेश अध्यक्ष का सम्मान पाया।

अन्य समाज में भी अपने समाज की पहचान बने इसलिए प्रदेश में अन्य सामाजिक संस्थाओं को जोड़कर Brain Beauty जैसा विशाल आयोजन किया राष्ट्रीय पदाधिकारी को भी बुलाया। जीवन के रंग कल आज और कल तो कहीं ओ तो म्हारो राजस्थान जैसे आयोजन कर सैकड़ो बच्चों और युवाओं को मंच प्रदान किया।

राष्ट्रीय महिला संगठन में संयुक्त मंत्री के बाद दो बार आंचलिक उपाध्यक्ष बनी। सर्वश्रेष्ठ संयुक्त मंत्री व सर्वश्रेष्ठ उपाध्यक्ष का दर्जा पाया।

2020 में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के पद पर सुशोभित रही और बखूबी संगठन का लेखा-जोखा संभाला करोना काल आया किंतु लाखों का आय व्यय हुआ।

2023 में राष्ट्रीय महामंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ व गृहधाम रायपुर में सर्वसम्मति से राष्ट्रीय महामंत्री घोषित हुई। अनेक संस्थाओं में विभिन्न विषयों पर टॉक शो एवं उद्बोधन द्वारा संगठन में प्रशिक्षक का कार्य कर जागृति लाने का प्रयास सतत जारी है।

रायपुर माहेश्वरी समाज द्वारा सर्वश्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश के वक्ता मंच द्वारा दो बार संघर्षशील महिला अवार्ड से सम्मानित किया गया।

अयोध्या धाम में सर्वसम्मति से चतुर्दश सत्र हेतु आपको राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मनोनित किया गया परम साध्वी मंदाकिनीजी के हाथों जब अध्यक्ष का ताज पहनाया गया तो आपको लगा सब कुछ पा लिया।

राष्ट्रीय महामंत्री

सौ. किरण लढ़ा, दिल्ली

दिल्ली निवासी श्रीमती किरण रमेश लड्ढा, माहेश्वरी महिला संगठन के जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय टीम में अनेक दायित्वों का निष्ठा, समर्पण एवं कुशलता पूर्वक निर्वहन करते हुए वर्तमान सत्र के लिए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन में राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर चयनित हुई है।

वर्ष 2008 में दिल्ली प्रदेश महिला संगठन के अंतर्गत एक नया जिला गठित किया गया 'पश्चिम दिल्ली माहेश्वरी महिला संगठन'। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता यही से प्रारंभ हुई। उक्त क्षेत्रीय संगठन के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में लगातार दो सत्र अर्थात् सन् 2013 तक अध्यक्ष पद दायित्व का निर्वहन किया। इसके पश्चात 2016 तक दिल्ली प्रदेश महिला संगठन उपाध्यक्ष, 2020 तक दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, 2023 तक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और 2023 से 2026 तक अ.भा. मा. महिला संगठन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन किया।

श्रीमती किरण लढ़ा का जन्म 2 मार्च 1966 को राजस्थान के नागौर जिलांतर्गत कुचामन सिटी कस्बे में हुआ। आपकी मान्यता है कि पिताजी स्व. रामगोपाल जी तोषनीवाल और माताजी स्व. रामी देवी तोषनीवाल द्वारा प्रदत्त पारिवारिक, सामाजिक और धार्मिक संस्कार आपके जीवन की श्रेष्ठ निधि है। विद्यार्थी काल से प्रतिभाशाली रही हैं। पारंपरिक लोक त्यौहारों और पर्वों में आपकी बाल्यकाल से ही विशेष रुचि, श्रद्धा और आस्था रही है। आपने स्नातक स्तर तक शिक्षा प्राप्त की है। धर्म और आध्यात्म में आपकी गहरी रुचि है।

बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न श्रीमती किरण लढा माहेश्वरी महिला संगठन के अतिरिक्त अनेक प्रतिष्ठित सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक संस्थाओं में निरन्तर सक्रिय है। आल इंडिया वैश्य फैडरेशन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, ''मैं हूं भारत फाउंडेशन'' में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, नवज्योति फाउंडेशन में कार्यसमिति सदस्य, अखिल भारतीय सेवासदन, पुष्कर मे दो सत्र कार्यसमिति सदस्य,अपने क्षेत्र की अनेक धार्मिक संस्थाओं में कार्यसमिति सदस्य, वनबंधु परिषद मे नई दिल्ली महिला समिति की संस्थापक अध्यक्ष व इस समय निवर्तमान अध्यक्ष के साथ- साथ विभिन्न ट्रस्टों में ट्रस्टी एवं पदाधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है।

राजनीति में भी भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा से आपका जुड़ाव है। मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष , जिला महिला मोर्चा महामंत्री व दिल्ली प्रदेश टीम में संयुक्त मंत्री रह चुकी है। राष्ट्र सेविका समिति व विश्व हिंदु परिषद् में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है।

अब तक आपको अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। यथा ''सशक्त नारी सम्मान'', वैश्य गौरव सम्मान, नारी शक्ति सम्मान, शिवशक्ति सम्मान, उत्कृष्ट कार्यकर्ता सम्मान,नारी गौरव सम्मान, माहेश्वरी वूमन ऑफ वर्थ अवार्ड आदि।

विगत अनेक वर्षों से सामाजिक एवं सार्वजानिक विभिन्न क्षेत्रों में अनेक बड़े बड़े कार्यक्रमों का सफल आयोजन आपके कुशल मार्गदर्शन में हुआ है। स्वच्छ भारत अभियान , प्लास्टिक हटाओ अभियान,बेटी पढ़ाओं- बेटी बचाओ अभियान मे आपने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है।

दो पुत्र, पुत्रवधुओं, पौत्र पौत्रियों से भरपूर पूरा परिवार सार्वजनिक जीवन में आपका विशेष सहयोगी है।

*

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

सौ. ममता मोदानी, भीलवाड़ा

ममता मोदानी, शिक्षा–बी.ए.। आपका विवाह 1989 में किशनगढ़ के श्री सत्यनारायण मोदानी के सुपुत्र डॉ. श्रीनिवास मोदानी से हुआ। आपका पुत्र प्रनल मोदानी संगम इंडिया लिमिटेड में चीफ एक्जिक्युटिव हैं। पुत्री साक्षी स्वयं के व्यापार में कार्यरत है। ममता मोदानी सन् 2004 से संगम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस भीलवाड़ा की निर्देशिका है। वर्तमान में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन हैं। आप 2023 से संगठन मंत्री रहीं। प्रमुख कम्प्यूटर नेटवर्किंग एंड एडवांस तकनीकी शिक्षा समिति में रही। उपाध्यक्ष पश्चिमांचल) अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की दो सत्र रहीं। संयोजिक औद्योगिक समिति की रहीं। आप रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3050 की चेयरमैन रहीं। पूर्व अध्यक्ष–इनरव्हील क्लब, यूनेस्को महिला मंच, साहित्यांचल, कन्या भ्रूण रक्षण समिति, पूर्व अध्यक्ष छत्रा परिषद। पूर्व उपाध्यक्ष जिला यूनेस्को भीलवाड़ा, वर्तमान अध्यक्ष–सृजन संस्था, संरक्षक भीलवाड़ा सोशल क्रू क्लब, राष्ट्रीय बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सदस्य, भारत विकास परिषद शाखा–सदस्य, संरक्षक साहित्यांचल संस्था, लोक अदालत समझौता कमेटी सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य–अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर।

आपकी उपलब्धियां–यूनेस्को द्वारा सेवा सम्मान पुरस्कार से नवाजा गया। हिमालय हिंदुस्तान राष्ट्रीय सेवा सम्मान पुरस्कार से नवाजा गया। वूमन इंस्पिरेशन ऑफ भीलवाड़ा अवार्ड मिला। साहित मंडल नाथद्वारा समाज रत्न सम्मान, माहेश्वरी नारी शक्ति सम्मान, अविस्मरणीय कार्य हेतु गौरव सम्मान मिला।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री

सौ. गिरिजा सारड़ा, नेपाल

गिरिजा चित्तलंगिया सारड़ा एक प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता, उद्यमी और सामुदायिक नेता हैं, जिनका कार्यक्षेत्र भारत और नेपाल दोनों देशों में व्यापक रूप से फैला हुआ है। वर्तमान में वे कन्फेडरेशन ऑफ नेपालीज़ इंडस्ट्रीज़, कोशी प्रदेश की उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं और औद्योगिक विकास के साथ–साथ महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं।

गिरिजा एक बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी हैं–वे एक प्रभावशाली सामाजिक नेता, कलाकार और सफल व्यवसायी हैं। उनके नेतृत्व का विस्तार कई महत्वपूर्ण भूमिकाओं तक रहा है, जिनमें अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की उपाध्यक्ष,वर्तमान में नेपाल राष्ट्रीय मारवाड़ी महिला संगठन की संगठन मंत्री, तथा नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष शामिल हैं। वे वर्तमान में रोटरी क्लब ऑफ बिराटनगर डाउनटाउन की अध्यक्ष हैं और इससे पूर्व उन्हें डिस्ट्रिक्ट 3292 में सर्वश्रेष्ठ सचिव के सम्मान से नवाजा जा चुका है। प्रोजेक्ट स्वाश्रिता और पहला अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल एक्सपो–सखी एक्सपो का सफल आयोजन, इन दोनों प्रोजेक्ट्स ने गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त किया।

उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया है, जिनमें IMCC (इंडिया) का विमेन ऑफ वर्थ अवॉर्ड, मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा अनमोल समाज गौरव अवॉर्ड सम्मान शामिल हैं।

सामाजिक कार्यों के साथ–साथ गिरिजा एक सफल उद्यमी भी हैं। उन्होंने मात्र 19 वर्ष की आयु में हस्तशिल्प निर्यात से अपने व्यवसायिक सफर की शुरुआत की थी। वर्तमान में वे पायनियर रबर फैक्ट्री की पार्टनर हैं और पायनियर इलेक्ट्रोकेबल्स प्रा. लि. में मार्केटिंग डायरेक्टर के रूप में कार्यरत हैं, शैक्षणिक रूप से वे बी.कॉम और एल.एल.बी. की डिग्री धारक हैं, जो उनके व्यावसायिक अनुभव को मजबूत आधार प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, वे नेपाल की मारवाड़ी नारी शक्ति समूह की कोऑर्डिनेटर, श्री हरि सत्संग समिति (एकल श्री हरि) के महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष, तथा बिराटनगर महानगरपालिका की लैंगिक हिंसा समिति की सदस्य के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री

सौ. अनिता जांवधिया, बनखेड़ी

अनीता जी जावंधिया समाजसेवा, संगठन क्षमता और कुशल नेतृत्व की सशक्त प्रतीक हैं। आपका जन्म 20 अगस्त 1961 को नागदा में श्री दामोदरदास जी राठी के प्रतिष्ठित परिवार में हुआ। आपने बी.ए. तक शिक्षा प्राप्त की। आपका विवाह बनखेड़ी निवासी प्रतिष्ठित जावंधिया परिवार के उद्योगपति श्री राजेश जी जावंधिया के साथ हुआ। आप एक पुत्र एवं एक पुत्री की स्नेहमयी माताश्री हैं। वर्ष 1984 से आप निरंतर सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय हैं। आपने अपनी यात्रा स्थानीय इकाई में सचिव पद से प्रारंभ की। संगठन में अध्यक्ष, जिलामें संगठन मंत्री, कोषाध्यक्ष एवं सचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। तत्पश्चात प्रदेश सचिव एवं प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी आपने संगठन को नई दिशा प्रदान की।

आपको प्रदेश कोषाध्यक्ष के रूप में उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रदेश को राष्ट्र में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ तथा अखिल भारत वर्षीय में बेस्ट अध्यक्ष का सम्मान प्राप्त हुआ। आपकी उपलब्धियों को देखते हुए आपको अखिल भारतवर्षीय महिला संगठन में मध्यांचल संयुक्त सचिव तथा युगलसिद्धा समिति में पथ-प्रदर्शक नियुक्त किया गया। दिसंबर 2023 में आपने सांची में आयोजित कौशलेंद्रम अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

वर्तमान के चतुर्दश सत्र में आपने अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की संगठन मंत्री का पदभार ग्रहण किया है। आपको अनेक राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा वर्तमान में आप मानव अधिकार बनखेड़ी इकाई एवं वैश्य महिला संगठन बनखेड़ी की अध्यक्ष भी हैं। आपका समर्पण, सेवा और नेतृत्व सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। आपके उज्ज्वल, यशस्वी एवं मंगलमय भविष्य हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्रकल्प प्रमुख

सौ. भाग्यश्री चांडक

मैं सीए भाग्यश्री चांडक, पिछले 16 वर्षों से चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत हूँ। संगठन के प्रति समर्पण और सेवा भाव के चलते, ज़मीनी स्तर से कार्य शुरू कर आज 'राष्ट्रीय प्रकल्प प्रमुख' के दायित्व तक पहुँचना मेरे लिए अत्यंत गर्व और संतोष का विषय है। तकनीकी समिति से जुड़ने के पीछे मेरा सदा से एक ही मुख्य ध्येय रहा है-हमारी बहनों को तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के योग्य बनाना। आज के डिजिटल युग में तकनीक का सही ज्ञान न केवल हमारी क्षमता बढ़ाता है, बल्कि हमारे समय और धन की बचत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मेरा अटूट विश्वास है कि जब एक महिला तकनीक-कुशल बनती है, तो वह पूरे परिवार और समाज को डिजिटल रूप से सशक्त बनाती है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए, हम अपनी बहनों को ऑडियो-विजुअल माध्यमों के जरिए तकनीकी शिक्षा प्रदान करने की दिशा में अग्रसर रहे हैं। जटिल जानकारियों को सरल और रुचिकर वीडियो के रूप में प्रस्तुत करना हमारी प्राथमिकता रही है। इसके अतिरिक्त, बढ़ते डिजिटल दौर में सुरक्षा सर्वोपरि है। बहनों को साइबर धोखाधड़ी के खतरों से आगाह करने और सुरक्षित रखने के लिए हमने 'टिप ऑफ द वीक' की शुरुआत की थी, जो उन्हें सजग और सतर्क बनाने में सफल रही। साथ ही, सीखने की प्रक्रिया को उत्साहजनक बनाने के लिए हमने 'साप्ताहिक ट्रिविया' की योजना बनाई, जिससे खेल-खेल में बहनों का सामान्य ज्ञान बढ़ा। मेरा हमेशा प्रयास रहा है कि संगठन की हर बहन तकनीक को अपनी बाधा नहीं, बल्कि अपनी शक्ति बनाए। हम सब मिलकर एक सुरक्षित और प्रगतिशील डिजिटल परिवेश का निर्माण करें।

उपाध्यक्ष उत्तरांचल

सौ. प्रेमा झंवर

प्रेमा झंवर, सेवा, संस्कार और सकारात्मक सोच के साथ जीवन जीने में विश्वास रखती हैं। मेरा जन्म गुवाहाटी के एक प्रतिष्ठित व्यवसायिक एवं समाजसेवी परिवार में हुआ, जहाँ माता-पिता से उच्च जीवन-मूल्य प्राप्त हुए। विवाह के बाद कानपुर में पारिवारिक जीवन के साथ-साथ आपने समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझा और निभाया।

आपने हस्तकला में रुचि के साथ इवेंट मैनेजमेंट में भी कार्य किया। मातृत्व के साथ समाजसेवा की भावना हमेशा प्रबल रही। इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष एवं अन्य संस्थाओं में कार्य करते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण, कंप्यूटर सेंटर की स्थापना, गरीब बच्चों की शिक्षा और जरूरतमंद कन्याओं के विवाह में सक्रिय योगदान दिया।

कानपुर के एक कार्डियोलॉजी अस्पताल में आधुनिक हृदय मशीन का योगदान आपके लिए विशेष संतोष का विषय है। 'एकल परिवार' से जुड़कर ग्रामीण सेवा का अवसर मिला। एक निराश्रित वृद्ध महिला की 10 वर्षों तक सेवा करना आपके जीवन का भावनात्मक और मानवीय अनुभव रहा। माहेश्वरी महिला संगठन में विभिन्न जिम्मेदार पदों पर कार्य करते हुए, वर्तमान में उपाध्यक्ष उत्तरांचल के रूप में समाजहित में निरंतर सेवा के लिए संकल्पित हूँ।

संयुक्त मंत्री उत्तरांचल

सौ. मोनिका माहेश्वरी, मोदीनगर

रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर शिक्षित बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न व्यक्तित्व कला, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। कथक नृत्य एवं तबला में प्रभाकर व विशारद उपाधि प्राप्त करने के साथ-साथ इन्होंने कथक की विधिवत शिक्षा महान गुरु स्वर्गीय पंडित बिरजू महाराज से ग्रहण की। वर्तमान में आप अभिनंदन संगीत केंद्र की संयोजिका हैं, जो प्रयाग संगीत केंद्र से पंजीकृत है, जहाँ लगभग 70 विद्यार्थियों को नृत्य शिक्षा प्रदान की जा रही है। साथ ही माहेश्वरी समाज की 10 निर्धन छात्राओं को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

पारिवारिक रूप से आप श्री कुलदीप माहेश्वरी (शेयर ब्रोकर) की धर्मपत्नी हैं। आपके पुत्र अनुपम माहेश्वरी (डेटा साइंटिस्ट), अर्चित माहेश्वरी (सॉफ़्टवेयर इंजीनियर) तथा पुत्रवधू मोनिशा माहेश्वरी (डेटा साइंटिस्ट) हैं। आपको वर्ष 2015 में बेस्ट कल्चरल लायनेस, 2018 में बेस्ट डिस्ट्रिक्ट को-चेयरपर्सन तथा 2019 में राष्ट्रीय बैठक समिधा में बेस्ट सुकीर्ति समिति कोऑर्डिनेटर सम्मान प्राप्त हुआ। 2025 में मानस सिद्धि राष्ट्रीय बैठक में बेस्ट टाइम मैनेजमेंट अवार्ड से सम्मानित हुई। संगठनात्मक रूप से आप 2024 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष तथा 2026 में उत्तरांचल की संयुक्त मंत्री के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

उपाध्यक्ष मध्यांचल

सौ. नम्रता बियाणी, इंदौर

''हौंसले के तरकश में कोशिश का वो तीर ज़िंदा रख, हार जा चाहे ज़िन्दगी में सब कुछ, मगर फिर से जीतने की उम्मीद ज़िंदा रख।''

इन्हीं पंक्तियों को जीने वाली डॉ. नम्रता बियाणी एक प्रखर शिक्षाविद्, कुशल संगठक और 'QMAC Abacus' की सीईओ हैं। अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती ललिता जी एवं श्री सूरज नारायण जी मालपानी की सुपुत्री डॉ. बियाणी ने शैक्षणिक स्तर पर सदैव मेधावी रहते हुए 'एजुकेशनल इनोवेशन' में डॉक्टरेटऔर एनएलपी मास्टर प्रैक्टिशनर की उपाधि प्राप्त की है।

आपने महिला सशक्तिकरण समिति की राष्ट्रीय संयोजक और दो सत्रों तक व्यक्तित्व विकास समिति की राष्ट्रीय प्रभारी के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। वर्तमान में आप मध्यांचल उपाध्यक्ष के गरिमामयी पद को सुशोभित कर रही हैं। सामाजिक रूप से आप श्री माहेश्वरी विद्यालय की कार्यसमिति सदस्य और लायंस क्लब में कैबिनेट ट्रेजरार जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सक्रिय रही हैं।

'लायंस क्वेस्ट' की नेशनल ट्रेनर के रूप में आपने 'लार्जेस्ट ऑनलाइन अबेकस क्लास' के लिए दो बार वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। आपकी पुस्तक लाइफ़ मैनेजमेंट फ़ॉर टीनएजर्स और NEP आधारित आपकी वर्कशॉप्स देशभर में सराही गई हैं। आपको 'ग्लोबल विमेन अचीवमेंट अवार्ड' और 'उत्कृष्ट नेतृत्व पुरस्कार' जैसे दर्जनों सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

अपने जीवनसाथी श्री आनंद जी बियाणी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हुए आपने एक आदर्श परिवार का निर्माण किया है। आपके बड़े पुत्र आशय आईआईटी मुंबई से स्नातक कर भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) में कार्यरत हैं, एवं छोटे पुत्र आदित्य कॉर्पोरेट लॉ में अपनी पहचान बना रहे हैं। बहुमुखी प्रतिभा की धनी डॉ. नम्रता बियाणी सही मायनों में नारी शक्ति, संस्कार और आधुनिकता का एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

संयुक्त मंत्री मध्यांचल

सौ. भारती राठी, आर्वी

शिक्षा: एम.कॉम, बी.ए. (अंग्रेजी साहित्य) **व्यावसायिक उपलब्धियां**–20 वर्षों तक अंग्रेजी बोलने (एपसश्रळीह डशिरज्ञ–ळपस) की कक्षाएं संचालित कीं, जिससे 2500 से अधिक छात्र लाभान्वित हुए। ✻ 25 वर्षों तक विद्यानिकेतन कॉलेज, आर्वी में प्रधानाचार्य के रूप में सेवाएं दीं। ✻ पिछले 10 से अधिक वर्षों से पोदार एजुकेशन नेटवर्क के पोदार जंबो किड्स स्कूल का सफल संचालन। कई बार विभिन्न सेवाओं हेतु सम्मानित किया गया।

माहेश्वरी समाज के प्रति योगदान – 1) माहेश्वरी महिला संगठन के माध्यम से पिछले 25 से अधिक वर्षों से समाज की सेवा। ✻ स्थानीय अध्यक्ष: 2000 से 2002 ✻ जिला अध्यक्ष: 2010 से 2012 ✻ प्रदेश स्तर पर विभिन्न पद: 2012 से 2019 ✻ विदर्भ प्रदेश अध्यक्ष: 2020 से 2023

विगत सत्र में राष्ट्रीय संगठन में कार्य समिति तथा विधानसभा समिति संयोजिका के रूप में कार्य कर वर्तमान में राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री मध्यांचल' के रूप में कार्यरत। अपनी अध्यक्षता के दौरान उभरते रुझानों और ज्वलंत मुद्दों पर कई महत्वपूर्ण और प्रभावशाली सेमिनार आयोजित किए। उदाहरण स्वरूप: महिला सशक्तिकरण, महिलाओं का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, धन और निवेश, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, ग्लोबल वार्मिंग आदि।

समाज के प्रति व्यापक योगदान– ✻ इनर व्हील क्लब ऑफ आर्वी की चार्टर्ड (संस्थापक) अध्यक्ष। ✻ अनेक वंचित बच्चों को शिक्षा के अवसर प्रदान किए। ✻ विधवा महिलाओं को उनकी आजीविका के लिए सिलाई मशीनें और पीको फॉल मशीनें दान की। ✻ कई वर्षों से 15 अगस्त के अवसर पर वृक्षारोपण और बीज वितरण कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन। ✻ मेरी हार्दिक इच्छा एक आधुनिक 'गुरुकुल' स्कूल स्थापित कर समाज में संस्कार सेवा एवं संस्कृति के मूल्यों को आगे बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयासरत रहूं।

उपाध्यक्ष पश्चिमांचल

सौ. मधु बाहेती, कोटा

शब्दों में मिठास और भावों में संवेदना ही आपकी पहचान है। आपका विश्वास है कि प्रेम, सहयोग और संस्कारों की मधुरता से ही परिवार, संगठन और समाज सशक्त बनते है। आपके जीवनसाथी श्री ललित जी बाहेती सदैव आपके प्रेरणास्रोत एवं सहयोगी रहे हैं, ऐसा आपका मानना है। पुत्र मनीष बाहेती अमेरिका के सैंटेंडर बैंक में निदेशक पद पर कार्यरत हैं तथा पुत्रवधू हर्षिका बाहेती वित्तीय योजना एवं विश्लेषण क्षेत्र से जुड़ी हैं आपकी। पुत्री ईशा बाहेती मुंबई में जे.पी. मॉर्गन चेस में रणनीति सहयोगी हैं एवं दामाद संयम गुप्ता डेलॉइट मॉनिटर में रणनीति सलाहकार हैं। आपने इतिहास में स्नातकोत्तर एवं डी.सी.ए. की शिक्षा प्राप्त की है। मंच संचालन, कार्यक्रम संयोजन, पठन-पाठन, लेखन, गायन, प्रेरक वक्तृत्व, रेडियो वार्ता तथा स्मारिकाओं के संपादन में आपकी विशेष रुचि रही है। सारथी, सोपान, संवाद, संचिता, समन्वय सहित अनेक सामाजिक प्रकाशनों का संपादन करने का सौभाग्य मिला। पिछले 15 वर्षों से अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन में सक्रिय रहते हुए वर्तमान में पश्चिमांचल उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत है । समाजसेवा एवं नेतृत्व के लिए आपको विमेन ऑफ डिग्निटी इंटरनेशनल अवॉर्ड, साहित्यकार सम्मान, आउटस्टैंडिंग कार्यकर्ता अवॉर्ड तथा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2026 सहित अनेक सम्मानों से सम्मानित किया गया है। **सादा भोजन, उच्च विचार जीवन का आधार है ऐसे आपके विचार हैं।**

संयुक्त मंत्री पश्चिमांचल

सौ. कुंतल तोषनीवाल, चित्तौड़

श्रीमती कुंतल जी तोषनीवाल मध्यप्रदेश के महू की बेटी व चित्तौड़गढ़ के उद्योगपति तोषनीवाल घराने की बहू है । आपने इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एम.ए. किया है,सोफिया कॉलेज मुंबई से आपने फैशन डिजाइनिंग किया है। दोनों जगह यूनिवर्सिटी पोजिशन होल्डर रहीं। आप संगीत प्रभाकर हैं व 6 वर्षो तक आपने फूड एंड न्यूट्रिशन ,होम नर्सिंग,फर्स्ट एड पढ़ा है । गत 23 वर्षों से माहेश्वरी महिला संगठन के विभिन्न पदों पर कार्य किया है। आपने दक्षिणी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए हुए पूरे प्रदेश में सभी जिलों में मेडिकल बैंक्स बनवाए, कोरोना काल में फ्री टिफिन सर्विस ,सभी ओर फर्स्ट एड सेमिनार,बालिकाओं के लिए आत्म सुरक्षा सेमिनार करवाए, गोबर लकड़ी मशीने लगवाई व ऐसे बहुत से प्रोजेक्ट किए। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रभारी के पद पर रहते हुए करीब 45000योग शिविर, महिलाओं के लिए फ्री कैंसर चेकअप, face and fight cancer, सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन ड्राइव, मेडिकल चेकअप्स,योग संजीवनी, मरणोपरांत नेत्रदान ,हार्ट हेल्थ, प्राकृतिक चिकित्सा हेतु कार्यक्रम ,पूरे देश में मेडिकल बैंक्स बनवाना जिससे जरूरतमंद को मेडिकल इक्विपमेंट मिल सके, आदि प्रोजेक्ट किए हैं जिससे पूरे देश को स्वास्थ्य लाभ हो।आप विद्या भारती ,विद्या निकेतन बालिका विद्यालय, रोटरी, इनर व्हील जैसी संस्थाओं से जुड़ी है। संगीत ,पुस्तकें पढ़ना, ड्राइंग ,,पेंटिंग ,मांडना,संगीत, नाटक, एवं हस्त कलाएं आपके शौक हैं। मंच संचालन में आप पारंगत है। विगत 20 वर्षों से प्रतिदिन एक घंटा आप बच्चों को निशुल्क अंग्रेजी पढ़ा रही हैं। आपके द्वारा पढ़ाए हुए बच्चे देश विदेश में बड़े कॉलेजों व संस्थानों में नाम कमा रहे है। महिलाओं व बच्चों को दिशा देने हेतु आप कार्य कर रहे हैं ,जिससे राष्ट्र को कर्तव्यनिष्ठ नागरिक प्रदान कर पाएं।

उपाध्यक्ष दक्षिणांचल

सौ. अरुणा लढ़ा, नासिक

वर्तमान पद–दक्षिणांचल उपाध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

अनुभव एवं दायित्व–संस्थापक संचालक, डॉ. श्रीकांत करवा फाउंडेशन, ट्रस्टी, जी.के. बूब ट्रस्ट, संस्थापक अध्यक्ष, राजस्थानी लेडीज सर्कल, पूर्व कोषाध्यक्ष (दो कार्यकाल), महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन, अध्यक्ष–नासिक जिला वनबंधु परिषद

उपलब्धियां एवं सम्मान–Best President -ward (लायंस क्लब), मणिकर्णिका गुण गौरव सम्मान

सामाजिक कार्य–2018 कैंसर पीड़ितों हेतु मोबाइल सेवा वाहन समर्पित, 2020 गुरुजी हॉस्पिटल में एक कक्ष का दान, 25 जरूरतमंद बालिकाओं को शिक्षा हेतु साइकिल वितरण, नासिक के समीप ग्राम में आर्थिक सहयोग से नल–जल योजना स्थापित, आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की 4 बेटियों के विवाह में पूर्णता जिम्मेदारी पूर्ण सहयोग।

विशेष सहभागिता–2023अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की त्रयोदश सत्र की प्रथम कार्यसमिति बैठक में स्वागताध्यक्ष के रूप में दायित्व

रुचियां–समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण, संगठनात्मक कार्य

संयुक्त मंत्री दक्षिणांचल

सौ. अनुराधा जाजू, हैदराबाद

डॉ. अनुराधा जाजू एक प्रतिष्ठित करियर काउंसलर, मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शक एवं समाज जागरूकता कार्यकर्ता हैं, जो जीवन विज्ञान और काउंसलिंग मनोविज्ञान के समन्वित दृष्टिकोण से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान में डॉक्टरेट तथा काउंसलिंग मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। वे प्रमाणित करियर काउंसलर एवं काउंसलर काउंसिल ऑफ इंडिया की आजीवन सदस्य हैं तथा काउंसलिंग, हिप्नोथेरेपी और साइकोमेट्री में प्रशिक्षित हैं।

अनुराधा जी 2017 से डेटा मैनेजमेंट कंपनी eagledata solutions का स्वतंत्र संचालन कर रही है, साथ ही मन दृष्टि काउंसलिंग सेंटर के माध्यम से काउन्सलर के रूप से कार्यरत हैं। आप विभिन्न स्कूल एवं कॉलेज के साथ फ्री लाँसर के रूप में जुड़ी हैं और उन्हें अपनी सेवाये देती हैं।

उनका जन्म वाराणसी के प्रतिष्ठित मंत्री परिवार में हुआ तथा उनका विवाह हैदराबाद निवासी एवं समाज सेविका, दक्षिणांचल की पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती कलावती जी जाजू के मंझले पुत्र श्री अरुण कुमार जाजू से हुआ। वे आर्यन एवं आरव दो पुत्रों की माता हैं, जो उनके मार्गदर्शन में अपने जीवन पथ पर अग्रसर हैं।

डॉ. अनुराधा विद्यार्थियों को उनकी रुचि, क्षमता और व्यक्तित्व के अनुसार करियर चयन, तनाव प्रबंधन, आत्म–विकास एवं व्यक्तित्व निर्माण में सहायता प्रदान करती हैं। वे विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक मंचों पर कार्यशालाएँ, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं प्रेरक व्याख्यान आयोजित करती हैं। आप गर्भ संस्कार विशेषज्ञ भी हैं, जो गर्भवती महिलाओं को बच्चे के मानसिक विकास में सहयोग देती हैं। हाल ही में उनके द्वारा लिखी गई पुस्तक, गीता पर आधारित पैरेंटिंग, पाठकों द्वारा बहुत पसंद की जा रही है।

वे साहित्य समिति राष्ट्रीय सह प्रभारी एवं प्रभारी के रूप में विगत 3 सत्रों से हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार हेतु सक्रिय थी, और वर्तमान सत्र में दक्षिणांचल की संयुक्त मंत्री के रूप में कार्यरत हैं। अनुराधा जी लेखन और व्याख्यानों के माध्यम से सामाजिक जनजागरण का कार्य करती हैं। उनका उद्देश्य आत्म–जागरूकता, सकारात्मक सोच और जीवन मूल्यों को सशक्त बनाना है। सामजसेवा, व्यवसाय, घर परिवार की ज़िम्मेदारियों के बीच आप अपने शौक़ को भी जीती है, आप भरतनाट्यम, कथक एवं क्लासिकल गायन की विद्यार्थी है, और परफार्मिंग आर्ट्स में विशेष रुचि रखती हैं।

उपाध्यक्ष पूर्वांचल

सौ. निर्मला मल्ल, कोलकाता

निर्मला मल्ल,मायका और सुसराल में सदैव व्यापार देखा पर समाज सेवा हमेशा से सर्वोपरि रहा। जिसे मैंने काफी करीब से देखा और महसूस किया। मैंने समाज सेवा में रुचि लेना आरंभ किया। समाज सेवा में रुचि के कारण 2015 में वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन का अध्यक्ष का पद मिला।

मैंने महसूस किया कि महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ने की आज भी बेहद आवश्यकता है, इसीलिए अध्यक्ष पद पर रहते हुए महिलाओं को स्वावलंबी और आर्थिक रूप से मजबूत करने की दिशा में कार्य किये।

2020-22 में पुनः कोलकाता प्रदेश अध्यक्ष की बागडोर संभालने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और सामाजिक आर्थिक धार्मिक कार्य किए गए।

2023-26 सत्र में राष्ट्रीय समिति प्रभारी स्वयंसिद्धा महिला सशक्तिकरण समिति का पद प्राप्त हुआ।

मेरी प्रारंभ से ही एक ही सोच थी कि लोगों में उनकी खूबियां देखना और उनके मन में विश्वास जगाना।

स्वयं सिद्धा का अर्थ ही यही है कि अपने स्वयं को पहचानो अपने मन को जगाओ और सभी में खूबियाँ होती है और इन खूबियों को पहचान बनाते हुए कई महिलाओं को सशक्त बनाने की भरसक कोशिश की है। और आज भी यही सोच है कि अधिक से अधिक हमारे समाज की महिलाओं को रोज़गार में बढ़ावा देना।

संयुक्त मंत्री पूर्वांचल

सौ. रेखा लखोटिया, दुर्गापुर

श्रीमती रेखा लखोटिया, जीवन साथी स्व. श्री पवनजी लखोटिया ने हायर सेकेण्डिरी तक शिक्षा प्राप्त की। वर्तमान में वे 'पेकल और अम्मा' नाम से स्वयं का व्यापार कर रही हैं। आपको कुकिंग एवं वैरायटी पिकल मेकिंग व फ्लेइंग कार्ड का विशेष शौक है। आपके 2 सुपुत्र हैं। आप स्थानीय संस्था की फाउंडर अध्यक्ष रही हैं एवंजिले में सलाहकार पद पर रही। वर्तमान में निवृत्तमान प्रदेश अध्यक्ष हैं एवं राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री का पद सुशोभित कर रही हैं।

सामाजिक नेतृत्व

✻ **सकारात्मक बदलाव का माध्यम :** सामाजिक नेतृत्व का अर्थ समाज के कल्याण, सुधार और उत्थान के लिए लोगों को प्रेरित और संगठित करना है। ✻ **निःस्वार्थ भावना:** एक सच्चा सामाजिक नेता व्यक्तिगत लाभ से ऊपर उठकर समाज और देश के हित में काम करता है। ✻ **समानता और न्याय:** सामाजिक नेतृत्व का मुख्य उद्देश्य समाज में समानता, न्याय और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। ✻ **समस्याओं का समाधान:** ऐसा नेतृत्व समाज की कुप्रथाओं, गरीबी, अशिक्षा और अन्याय जैसी समस्याओं को दूर करने का प्रयास करता है। ✻ **प्रेरणा का स्रोत:** एक सामाजिक नेता अपनी बातों से ज्यादा अपने कार्यों और आदर्श व्यवहार से लोगों को प्रेरित करता है। ✻ **सामूहिक प्रयास:** सामाजिक नेतृत्व सभी वर्गों को एक साथ लेकर चलने और सामूहिक निर्णय लेने पर विश्वास रखता है।

कार्यालय मंत्री

सौ. भावना राठी, धमतरी

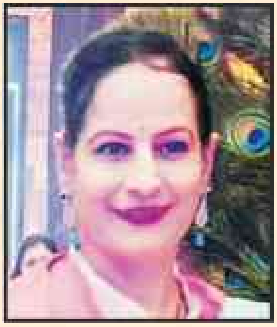

श्रीमती भावना राठी धमतरी, 1993 में विवाह धमतरी निवासी प्रतिष्ठित उद्योगपति श्री दिनेश कुमार राठी के साथ संयुक्त परिवार मे हुआ। दाम्पत्य जीवन की बगिया 2 पुत्रियों रूपी कलीयों से महक उठी।

25 वर्षों से धमतरी महिला मंडल की सक्रिय सदस्य, कोषाध्यक्ष, सचिव ,उपाध्यक्ष पद पर सक्रियता से कार्य किया। वर्तमान में सलाहकार पद पर हूं। धमतरी जिला में भूतपूर्व जिला अध्यक्ष व वर्तमान में संरक्षक पद पर कार्यरत हूं। छ. ग.प्रदेश महिला संगठन में उपाध्यक्ष ,प्रदेश सचिव का पद बखूबी निभाया। अखिल भारत–वर्षीय मा. म. संगठन 2023–26 में समिति ग्राम विकास व राष्ट्रोदय की राष्ट्रीय प्रभारी , संकल्प सिद्धा बन नवहरितिमा, mega medicinal plantation (Guiness world record holder), ज्ञानाकाश, नर सेवा नारायण सेवा व वस्त्रम् , smart गाँव का model जैसे अनेक सार्थक प्रकल्प किये। वर्तमान में राष्ट्रीय कार्यालयीन मंत्री पद पर।

विशेष–विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग ले अपने संगठन का प्रतिनिधित्व कर, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी छ. ग. को सदैव अव्वल स्थान दिलाया। विभिन्न संस्थाओं –इनरव्हील क्लब,मारवाड़ी युवा मंच में भी सचिव व कोषाध्यक्ष बन कार्य करते हुए अनेक पुरस्कार जीते। सामाजिक कार्य करते हुए भी सदैव परिवार को प्राथमिकता दी व अपने ससुराल व पीहर का मान बढ़ाया।

न यश की चाह थी.... न प्रसिद्धि की कामना..... हृदय में सदा थी... समाज–सेवा की सद्– भावना !

प्रचार प्रसार मंत्री

सौ. प्रतिभा नत्थानी, रायपुर

समाज सेवा मेरे लिए कोई पद नहीं, जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। कट्टर सामाजिक परिवार में जन्म होने से समाज सेवा की भावना व कार्य करने का जुनून वंशानुगत मिला। जिंदगी का असली मतलब सिर्फ अपने लिए जीना नहीं, दूसरों के लिए काम आना है। इसी विचार संस्कार के साथ पालन–पोषण हुआ। पिछले 45 सालों से माँ, गृहिणी व संयुक्त परिवार की जिम्मेदारी साझा करते हुए सामाजिक दायित्व को भी पूरे समर्पण से निभाने की कोशिश की है। स्थानीय संस्था में एक कार्यकर्ता के रूप में जुड़कर फिर सहसचिव, सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष,अध्यक्ष, सलाहकार सभी पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए आज संरक्षिका के रूप में जुड़ी हुई हूं। सबका साथ सबका विकास की भावना को सर्वोपरि रखते हुए जिला व प्रदेश में भी अनेक पदों पर कार्य किये। पिछले 2 सत्रों से महिला सशक्तिकरण समिति व स्वस्थ संजीवन सिद्धा समिति में आंचलिक सहप्रभारी का कार्यभार संभाला। बालिकाओं को पारंगत व सशक्त करने हेतु एक निःशुल्क सिलाई स्कूल खोली गई जहां पूरे कोर्स के साथ सिलाई सिखाकर परीक्षाएं ली जाती है व टाप में आई बालिकाओं को सिलाई मशीन भेंट दी जाती है। बालिका आश्रम में अनाथ बच्चों के लिए संस्कार शिविर व संस्कृत श्लोक की क्लासेज जैसी प्रकल्प आज भी अनवरत चल रही है। संजीवन सिद्धा समिति में कार्य करते हुए गोपाल मंदिर ट्रस्ट के साथ माहेस्वरी मेडिकल बैंक खोला। समाज ने मुझे पंख दिए, सभी बड़ों का मार्गदर्शन व सहयोग मिला।

माहेश्वरी महिला पत्रिका

सौ. उर्मिला कलंत्री, अहमदाबाद

उर्मिला दिनेशकुमार कलंत्री, अहमदाबाद निवासी बी.ए. स्नातक हैं। 1 बेटी स्वाति बियानी और 1 बेटा अश्विन कलंत्री है।

माहेश्वरी समाज में योगदान व उपलब्धियाँ–1984–86 अध्यक्षः माहेश्वरी प्रगति मंडल महिला विभाग, अहमदाबाद, 1996 से अब तक कार्यकारी सदस्यः माहेश्वरी प्रगति मंडल, अहमदाबाद, 2006–2009 संयुक्त मंत्रीः गुजरात प्रदेश, कार्यकारिणी सदस्यः अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन, विशिष्ट न्यासीः अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट, 2009–2013 उपाध्यक्षः गुजरात प्रदेश, राष्ट्रीय सचिव वेब साईट समिति

उपलब्धिः सर्वश्रेष्ठ समिति सचिव अवॉर्ड, 2013–2016 अध्यक्षः गुजरात प्रदेश, कार्यसमिति सदस्यः अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन, सर्वश्रेष्ठ प्रदेश अध्यक्ष सम्मान–2016–2019 सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय समिति प्रभारी एवं दो वर्ल्ड रिकॉर्ड प्राप्त, 2020–2022 राष्ट्रीय समिति प्रभारीः कम्प्यूटर एवं तकनीकी शिक्षा समिति, अनुकरणीय कार्य गौरव सम्मान–2023–2026 उपाध्यक्ष (मध्यांचल), 2026 अध्यक्षः माहेश्वरी महिला पत्रिका, अन्य संस्थाओं में योगदान व उपलब्धियाँ, 1990–91 अध्यक्षः लायनेस क्लब ऑफ़ कर्णावती, उपलब्धिः इंटरनेशनल, मल्टीपल एवं डिस्ट्रिक्ट–323बी बेस्ट क्लब एवं बेस्ट प्रेसिडेंट अवॉर्ड से सम्मानित, 1992–93 लायनेस में सर्वश्रेष्ठ को चेयर पर्सन अवार्ड2017–2020 संस्थापक अध्यक्षः वनबंधु परिषद् महिला समिति, अहमदाबाद, 2 एवार्ड प्राप्त–2021–2023 कार्यकारी अध्यक्षः फ्रेंड्स ऑफ़ ट्रायबल सोसाइटी अहमदाबाद चैप्टर, 4 एवार्ड प्राप्त–2024–2027 अध्यक्ष, 2003 प्रथम रिलायंस वेब वर्ल्ड एक्सप्रेस की शुरुआत, दो बार लगातार अवॉर्ड से सम्मानित, 2003–2018 तक सफलतम व्यवसायिक यात्रा।

मेरा स्वप्नः समाज की हर महिला को तकनीकी शिक्षा का ज्ञान प्राप्त हो सके यह हमारा ध्येय।समाज और आदिवासी बच्चों और महिलाओं के उत्थान के लिये कार्य करना यही जीवन का लक्ष्य है।

विधान समिति

सौ. मंगल मर्दा

पिछले 30 वर्षों से संगठन में कार्यरत है। जिला, प्रदेश में कई पदों की जिम्मेवारी निभाते हुए मध्यांचल के संयुक्त मंत्री एवम उपाध्यक्ष के पदों को बखूबी से निभाया । 1 सत्र कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति के राष्ट्रीय संयोजक, 1 सत्र प्रदर्शक का कार्य संभाला। पिछले सत्र में विधान समिति स्थाई प्रकल्प में प्रभारी नियुक्त ।वर्तमान सत्र में पुनः विधान समिति के प्रभारी पद पर चयन ।

मैं नेता हूँ

मैं नेता हूँ, मीठे शब्दों से, शतरंज की चाल जमाता हूं ,
चेहरे पर मुस्कान सजाकर, ढाई चाल चलाता हूँ।
हर को मीठी चुपड़ी बातों से बहलाकर ,
अपना मतलब निकलवाता हूँ
जिसकी ताकत भारी दिखती, उसका ही गुण गाता हूँ।
चापलूसी मेरी सीढ़ी है, जिससे ऊँचाई पाता हूँ,
सच की बातें कम ही करता, झूठ को सच बतलाता हूँ।
जनता को आश्वासन देकर, तालियाँ खूब बजवाता हूँ,।
रंग बदलना मेरी फितरत, हर–मौसम में ढल जाता हूँ,
जी हाँ साहब मैं नेता हूँ
बातों से दिल जीतूँ पहले, फिर सबको पीछे चलाता हूँ।
जो मेरी करते हांजी हांजी,
वो कहलाता चमचा अज्ञानी,
वरदहस्त उस पर मेरा, नहीं मेरी कोई सानी,
मूर्ख को सिहासन चढ़ा दूं,
तो चतुर को सीटा बता दूं,
हां साहब मैं नेता हूं जो सबकी चादर ताने वो अभिनेता हूँ।

विनीता लाहोटी

राष्ट्रीय समितियाँ

जिनके अन्तर्गत होंगे सेवा कार्य समाज का होगा उत्थान

स्वर्णिम कार्यकर्ता कौशल समिति

राष्ट्रीय समिति प्रभारी

रंजना बाहेती
पूर्वी म.प्र., मध्यांचल

✻ राष्ट्रीय समिति सह-प्रभारी ✻

अनुजा काबरा	ओडिशा	पूर्वांचल
रितू मूंदड़ा	पूर्वी राजस्थान	पश्चिमांचल
मधु राठी	छत्तीसगढ़	मध्यांचल
सुनीता मूंदड़ा	दिल्ली	उत्तरांचल
विष्णुकांता लोया	तेलंगाना आंध्र	दक्षिणांचल

स्वर्णिम तकनीकी संचार समिति

राष्ट्रीय समिति प्रभारी

सपना लाहोटी
महाराष्ट्र, दक्षिणांचल

✻ राष्ट्रीय समिति सह-प्रभारी ✻

अमृता सारड़ा	पश्चिम बंगाल	पूर्वांचल
छवि भदादा	दक्षिण राजस्थान	पश्चिमांचल
पूनम झंवर	विदर्भ	मध्यांचल
गरिमा गट्टानी	पूर्वी उत्तरप्रदेश	उत्तरांचल
भावना राठी	कर्नाटक-गोवा	दक्षिणांचल

स्वर्णिम बाल एवं किशोरी विकास समिति

राष्ट्रीय समिति प्रभारी

कविता माहेश्वरी
पश्चिम उ.प्र., उत्तरांचल

✻ राष्ट्रीय समिति सह-प्रभारी ✻

शकुंतला मंत्री	झारखंड बिहार	पूर्वांचल
मधु काबरा	दक्षिण राजस्थान	पश्चिमांचल
सीमा मालपानी	पश्चिमी म.प्र.	मध्यांचल
कृष्णा कोठारी	पूर्वी उत्तरप्रदेश	उत्तरांचल
सरिता साबू	टी.के.पी.	दक्षिणांचल

स्वर्णिम साहित्य रचना समिति

राष्ट्रीय समिति प्रभारी

सरोज मालपानी
पश्चिम बंगाल, पूर्वांचल

✻ राष्ट्रीय समिति सह-प्रभारी ✻

किरण अटल	नेपाल चैप्टर	पूर्वांचल
मीनू झंवर	दक्षिण राजस्थान	पश्चिमांचल
सुनीता नागोरी	पूर्वी म.प्र.	मध्यांचल
प्रिया माहेश्वरी	पश्चिमी उ.प्र.	उत्तरांचल
सरोज गट्टानी	महाराष्ट्र	दक्षिणांचल

स्वर्णिम आरोग्यम समिति

राष्ट्रीय समिति प्रभारी

डॉ. अल्पना लडडा
महाराष्ट्र, दक्षिणांचल

✻ राष्ट्रीय समिति सह-प्रभारी ✻

डॉ. मोनिका मूंदड़ा	ओडिशा	पूर्वांचल
आभा बेली	मध्य राजस्थान	पश्चिमांचल
डॉ. सीमा मूंदड़ा	गुजरात	मध्यांचल
आशा रांदड़	दिल्ली	उत्तरांचल
अंजू भराड़िया	महाराष्ट्र	रा.महामंत्री

राष्ट्रीय समितियाँ एवं उनके प्रभारी व सहप्रभारी

स्वर्णिम शक्तिवंदनम समिति

राष्ट्रीय समिति प्रभारी
माधुरी मोदी
विदर्भ, मध्यांचल

✻ राष्ट्रीय समिति सह-प्रभारी ✻

पारुल साबू	कोलकाता	पूर्वांचल
प्रीति राठी	पूर्वी राजस्थान	पश्चिमांचल
सुरुचि नत्थानी	छत्तीसगढ़	मध्यांचल
सीमा झंवर	मध्य उत्तरप्रदेश	उत्तरांचल
उर्मिला साबू	तेलंगाना आंध्र	दक्षिणांचल

स्वर्णिम आध्यात्म पर्व एवं संस्कृति समिति

राष्ट्रीय समिति प्रभारी
पूनम दरगड़
पूर्वोत्तर राज., पश्चिमांचल

✻ राष्ट्रीय समिति सह-प्रभारी ✻

रंजना राठी	नेपाल चैप्टर	पूर्वांचल
रजनी माहेश्वरी	पूर्वोत्तर राज.	पश्चिमांचल
नीलिमा चांडक	विदर्भ	मध्यांचल
जयश्री पेड़ीवाल	हरियाणा पंजाब	उत्तरांचल
शोभा भूतड़ा	कर्नाटक-गोवा	दक्षिणांचल

स्वर्णिम ग्राम विकास एवं राष्ट्रोत्थान समिति

राष्ट्रीय समिति प्रभारी
नीतू सोमानी
नेपाल चैप्टर, पूर्वांचल

✻ राष्ट्रीय समिति सह-प्रभारी ✻

पूनम मालपानी	आसाम	पूर्वांचल
सरिता बिहानी	उत्तरी राजस्थान	पश्चिमांचल
मनीषा लडढा	पूर्वी मध्यप्रदेश	मध्यांचल
शिखा शारदा	पश्चिमी उ.प्र.	उत्तरांचल
प्रभा चांडक	टी.के.पी.	दक्षिणांचल

स्वर्णिम परिणय बंधन समिति

राष्ट्रीय समिति प्रभारी
सीमा मूंदड़ा
हरियाणा पंजाब, उत्तरांचल

✻ राष्ट्रीय समिति सह-प्रभारी ✻

कुसुम तापड़िया	पश्चिम बंगाल	पूर्वांचल
सुनीता डागा	उत्तरी राजस्थान	पश्चिमांचल
दीप्ति धूत	पश्चिमी म.प्र.	मध्यांचल
करुणा अटल	मध्य उत्तरप्रदेश	उत्तरांचल
राजकमल मर्दा	महाराष्ट्र	दक्षिणांचल

स्वर्णिम परिवार प्रबोधन समिति

राष्ट्रीय समिति प्रभारी
वर्षा डागा
कोलकाता, पूर्वांचल

✻ राष्ट्रीय समिति सह-प्रभारी ✻

कविता सादानी	कोलकाता	पूर्वांचल
शांता धूत	मध्य राजस्थान	पश्चिमांचल
उमा जाजू	गुजरात	मध्यांचल
राधा चांडक	दिल्ली	उत्तरांचल
कमला तोषनीवाल	कर्नाटक-गोवा	दक्षिणांचल

प्रोफेशनल फोरम

राष्ट्रीय समिति प्रभारी
उषा मोहंता
दिल्ली, उत्तरांचल

✻ राष्ट्रीय समिति सह-प्रभारी ✻

मनीषा सोमानी	ओडिशा	पूर्वांचल
श्रद्धा गटटानी	दक्षिण राजस्थान	पश्चिमांचल
अमिता मूंदड़ा	छत्तीसगढ़	मध्यांचल
उर्मिला तापड़िया	पाली	पश्चिमांचल
रमा भूतड़ा	तेलंगाना आंध्र	दक्षिणांचल

चतुर्दश सत्र : राष्ट्रीय श्रृंखलाबद्ध संगठन के 5 अंचल के अंतर्गत 27 प्रदेशों के नवचयनित प्रदेश अध्यक्ष, सचिव एवं समस्त पदाधिकारियों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं

प्रदेश अध्यक्ष

उत्तरांचल

प्रदेश सचिव

दिल्ली

लक्ष्मी बाहेती

प्रभा जाजू

✻ अध्यक्ष – लक्ष्मी बाहेती, सचिव – प्रभा जी जाजू ✻ कोषाध्यक्ष – सुनीता जी झंवर ✻ संगठन मंत्री – वंदना जी समदानी ✻ राष्ट्रीय कार्यसमिति – निवर्तमान अध्यक्ष श्यामा जी भांगड़िया ✻ संरक्षक मंडल–किरण जी लड्ढा, (राष्ट्रीय महामंत्री), मंजुजी मांधना, शर्मिला जी राठी ✻ संस्थापक अध्यक्ष–विनीता जी बियानी ✻ उपाध्यक्ष–सरिता जी सोनी (नॉएडा क्षेत्र), रीटा जी सोनी (पूर्वी क्षेत्र), आराधना जी लाहोटी (पश्रिचमी क्षेत्र), करुणा जी कोगटा (उत्तरी क्षेत्र) ✻ सह सचिव–ममता जी शारडा (द्वारका क्षेत्र), सपना जी कोठारी (उत्तर–पश्रिचमी क्षेत्र), पूजा जी मूंधड़ा (दक्षिणी क्षेत्र), वंदना जी माहेश्वरी (मध्य क्षेत्र) ✻ प्रकल्प प्रमुख–डॉ. उर्वशी जी साबू ✻ प्रचार–प्रसार मंत्री–पंकज जी लोहिया ✻ सह प्रचार–प्रसार मंत्री, इंदु जी लड्ढा ✻ सांस्कृतिक मंत्री–सरोज जी दम्माणी ✻सह–सांस्कृतिक मंत्री, नीरू जी लाहोटी

पंजाब–हरियाणा

अनु सोमानी

निधि माहेश्वरी

✻अध्यक्ष–अनु सोमानी ✻ सचिव–निधि माहेश्वरी ✻ कोषाध्यक्ष–श्रुति सोमानी ✻ संगठन मंत्री जयश्री पेड़ीवाल ✻ कार्यसमिति–सीमा मूंदड़ा

पूर्वी उत्तरप्रदेश

रेखा सोमानी

मनीषा चोला

अध्यक्ष–रेखा सोमानी, वाराणसी ✻ मंत्री –मनीषा चोला लखनऊ ✻ कार्यसमिति –भारती करवा, वाराणसी ✻ कोषाध्यक्ष– ममता राठी ,लखनऊ ✻ संगठन मंत्री–अंजना बजाज ,प्रयागराज ✻ उपाध्यक्ष–पुष्पा माहेश्वरी वाराणसी, उमा माहेश्वरी, बहराइच, अंजना बजाज प्रयागराज, रेखा माहेश्वरी, लखनऊ ✻ सह मंत्री–स्मिता बिहानी, मिर्ज़ापुर, शिखा माहेश्वरी, लखनऊ, कृष्णा वी कोठारी, वाराणसी, प्रीती डागा, गोंडा ✻ सांस्कृतिक मंत्री–पूजा कोठारी, वाराणसी

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

मनीषा राठी
9045263600

अनामिका माहेश्वरी
9756749918

✻ प्रदेश अध्यक्ष–मनीषा राठी ✻ प्रदेश सचिव–अनामिका माहेश्वरी ✻ प्रदेश कोषाध्यक्ष–सुधा करनानी ✻ संगठन मंत्री–रमा गगरानी ✻ प्रकल्प प्रमुख–बीना चौधरी ✻ प्रदेश उपाध्यक्ष–पूनम गोदानी, सविता माहेश्वरी, सरिता भट्टर, श्वेता माहेश्वरी ✻ प्रदेश सहसचिव–प्रिया माहेश्वरी, भावना राठी, उर्मिला भूतड़ा, मंजूषा राठी ✻ सांस्कृतिक मंत्री–दीपाली माहेश्वरी ✻ सह सांस्कृतिक मंत्री–तृप्ति राठी ✻ संचार मंत्री–अंजलि माहेश्वरी ✻ संस्थापिका–रेखा माहेश्वरी ✻ प्रदेश संरक्षिका–कांता गगरानी, संगीता भट्टर, पूजा गोदानी ✻ निवृत्तमान अध्यक्ष–मोनिका माहेश्वरी ✻ सत्र संरक्षिका–विनीता राठी ✻ कार्यसमिति–रजनी हुरकट

मध्य उत्तर प्रदेश

नीलम मंत्री

रंजना भट्टर

✻ अध्यक्ष–श्रीमती नीलम मंत्री ✻ सचिव–श्रीमती रंजना भट्टर ✻ कोषाध्यक्ष–श्रीमती करुणा अटल ✻ संगठन मंत्री–श्रीमती शोभा तापड़िया ✻ निवृत्तमान अध्यक्ष–श्रीमती सीमा झंवर

प्रदेश अध्यक्ष

दक्षिणांचल

प्रदेश सचिव

आंध्रप्रदेश (तेलंगाना)

मंजुलाहोटी

✻ अध्यक्ष–श्रीमती मंजुलाहोटी ✻ प्रदेश सचिव–श्रीमती आरती असावा ✻ राष्ट्रीय कार्यसमिति–श्रीमती रजनी राठी ✻ प्रदेश कोषाध्यक्ष–श्रीमती सुधा लाहोटी ✻ संगठन मंत्री–श्रीमती निशा छापरवाल ✻ वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती पायल राठी ✻ उपाध्यक्ष–श्रीमती लता भट्टर, श्रीमती आरती झंवर, श्रीमती प्रेमलता माहेश्वरी, श्रीमती संतोष मालपानी ✻ सहमंत्री–श्रीमती मधुबाला दरक, श्रीमती दीपा असावा, श्रीमती रंजना लोया, श्रीमती मोनिका सोमानी ✻ प्रचार मंत्री–श्रीमती इंदिरा बजाज, श्रीमती संतोष लाहोटी ✻ सलाहकार–श्रीमती शकुंतला नावंदर, श्रीमती उर्मिला साबू

आरती असावा

मुंबई

सीमा बागला

✻अध्यक्ष–सीमा बागला ✻ सचिव–सुषमा चांडक ✻ निवृत्तमान अध्यक्ष–अनीता माहेश्वरी ✻ अर्थमंत्री–नीलम सोडानी ✻ संगठन मंत्री संगीता तोतला ✻ उपाध्यक्ष–कला मालपानी, स्नेहा राठी, संगीता माहेश्वरी ✻ सहसचिव–बसंती करवा, निर्मला लड्ढा, कुसुम बिनानी ✻ कार्यसमिति–सरोज सोनी

सुषमा चांडक

कर्नाटक

सुनीता लाहोटी

✻ अध्यक्ष–सौ. सुनीता लाहोटी ✻ सचिव–नीता भूतड़ा ✻ संगठन मंत्री उमा भट्टड़ ✻ कोषाध्यक्ष–सरिता सारड़ा, ✻ सहसचिव–कंचन राठी, प्रीति भूतड़ा, सुनंदा तापड़िया, कांता काबरा ✻ सत्र संरक्ष–प्रकाश मूंदड़ा ✻ सांस्कृतिक व साहित्यिक मंत्री सुलोचना जाजू ✻ ममता खटोड़ ✻ प्रचार प्रसार मंत्री–कलावती डागा ✻ उपाध्यक्ष–चंदा राठी, संतोष सोमानी, सीमा सारड़ा, विजयलक्ष्मी तोषनीवाल ✻ सलाहकार–शोभा भूतड़ा, कमला तोषनीवाल, पुष्पा गिलड़ा, सुमनबाई धूत

नीता भूतड़ा

तमिलनाडु

ममता दम्मानी

✻ अध्यक्ष–श्रीमती ममता दम्मानी ✻ सचिव–श्रीमती प्रीति बियानी ✻ कोषाध्यक्ष–श्रीमती रिंकू लखोटिया ✻ संगठन–श्रीमती श्रीवानी मूंदड़ा ✻ प्रचार–श्रीमती समीता लखानी ✻ उपाध्यक्ष–श्रीमती बीना मूंदड़ा, श्रीमती उर्मिला कोठारी ✻ सह–सचिव श्रीमती सरीता साबू ✻ कार्यसमिति–श्रीमती सुंदरदेवी चांडक

प्रीति बियानी

महाराष्ट्र

सरोज तोषनीवाल

✻ अध्यक्ष–सौ. सरोज तोषनीवाल ✻ सचिव–सौ. अनिता मालू ✻ कोषाध्यक्ष–सौ. कांता लाहोटी ✻ संगठन मंत्री–दीपा बियानी ✻ प्रकल्प प्रमुख–अंजु भराड़िया ✻उपाध्यक्ष–कल्पना लोया, मराठवाड़ा उपाध्यक्ष–कंचन बाहेती ✻ सहसचिव–माधवी चितलांगे, पश्चिम महाराष्ट्र उपाध्यक्ष–उर्मिला बियानी, सह सचिव–प्रतिभा कलंत्री, खानदेश उपाध्यक्ष–राधा झंवर, सहसचिव–नयना हेड़ा, कोंकण उपाध्यक्ष–संजू राठी, सह–सचिव–मंगल लाहोटी

अनिता मालू

प्रदेश अध्यक्ष

मध्यांचल

प्रदेश सचिव

पूर्वी मध्यप्रदेश

राजश्री राठी

✻ अध्यक्ष–श्रीमती राजश्री राठी ✻ सचिव–श्रीमती रेणु झंवर ✻ प्रकल्प प्रखर–श्रीमती उर्मिला सादानी ✻ कोषाध्यक्ष–श्रीमती प्राची मूंदड़ा ✻ संगठन मंत्री–श्रीमती शिखा जांवधिया ✻ सहसचिव–जयश्री बजाज ✻ प्रचार–प्रसार–करुणा माहेश्वरी ✻ नर्मदा संभाग–उपाध्यक्ष–श्रीमती कविता चांडक, संयुक्त मंत्री–श्रीमती सरला माहेश्वरी, सांस्कृतिक मंत्री–श्रीमती नीलम भूतड़ा ✻ भोपाल संभाग–उपाध्यक्ष श्रीमती सत्यभामा मंत्री, संयुक्त मंत्री श्रीमती संतोष गगरानी, सांस्कृतिक मंत्री–श्रीमती दीपिका सुरजन ✻ ग्वालियर संभाग–उपाध्यक्ष श्रीमती निधि माहेश्वरी, संयुक्त मंत्री–श्रीमती भारती भूतड़ा, सांस्कृतिक मंत्री–श्रीमती मधु माहेश्वरी ✻ जबलपुर संभाग–श्रीमती सुचिता राठी, संयुक्त मंत्री–श्रीमती मोना मालानी, सांस्कृतिक मंत्री–श्रीमती दीप्ति जेठा

रेणु झंवर

पश्चिमी मध्यप्रदेश

शोभा माहेश्वरी
9302116210

✻ अध्यक्ष–शोभा माहेश्वरी ✻ सचिव–साधना बियानी ✻ कोषाध्यक्ष–किरण लखोटिया ✻ संगठन मंत्री–माया झंवर ✻ निवृत्तमान अध्यक्ष–उषा सोडानी ✻ उपाध्यक्ष–सुमन सारड़ा, अर्चना परवाल, फाल्गुनी बियानी, शकुंतला झंवर, स्नेहलता झंवर ✻सहसचिव–डिम्पल माहेश्वरी, रेखा मंत्री, शालिनी भट्टड़, अनिता कोठारी, वंदना मेहरा

साधना बियानी
9165952000

छत्तीसगढ़

रूपा मूंदड़ा
9425560208

✻ अध्यक्ष–श्रीमती रूपा मूंदड़ा ✻ सचिव–श्रीमती नंदा भट्टर ✻ कोषाध्यक्ष–श्रीमती उर्मिला टावरी ✻ संगठन मंत्री–श्रीमती श्रद्धा राठी ✻ सत्र संरक्षिका–श्रीमती अमिता मूंदड़ा ✻ निवृत्तमान अध्यक्ष (राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य) श्रीमती शशि गट्टशानी

नंदा भट्टर
9300697320

विदर्भ

निलीमा मंत्री

✻ अध्यक्ष–नीलिमा संजय मंत्री ✻ सचिव– कल्पना ललित चांडक ✻ कोषाध्यक्ष–विद्या लद्दड ✻ संगठन मंत्री –संध्या केला ✻ प्रचार मंत्री – शिल्पा चांडक ✻ निवृतमान अध्यक्षा सुषमा बंग ✻ उपाध्यक्ष–कल्पना भुतडा, निना भंडारी, लक्ष्मी भट्टड, सुनिता मल ✻सहसचिव– मिनु मोहता, पुष्पा मुंदड़ा, राधिका मुंदड़ा, सुनंदा लढे

कल्पना चांडक

गुजरात

कांता मोदानी

✻ अध्यक्ष–श्रीमती कांता मोदानी ✻ मंत्री–श्रीमती प्रतिभा होलानी ✻ कोषाध्यक्ष – श्रीमती चंद्रप्रभा मूंदड़ा ✻ संगठन मंत्री–श्रीमती सरस्वती मालू ✻ उपाध्यक्ष–श्रीमती मीना चेचानी, श्रीमती ज्योति सोनी, श्रीमती संगीता चांडक ✻ संयुक्त मंत्री–श्रीमती कुमकुम बियानी, श्रीमती प्रीति मंडोवरा, श्रीमती सरला बजाज, श्रीमती स्नेहा माहेश्वरी ✻ प्रचार–प्रसार मंत्री–श्रीमती रितु मंत्री ✻ चुनाव पर्यवेक्षक–श्रीमती रेणु सारड़ा ✻ निवृत्तमान अध्यक्ष–श्री मंजुश्री काबरा

प्रतिभा होलानी

पूर्वांचल

प्रदेश अध्यक्ष

प्रदेश सचिव

आसाम

यश्मि राठी

✻ अध्यक्ष–यश्मी राठी ✻ सचिव–तृप्ति बिहाणी ✻ कोषाध्यक्ष–सुनिता मालपानी ✻ संगठन मंत्री–दुर्गा भट्टर

तृप्ति बिहानी

पश्चिम बंगाल

कृष्णा पेडीवाल

✻ अध्यक्ष–श्रीमती कृष्णा पेडीवाल ✻राष्ट्रीय कार्यसमिति–श्रीमती रेखा लखोटिया ✻ सचिव–नेहा चितलांगिया ✻ कोषाध्यक्ष–आभा लाहोटी ✻ संगठन मंत्री–श्रीमती निशा कल्याणी ✻ उत्तर संभाग उपाध्यक्ष–सोनिया मल्ल, सह–सचिव–कुसुम तापड़िया ✻ मध्य संभाग उपाध्यक्ष–अमृता सारडा, सह–सचिव–निशा बिहानी ✻ दक्षिण संभाग उपाध्यक्ष–मंजु बिहानी, सह–सचिव–सीमा चांडक ✻ सह–कोषाध्यक्ष–किरण डागा ✻ संपादक एवं सोशल मीडिया प्रभारी–नेहा चितलांगिया ✻ मार्गदर्शक–सरोज मालपानी ✻ संरक्षक–नीलम भट्टड़, मीरा मल्ल

नेहा चितलांग्या

उड़ीसा

शशि डोंगरा

✻ अध्यक्ष: श्रीमती शशि डोंगरा, कटक✻ सचिव: श्रीमती मुनमुन मूंदड़ा, झारसुगुड़ा✻ कोषाध्यक्ष: श्रीमती नीलम झंवर, भुवनेश्वर✻ संगठन मंत्री: श्रीमती सीमा कोठारी, कटक ✻राष्ट्रीय कार्यसमिति: श्रीमती अस्मिता मूंदड़ा, संबलपुर

मुनमुन मूंदड़ा

नेपाल

अमिता पेडीवाल

✻ अध्यक्ष–अमिता पेड़ीवाल ✻ सचिव–बिन्दु अटल ✻ कोषाध्यक्ष–रीता चितलांगिया ✻ संगठन मंत्री–संजु बाहेती

बिंदू अटल

झारखंड–बिहार

संगीता चितलांगिया

✻ अध्यक्ष–संगीता चितलांगिया ✻ सचिव–आंचल झंवर ✻ कोषाध्यक्ष–राज चांडक ✻ संगठन मंत्री–शोभा मालानी ✻ कार्य समिति सदस्य–उषा माहेश्वरी

आंचल झंवर

प्रदेश अध्यक्ष

पश्चिमांचल

प्रदेश सचिव

पूर्वोत्तर राजस्थान

सुनीता जेथलिया

✻ अध्यक्ष–सुनीता जैथलिया ✻ सचिव–सुलभा सारड़ा ✻ राष्ट्रीय कार्यकारिणी–विजयश्री तापड़िया ✻ कोषाध्यक्ष–प्रेमलता मानधना ✻ संगठन मंत्री–सुनीता कचोलिया ✻ उपाध्यक्ष–राजेश्वरी परवाल, मधु मोदानी ✻ सहसचिव–निर्मला राठी, निर्मला चेचानी

सुलभा सारड़ा

उत्तरी राजस्थान

सुनीता बिहानी
7976000829

✻ अध्यक्ष–सुनीता बिहानी ✻ सचिव–विभा बिहानी ✻ राष्ट्रीय कार्यसमिति–निशा झंवर ✻ कोषाध्यक्ष–राजकुमार लखोटिया, संगठन मंत्री–सरोज लखोटिया

विभा बिहानी
8949958690

दक्षिणी राजस्थान

सीमा कोगटा

✻ अध्यक्ष सीमा कोगटा ✻ सचिव मंजू गांधी ✻ कोषाध्यक्ष प्रेमलता चेचाणी ✻ संगठन मंत्री कृष्णा समदानी

मंजुगांधी

पूर्वी राजस्थान

नीलम तापड़िया

✻ अध्यक्ष–नीलम तापड़िया ✻ सचिव–कांचन राठी ✻ कार्यसमिति–मंजु भराड़िया ✻ राष्ट्रीय समिति सह प्रभारी–प्रीति राठी, ऋतु मूंदड़ा ✻ कोषाध्यक्ष–रेणु साबू ✻ संगठन मंत्री–निशा भराड़िया

कांचन राठी

मध्य राजस्थान

मनीषा बागला

✻ अध्यक्ष–मनीषा बागला ✻ सचिव–मीनाक्षी रांधड़ ✻ कोषाध्यक्ष–मंजु मुरख्या ✻ संगठन मंत्री अनीता सोमानी

मीनाक्षी रांधड़

समाज को तोड़ने वाले हजारों मिल जाएंगे, लेकिन जोड़ने वाला ही सच्चा नायक होता है।
जहाँ करुणा और न्याय होता है, वहीं समाज दीर्घायु होता है।
एक स्वस्थ समाज की नींव केवल और केवल आपसी विश्वास पर टिकी होती है।

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की दशम कार्यसमिति एवं चतुर्थ कार्यकारिणी बैठक सूरत में सम्पन्न (12-13 अप्रैल 2026)

नारी शक्ति का महाकुंभ स्वर्ण मंगलम्

के शंखनाद से गूंजायमान हुई सूरत की धरा, रचा गया स्वर्णिम इतिहास, "स्वर्ण महोत्सव" का हुआ आगाज

12, 13 अप्रैल 2026 को स्थान - माहेश्वरी लग्जरिया पर्वत पटिया सूरत (गुजरात) मे अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की दशम राष्ट्रीय कार्य समिति और चतुर्थ कार्यकारीणी बैठक ,स्वर्ण जयंती शुभारंभ, त्रयोदश सत्र के पदाधिकारी का सम्मान ,व चतुर्दश सत्र के पदाधिकारीयों का चयन डायमंड नगरी गुजरात में गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन के आयोजकत्व में, सूरत जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में संपन्न हुआ। यह आयोजन एक महोत्सव के रूप में नारी सशक्तिकरण, अटूट एकता, समाज सेवा के संकल्प का एक अद्भुत संगम बनकर उभरा । इस ऐतिहासिक बैठक का सफल आयोजन त्रयोदशी सत्र की यशस्वी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ एवं ऊर्जावान राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी की ओजस्वी नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती विमला जी साबू का विशेष मार्गदर्शन और अतुलनीय योगदान रहा, जिनकी गरिमा में उपस्थित ने संगठन की परंपराओं और अनुभव को नई पीढ़ी से जोड़ने का कार्य किया।

दिनांक 12 अप्रैल 2026 को सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुबांगड़ महामंत्री ज्योति राठी व अन्य पदाधिकारीयों द्वारा मंच पूजन के साथ औद्योगिक मेले का उद्घाटन किया गया।

☐ उद्घाटन समारोह

सुबह 11:00 बजे उद्घाटन समारोह प्रारंभ हुआ। आयोजक संस्था द्वारा कुमकुम तिलक लगाकर पुष्प वर्षा के साथ समस्त अतिथि, पदाधिकारी, और संगठन के बहनों का भावभीना स्वागत किया गया।

उद्घाटनकर्ता मुंबई इनकम टैक्स कमिश्नर माया जी माहेश्वरी मुख्य अतिथि महासभा के सभापति श्रीमान संदीप जी काबरा, कार्यक्रम अध्यक्ष मंजुजी बांगड़, प्रमुख अतिथि विख्यात उद्योगपति श्रीनरेंद्र जी साबू, प्रधान अतिथि श्री राम रतन जी भूतड़ा, विशिष्ट अतिथि ज्योति जी राठी, आशा जी माहेश्वरी, स्वागत अध्यक्ष विमला जी साबू एवं विशेष उपस्थिति मध्यांचल उपाध्यक्ष उर्मिला जी कलंत्री, प्रदेश अध्यक्ष मंजूश्री जी काबरा सूरत जिला अध्यक्ष वीणा जी तोषनीवाल थे।

आयोजक संस्था द्वारा भव्य उद्घाटन समारोह में संपूर्ण भारतवर्ष की महिला प्रतिनिधि एवं सूरत समाज की विशाल संख्या में विभूतियो की उपस्थिति से सुसज्जित प्रांगण में माहेश्वरी स्कूल के बच्चों द्वारा गार्ड ऑफ़ ऑनर देते हुए बहुत सुंदर बैंड की धुन के साथ अतिथियों का सभागार में आगमन हुआ। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की सुंदर प्रस्तुति दी गई।

सूरत की बहनों द्वारा मनमोहक महेश वंदना की प्रस्तुति व महिला शक्ति को दर्शाता हुआ मनोहारी स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। अतिथियों द्वारा भगवान उमा महेश का पूजन व दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ

किया गया ।

राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी द्वारा राष्ट्रीय महिला संगठन के त्रयोदश सत्र के कार्यों को पीपीटी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

श्वेता जाजू के संचालन के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। अतिथियों को मंचासीन करवाया गया। सूरत जिला अध्यक्ष वीणा जी तोषनीवाल द्वारा स्वागत उद्बोधन के बाद गुजरात प्रांतीय अध्यक्ष मंजूश्री जी काबरा द्वारा भी शाब्दिक स्वागत किया गया। कार्यक्रम की स्वागत अध्यक्ष विमलाजी साबू द्वारा सुंदर शब्द सुमन के साथ सभी का स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ता मंजुजी बांगड ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा **''स्वर्णमंगलम''** यह केवल एक नाम नहीं बल्कि एक विचारधारा है, एक भावना है। स्वर्ण हमारे गौरवशाली इतिहास हमारी एकता की चमक का प्रतीक है और मंगलम हमारे हर प्रयास में निहित शुभता , सकारात्मकता और उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना का प्रतीक है। इस त्रयोदश राम मय सत्र में जो कुछ भी सृजित हुआ वह केवल कार्यक्रम और आयोजनों का एक क्रम नहीं बल्कि एक ऐसी सामूहिक शक्ति साधना है।

एकता की डोर में बंध कर जब कदम सभी बढते हैं
तब ही राम राज्य के सपने सरकार सजीव बनते हैं

उद्घाटनकर्ता मुंबई इनकम टैक्स कमिश्नर मायाजी माहेश्वरी ने स्वर्ण जयंती सत्र की बधाई देते हुए महिला संगठन के मूल सिद्धांत व सिद्धियों से परिपूर्ण कार्यों की अत्यधिक प्रशंसा की।

संगठन द्वारा बच्चों, किशोरियों और महिलाओं के उत्थान हेतु जो भी कार्य किये जा रहे हैं साथ ही समाज में सांस्कृतिक ,आर्थिक विकास के क्षेत्र में किए गए कार्यों की आपने प्रशंसा की। आपने कहा हमारा समाज केवल पद या प्रतिष्ठा से जुडा नहीं होता बल्कि इस प्रकार के कार्यों द्वारा हम प्रगतिशील सोच के साथ नारी को सशक्त बनाने का सामर्थ्य भी रखते हैं । आपने अपने वक्तव्य में यह भी कहा कि नारी को यदि अवसर मिल जाए तो वह परिवार व समाज के साथ–साथ राष्ट्र को बदलने की क्षमता भी रखती है।

सभापति श्रीमान संदीप जी काबरा ने महिला संगठन के गौरवपूर्ण 50 वर्ष पूर्ण होने पर सभी का अभिनंदन करते हुए कहा राष्ट्रीय महिला संगठन एकमात्र संगठन है जो ग्राम इकाई से लेकर राष्ट्रीय तक डेमोक्रेटिक कार्य कर रहा है। आपने कहा सर्वाधिक डिजिटल टेक्नोलॉजी का सदुपयोग महिला संगठन ने किया है, आपने महिला संगठन के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहां कि वैचारिक जागृति के माध्यम से देश भर की महिलाओं को जागृत करने का और अधिक प्रयास करना है।

प्रमुख अतिथि नरेंद्र जी साबू प्रधान अतिथि रामरतन जी भूतड़ा ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए महिला संगठन के कार्यों की प्रशंसा की। आपने कहा महिला संगठन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि आज भी प्रत्येक कार्यक्रम में संपूर्ण पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बहने साथ–साथ उपस्थित रहती है।

इस सत्र में राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा प्रत्येक कार्यक्रम में अति विशिष्ट क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त करने वाली बहनों को युवतियों को शक्ति वंदनम सम्मान से सम्मानित किया गया है उसी अनुरूप इस अवसर पर भी संगठन द्वारा इन्हें सम्मानित किया गया।

✻ प्रशासनिक अधिकारी आईपीएस सौ. वेदिका बिहानी ✻ महिला उद्यमी सुश्री इशा झंवर ✻ सैन्य अधिकारी सुश्री आरुषि बाहेती ✻ महिला उद्यमी सौ शिप्रा राठी इस कार्यक्रम का संचालन समिति प्रभारी अनुराधा जी जाजू द्वारा किया गया।

स्वर्ण मंगलम् कार्यक्रम की झलकियाँ

माहेश्वरी बच्चों का बैंड

उद्घाटन सत्र

दीप प्रज्ज्वलन

सामूहिक नृत्य

राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योति राठी का स्वागत

सौ. भाग्यश्री चांडक का अभिनंदन

मां रत्नीदेवी काबरा व संदीपजी काबरा

श्रीमती सुशीला काबरा का अभिनंदन

कल्पना गगरानी का सम्मान

विमलादेवी साबू का सम्मान

प.म.प्र. के अध्यक्ष-सचिव का सम्मान

महिला ट्रस्ट अध्यक्ष ललिता मालपानी व मीना सांवल

महाराष्ट्र प्रदेश की टीम एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी

पूव.रा.अ. गीताजी व लताजी का सम्मान

स्वर्ण मंगलम् कार्यक्रम की झलकियाँ

रा.अ. ज्योतिजी एवं कमलजी राठी का स्वागत

गुजरात एवं सूरत की कार्यकर्ता

दीप प्रज्ज्वलन

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

नव निर्वाचित अध्यक्ष का सम्मान

रा. अध्यक्ष एवं गुजरात प्रदेश अध्यक्ष

महेश वंदना की सुंदर प्रस्तुति

श्रीमती गीता मूंदड़ा एवं सुशीला कावरा का सम्मान

नारी शक्ति का नृत्य से प्रदर्शन

निवृत्तमान रा.अध्यक्ष का अभिनंदन

आयोजक गुजरात प्रदेश के कार्यकर्ता

चतुर्दश सत्र के नवनिर्वाचित पदाधिकारी

रा.अध्यक्ष को ससम्मान मंच पर लाते हुए

राष्ट्र की विभिन्न समस्याओं के समाधान पोस्टर द्वारा

बालिका सुरक्षा अभियान के अंतर्गत सर्वाधिक विद्यालयों में आत्मरक्षा अभियान का आयोजन कर संगठन द्वारा गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया। संपूर्ण भारतवर्ष व नेपाल में 354 विद्यालयों में योग्य प्रशिक्षकों के द्वारा 38120 बेटियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए जिसके लिए संस्कार सिद्धा समिति की राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती अंजलि तापड़िया एवं उनकी संपूर्ण टीम एवं विभिन्न प्रदेशों के अध्यक्ष स्थानीय जिला एवं तहसील स्तर के पदाधिकारी और संयोजिकाओं ने एक सूत्र में बंधकर काम किया। इस त्रयोदश सत्र में यह तीसरा गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड राष्ट्रीय संगठन के नाम दर्ज हुआ। यह गौरवशाली उपलब्धि निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में अन्य संगठनों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी और समाज में बेटियों के प्रति एक सुरक्षित वातावरण निर्मित करने में सहायक होगी।

जैसा कि हम सभी जानते हैं वर्ष 2026 में संगठन के 50 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं ...अतः 51 दिए प्रज्वलित कर सुंदर गीत के साथ अतिथियों द्वारा स्वर्ण जयंती वर्ष स्वर्णिम महोत्सव का आगाज किया गया। संपूर्ण सभागार को स्वर्णिम रूप प्रदान किया गया था।

संगठन के 50 वर्ष के कार्यकाल में जिन बहनों ने अपनी सेवाएं दी जो राष्ट्रीय अध्यक्ष बने उन्हें उक्त अवसर पर राष्ट्र द्वारा सम्मानित किया गया। महामंत्री ज्योति राठी द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी पूर्व राष्ट्रीयअध्यक्ष द्वारा किए गए कार्यों की संक्षिप्त जानकारी सभागार के समक्ष रखते हुए उनका सामाजिक परिचय प्रस्तुत किया एवं सम्मानित किया। आदरणीय लता जी लाहोटी, गीता जी मूंदड़ा, विमला जी साबू, शोभा जी सादानी ,सुशीला जी काबरा, कल्पना जी गगरानी,आशा जी माहेश्वरी, मंजुजी बांगड़ अंत में नवनिर्वाचित अध्यक्ष ज्योति जी राठी। इन सभी को राष्ट्र की ओर से मंचासीन अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

मध्यांचल उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला जी कलंत्री द्वारा समस्त अतिथियों को धन्यवाद देते हुए प्रथम उद्घाटन सत्र का समापन किया।

□ द्वितीय सत्र– राष्ट्रीय कार्य समिति व कार्यकारिणी बैठक

आयोजक संस्था द्वारा सर्वप्रथम सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी का समिति प्रभारी का तीनों स्थाई प्रकल्प के पदाधिकारी का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया।

सर्वप्रथम महान शौर्य बलिदानियों को हमारे अपने जो शरणागत हुए उनको मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।

सभी का शाब्दिक स्वागत करते हुए अयोध्या में संपन्न गत नवम कार्य समिति व तृतीय कार्यकारिणी बैठक मानस सिद्धि के कार्यवृतांत हेतु सभागार द्वारा सहमति प्राप्त की गई।

राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ता जिनके मार्गदर्शन में यह सत्र सफलता की ऊंचाइयों पर रहा, राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़ ने अपने उद्बोधन में सभी का अभिवादन करते हुए अपने कार्यकाल की कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं की बात की तथा सभी का तहे दिल से आभार माना जिन्होंने इस सत्र को सफल बनाया। आपने टीम वर्क का महत्व बताया । **''पर उपकार वचन मन काया''** यह सूत्र केवल एक आदर्श वाक्य भर नहीं, बल्कि हमारे प्रत्येक विचार,प्रत्येक निर्णय और प्रत्येक कर्म की आधारशिला के रूप में हमारे साथ चलता रहा। तब प्रत्येक प्रयास उपकार में परिवर्तित हो जाता है और प्रत्येक कर्म समाज के लिए संदेश बन जाता है। संगठन में हम सब किसी

पद को प्राप्त करने के लिए नहीं बल्कि सेवा के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए एकत्रित हुए हैं। अतः हमें पद के पीछे नहीं भागना है बल्कि अपने कार्य ऐसे करने हैं की पद स्वयं हमारे पीछे चले। समिति प्रभारियो के कार्यों की सराहना करते हुए आपने कहा की समितियों के कार्य उनके द्वारा लिए गए प्रोजेक्ट अत्यधिक प्रशंसनीय थे ।

महामंत्री ज्योति राठी ने कहा हमें अपना स्व अवलोकन करना आना चाहिए हमें जो कार्य सौंपा गया था क्या, उसे हमने 100% देकर पूरा किया। जो जिम्मेदारी हमें मिलती है उसे हमें शिद्दत से निभाना आना चाहिए । विषम परिस्थितियों से भी रास्ता निकालकर अपनी जिम्मेदारियां पूरी करना और तब वह एक कार्यकर्ता के रूप में अपनी सही पहचान बना पाता है। हम अपनी वाणी व्यवहार व वक्तव्य से दुनिया को जीत सकते हैं और यदि यह सही नहीं रहा तो हम हार भी सकते हैं। एक अच्छा विचार और एक अच्छी सोच के साथ हमें सामाजिक कार्य करना चाहिए और एक बात हमेशा याद रखें चाहे हम कितने भी बड़े पदाधिकारी हो हम एक कार्यकर्ता थे और हमेशा एक कार्यकर्ता की तरह ही कार्य करेंगे ।

कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा द्वारा पूरे सत्र का आयव्यय पत्रक को प्रस्तुत किया गया। संगठन मंत्री ममता जी मोदानी, जिन्होंने प्रत्येक प्रदेश के संगठन मंत्री से पत्राचार किया था, अनेक जगह भ्रमण किया और पूरी संगठनात्मक जानकारी सभागार के समक्ष रखी।

सत्र संरक्षिका आदरणीय माँ रतनी देवी जी काबरा ने अपने आशीर्वचनों से सभागार को संबोधित किया। निवर्तमान अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी ने अपने मार्गदर्शन के तहत नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सुनियोजित कार्य शैली पर प्रकाश डाला। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला जी काबरा ने माहेश्वरी महिला पत्रिका बाबत पूरे सत्र की विशेष जानकारी बहुत सुंदर शब्दों में सभी को दी। महिला सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष ललिता जी मालपानी ने ट्रस्ट के विषय में महत्वपूर्ण बातें सभागार के समक्ष रखी।

इस सत्र में हमारे विधान का भी नवीनीकरण हुआ है। सभी को प्रादेशिक विधान भी दे दिया गया है। जिला विधान भी पूर्ण हो चुका है और विधान संबंधी भी बहुत सी बातें विधान समिति प्रमुख मंगल जी मर्दा द्वारा सभागार के समक्ष रखी गई ।

अंत में महामंत्री द्वारा इस सत्र का अंतिम धन्यवाद प्रस्तुत करते हुए कहा इन 3 वर्षों में सभी से जो स्नेह अपनापन आदर सम्मान मुझे मिला शायद वही मेरी अनमोल धरोहर बन गई है। सभी पदाधिकारी सभी समिति प्रभारी सहप्रभारी, प्रदेश की समिति संयोजिकाओने भी बहुत अच्छे से अपनी जिम्मेदारी के साथ कार्य किया। इस पूरे सत्र के दौरान जहां-जहां भी जिन प्रदेशों ने बैठके आयोजित की थी जिन्होंने कार्यशालाएं ली थी उन सभी को तहे दिल से धन्यवाद दिया । सभी प्रदेश अध्यक्ष, सचिव व पदाधिकारी ने कर्म योद्धा की तरह कार्य कर राष्ट्र के प्रत्येक प्रोजेक्ट में अपना अमूल्य योगदान हेतु सभी को धन्यवाद दिया।

अंत में यही कहा कि इस त्रिवर्षीय यात्रा के अनुभव हमें विश्वास दिलाते हैं जब विचारों में स्पष्टता हो, कार्यों में निष्ठा और साथ आप जैसे बहनों की एकता हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। इसी के साथ राष्ट्रीय बैठक का समापन हुआ।

□ तृतीय सत्र अवार्ड सेरेमनी-सफलता का सफरनामा (our journey our pride)

सम्मान समारोह-इस कार्यक्रम हेतू बहुत सुंदर संरचना

की गई थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु बांगड़ के नेतृत्व में महामंत्री ज्योति राठी, नम्रता बियानी और माधुरी मोदी द्वारा इस कार्यक्रम का संयोजन किया गया था । कार्यक्रम का शुभारंभ सुंदर भजन पर नृत्य प्रस्तुति से हुआ।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय पदाधिकारी, संरक्षक मंडल, आंचलिक पदाधिकारी, सभी समिति प्रभारी व सह प्रभारी प्रदेश अध्यक्ष,सचिव,कार्य समिति बहनों का, विशेष कार्य समिति सदस्यों का और इस सत्र पर्यंत प्रत्येक कार्य में सहभागिता देने वाले सभी को संगठन द्वारा अवार्ड से नवाजा गया। प्रदेशों को कोहिनूर तथा शालीमार कैटिगरी से सम्मानित किया गया। सूरत जिला व गुजरात प्रांत की बहनों द्वारा बीच-बीच में बहुत सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की गई।

दिनांक 13 अप्रैल 2026 (सुबह 10 बजे)

☐ आध्यात्मिक व्याख्यान

प्रमुख वक्ता थे श्री अरविंद जी साबू और उनका विषय था ''परम श्रेय क्या है'' बहुत ही सुंदर इनका सेशन रहा। हर कोई ने इसका भरपूर आनंद लिया बहुत कुछ सीखने को मिला आपने बताया कि गृहस्थ धर्म के साथ अपने व्यापार को भी संभालते हुए किस तरह हम आध्यात्मिकता को अपना सकते हैं। सभी ने कहा कि इस तरह का सेशन हर बैठक में होना चाहिए। बहुत ही सरल तरीके से गीता भागवत को अपना आधार बनाकर इन्होंने जीवन की सचाई को सबके समक्ष रखा ।

☐ अभिनंदन समारोह

राष्ट्रीय संगठन द्वारा नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष व मंत्री का अभिनंदन किया गया। सभी को दुपट्टा पहनाकर हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वर्तमान अध्यक्ष द्वारा उनका सम्मान किया गया।

☐ कार्यकर्ता सम्मान

आयोजक संस्था के वे सभी कार्यकर्ता जो विगत दो माह से इस कार्यक्रम में अपना योगदान दे रहे थे अपनी सहभागिता दे रहे थे उनका सर्वप्रथम सम्मान किया गया। तत्पश्चात चतुर्दश सत्र के केंद्रीय, आंचलिक, पदाधिकारीयों की घोषणा एवं अभिनंदन किया गया।

सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री के नाम की घोषणा की गई । राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़ द्वारा व सभी पूर्व अध्यक्ष द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष का ताज पहनाकर बहुत सुंदर स्वागत किया गया। भाव विभोर करने वाले वह क्षण थे जब नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष का पूरा परिवार मंच पर आया। आयोजक संस्था द्वारा परिवारजन का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। पूरे परिवार द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत कर उनके जीवन की विशेषता बताई गई। सूरत जिला गुजरात प्रांत व मध्यांचल की बहनों ने बहुत सुंदर स्वागत सम्मान किया। पूर्वोत्तर की राजस्थान की पूनम दरगडजी द्वारा बहुत सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष ज्योति राठी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा-निश्चित रूप से आज विगत 45 वर्षों की तपस्या का सुनहरे सत्र में सुनहरा फल मिला है । यह पल ज़ब इस डायमंड नगरी में हम बैठे हैं तो सभी बहने वादा कीजिए हम सब मिलकर बनाएंगे अपने संगठन को एक अनूठा डायमंड परिवार का सहयोग और सभी बहनों का विश्वास ही था जिसने मुझे यह मुकाम दिलाया। भगवान उमा महेश से प्रार्थना करते हुए यही कहा कि एक सच्चे कार्यकर्ता की मिसाल हमें बनना है और पुनः सभी का धन्यवाद किया।

तत्पश्चात पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमला जी साबू द्वारा अन्य केंद्रीय,आंचलिक पदाधिकारी, कार्यालय मंत्री, व प्रचार प्रसार मंत्री साथ ही, विधान समिति व महिला पत्रिका के अध्यक्ष के नाम की घोषणा की गई।

अंत में जिला सचिव प्रतिभा जी मोलसरिया द्वारा सुंदर शाब्दिक धन्यवाद ज्ञापन प्रेषित किया गया। राष्ट्रगान के साथ सभा समाप्त हुई। सूरत की बैठक सभी के मानस पटल पर अंकित हो गई। प्रत्येक व्यवस्था अत्यधिक सुचारू रूप से थी। प्रत्येक कार्यकर्ता समर्पण की भावना से कार्य कर रहा था। आदरणीय विमलाजी साबू पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष उनके नेतृत्व में यह कार्य शिखर की ऊंचाइयों को छू गया।

रा.अध्यक्ष-मंजु बांगड़ ✻ रा.महामंत्री-ज्योति राठी

गुजरात प्रदेश के लिये गौरव के पल

प्रथम सत्र: भव्य उद्घाटन एवं सम्मान समारोह का विशेष प्रतिवेदन

सूरत में 'स्वर्ण मंगलम्' का शंखनाद: 'आत्मरक्षा' के विश्व कीर्तिमान से गौरवान्वित हुई माहेश्वरी मातृशक्ति

(आयोजक : गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन)

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के स्वर्णिम इतिहास में शौर्य और सेवा का एक नया अध्याय जुड़ गया। सूरत की पावन धरा पर आयोजित 'स्वर्ण मंगलम्' (दशम राष्ट्रीय कार्यसमिति एवं चतुर्थ राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक) के उद्घाटन सत्र ने संगठन की शक्ति और सामर्थ्य का वैश्विक परिचय दिया। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन (आयोजक) एवं सूरत जिला माहेश्वरी महिला संगठन (आतिथ्यकर्ता)के कुशल प्रबंधन में आयोजित इस समारोह ने समाज की सुरक्षा और स्वावलंबन के संकल्प को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं।

समारोह का आगाज़ राष्ट्रभक्ति की ओजस्वी धुन 'वंदे मातरम' के साथ हुआ, जहाँ नन्हे बच्चों के बैंड ने मुख्य अतिथि डॉ. माया माहेश्वरी(प्रधान आयकर आयुक्त, मुंबई) एवं अन्य विशिष्ट महानुभावों की भव्य अगवानी की। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर अधिवेशन का शुभारंभ किया और संगठन द्वारा किए जा रहे महिला सशक्तिकरण के कार्यों की सराहना की।

अधिवेशन का मंच समाज की दिग्गज विभूतियों से सुशोभित रहा। महासभा के सभापति श्री संदीप जी काबरा, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़,प्रख्यात उद्योगपति श्री नरेंद्र जी साबू एवं श्री रामरतन जी भूतड़ा ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। साथ ही, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा माहेश्वरी, स्वागत अध्यक्ष श्रीमती विमला साबू एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति राठी मंचासीन रहीं। विशेष रूप से, गुजरात प्रांतीय अध्यक्षा श्रीमती मंजूश्री जी काबरा एवं सूरत जिला अध्यक्षा श्रीमती वीणा जी तोषनीवाल ने आतिथ्य की कमान संभालते हुए मंच की शोभा बढ़ाई।

प्रथम सत्र का सबसे ऐतिहासिक और भावुक कर देने वाला क्षण वह था, जब संगठन के आत्मरक्षा राष्ट्रीय महा अभियान' को वैश्विक पहचान मिली। 'संस्कारसिद्धा – बाल एवं किशोरी विकास समिति' के अंतर्गत देशव्यापी स्तर पर बालिकाओं और महिलाओं को आत्मरक्षार्थ सशक्त बनाने के इस विशाल संकल्प को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी द्वारा प्रस्तुत डिजिटल रिपोर्ट ने यह सिद्ध कर दिया कि संगठन केवल सेवा ही नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा हेतु भी प्रतिबद्ध है।

'शक्ति वंदनम्': त्याग और प्रतिभा का संगम

इस अवसर पर संगठन को वटवृक्ष बनाने वाली पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों का राष्ट्र की ओर से अभिनंदन किया गया। इस गौरवमयी सूची में आदरणीय लता लाहोटी, गीता मूंदड़ा, विमला साबू, शोभा सादानी, सुशीला काबरा, कल्पना गगरानी, आशा माहेश्वरी, मंजु बांगड़ एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष ज्योति राठी का सम्मान किया गया। इसके साथ ही, प्रशासनिक और रक्षा सेवाओं में परचम लहराने वाली समाज की बेटियों खझड सौ. वेदिका बिहानी, सुश्री आरुषि बाहेती, सुश्री ईशा झंवर, सौ. शिप्रा राठी एवं सौ. विजया माहेश्वरी को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए नवाजा गया।

पूरे कार्यक्रम को एक सूत्र में पिरोने और सदन में ऊर्जा का अखंड प्रवाह बनाए रखने का महत्वपूर्ण और ओजस्वी दायित्व श्रीमती श्वेता आनंद जाजू ने निभाया। प्रथम सत्र के समापन की घोषणा मध्यांचल उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला कलंत्री ने आभार प्रदर्शन के साथ की। यह आयोजन सिद्ध कर गया कि जब माहेश्वरी मातृशक्ति अनुशासित होकर आगे बढ़ती है, तो वह केवल इतिहास ही नहीं रचती, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक 'स्वर्ण' मार्ग भी प्रशस्त करती है।

द्वितीय सत्र: राष्ट्रीय कार्य समिति एवं कार्यकारिणी बैठक का विशेष वृत्तांत

शक्ति, भक्ति और राष्ट्र-नमन का महासंगम

सूरत। 'स्वर्ण मंगलम' के प्रथम सत्र की ऐतिहासिक सफलता के उपरांत, द्वितीय सत्र का आयोजन संगठनात्मक विमर्श और भविष्य की कार्ययोजनाओं के दीप से आलोकित रहा। यह सत्र केवल एक औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि माहेश्वरी मातृशक्ति के सेवा-संकल्पों का एक ऐसा प्रतिबिंब था, जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर सामंजस्य देखने को मिला।

दोपहर 3 बजे जब द्वितीय सत्र का आगाज़ हुआ, तो संपूर्ण वातावरण उत्साह से परिपूर्ण था। आयोजक संस्था द्वारा अपनी आतिथ्य परंपरा का निर्वहन करते हुए सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों, विषय-समिति प्रभारियों एवं तीनों स्थायी प्रकल्पों के शीर्ष नेतृत्व का 'दुपट्टा' पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति राठी ने अत्यंत कुशलता से सत्र का संचालन संभाला। उनके आह्वान पर सभागार ने राष्ट्र की सुरक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शौर्य बलिदानियों एवं संगठन के उन दिवंगत सदस्यों, जो अब केवल स्मृतियों में शेष हैं, को भावभीनी मौन श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्र्चात, अयोध्या की पावन धरा पर संपन्न 'मानस सिद्धि' बैठक के कार्यवृत्त को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

नेतृत्व का पाथेय: कर्तव्यनिष्ठता और 'स्व' से 'सर्व' की ओर संगठन की कुशल सारथी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु बांगड़ ने प्रेरणादायी उद्‌बोधन में संगठन के त्रिवर्षीय कार्यकाल की उपलब्धियों का दर्पण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा:

पद की गरिमा केवल बैठने में नहीं, बल्कि झुककर सेवा करने में है। 'पर उपकार वचन, मन और काया' हमारे संगठन का वह मंत्र है जो व्यक्ति को अहंकार से मुक्त कर समाज के प्रति उत्तरदायी बनाता है। उन्होंने टीम वर्क को ही संगठन की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए सभी समिति प्रभारियों के नवाचारों की खुले मन से प्रशंसा की।

महामंत्री श्रीमती ज्योति राठी ने अपने वक्तव्य में अनुशासन और समर्पण पर विशेष बल दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि हमारी पहचान पद से नहीं, बल्कि हमारे व्यवहार और कार्यों की गुणवत्ता से होनी चाहिए। उन्होंने 'सकारात्मक सोच' और 'संतुलित वाणी' को दुनिया जीतने का अस्त्र बताया। उनके अनुसार, विषम परिस्थितियों में भी शांत रहकर समाधान निकालना ही एक सच्चे नेतृत्वकर्ता का परिचय है।

कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण लड्डा ने पूर्ण सूक्ष्मता के साथ सत्र का आय-व्यय विवरण रखा, जिसकी सदन ने सराहना की। संगठनात्मक विस्तार: संगठन मंत्री श्रीमती ममता मोदानी ने देश के विभिन्न कोनों में किए गए अपने प्रवासों और सांगठनिक पत्राचार के माध्यम से संगठन की पहुँच और सुदृढ़ता का वर्णन किया।

सत्र संरक्षिका आदरणीय माँ रतनी देवी काबरा के ओजस्वी आशीर्वचनों ने सभी को अभिभूत कर दिया। निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती आशा माहेश्वरी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की कार्यशैली को सराहा, वहीं पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सुशीला काबरा ने 'माहेश्वरी महिला पत्रिका' के महत्व पर प्रकाश डाला। महिला सेवा ट्रस्ट की अध्यक्षा श्रीमती ललिता मालपानी ने ट्रस्ट के सेवाभावी प्रकल्पों की जानकारी साझा की।

विधान नवीनीकरण: युगानुकूल परिवर्तनों को अपनाते हुए विधान समिति प्रमुख श्रीमती मंगल मरदा ने नवीन विधान के प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की और प्रदेश एवं जिला स्तर की नियमावली वितरित की। सत्र के अंत में महामंत्री ज्योति राठी का धन्यवाद ज्ञापन अत्यंत भावुक रहा। उन्होंने संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी और 27 प्रदेशों के अध्यक्षों-सचिवों को 'कोहिनूर' की संज्ञा दी, जिन्होंने अपनी निष्ठा से इस त्रिवर्षीय यात्रा को स्वर्णिम बनाया।

❊ जिला अध्यक्ष-वीणा तोषनीवाल

❊ जिला सचिव-प्रतिभा मोलासरिया

राष्ट्र निर्माण में प्रबुद्ध वर्ग की भूमिका

राष्ट्र मिट्टी से नहीं मनुष्य के चरित्र से बनता है।

–डॉ राधाकृष्णन

राष्ट्र एक भूभाग या जमीन का टुकड़ा नहीं , यह एक भावना है, एक जीवंत चेतना है ,जिसमें संस्कार, संस्कृति, जन जागृति की धारणा दृष्टिगोचर होती है। राष्ट्र का आधार धर्म अर्थात् दायित्व बोध है। इसमें निवास रत नागरिकों के नैतिक मूल्य, ईमानदारी और चारीत्रिक विशेषताओं से ही राष्ट्र का चरित्र बनता है। राष्ट्र की भावना में छिपा है –राष्ट्र प्रेम। राष्ट्रीय सुरक्षा पर ही व्यक्ति की सुरक्षा अवलंबित है।

प्रबुद्ध वर्ग किसी अफवाह और अंधविश्वास पर ध्यान नहीं देता है बल्कि स्वतंत्र चिंतन के आधार पर निर्णय लेता है। वह अपेक्षाकृत ज्यादा अधिक शिक्षित, दीक्षित एवं उदार दृष्टिकोण रखने वाला वर्ग है,जो सजग रहकर अपनी वैचारिक शक्ति से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता रखता है। किसी भी राष्ट्र का उत्थान उसके नागरिकों द्वारा राष्ट्रीय हित में निष्ठा एवं कर्तव्य परायणता की भावना में निहित है।

हमारे देश में आम धारणा है कि उच्च शिक्षित एवं अर्थ संपन्न व्यक्ति स्वयं को श्रेष्ठ मानता है ।यह वर्ग ड्राइंग रूम में बैठकर देश–विदेश की चर्चाएं तो करते हैं,परंतु व्यक्तिगत रूप से धरातल पर रहकर स्वयं की भागीदारी आवश्यक नहीं मानता। इस वर्ग की उदासीनता के कारण सरकार में राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक नीतियों के निर्धारण में प्रबुद्ध वर्ग की नगण्य भूमिका रहती है,जो राष्ट्रहित में उचित नहीं है।

अब समय बदल रहा है। समाज में सक्रिय भागीदारी के लिए सज्जन शक्ति को बढ़ाने की आवश्यकता है। समाज को दिशा देने व पथ प्रदर्शक बनने का दायित्व इस वर्ग को निभाना होगा। विवेकपूर्ण चिंतन, ईमानदारी, सत्य निष्ठा जैसे नैतिक मूल्यों के आधार पर सौहार्दपूर्ण वातावरण से राष्ट्र विकास की राह आसान होती है।राष्ट्र या समाज हमें क्या देता है, इसकी बजाय राष्ट्र व समाज को हमने क्या दिया? यह चिंतन करना आवश्यक है। मैं से ऊपर उठकर हम को प्रधानता दे तथा प्रत्येक कार्य में राष्ट्रहित को देखें। प्रबुद्ध वर्ग को प्रशासनिक क्षेत्र में सक्रिय योगदान देना चाहिए तथा हिम्मत के साथ गलत नीतियों का विरोध करने की क्षमता बढ़ानी होगी।

कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर आम जनता के साथ समन्वय रखना, विचारों का आदान–प्रदान करना, संवाद, सहिष्णुता व भाईचारे को बढ़ावा देना इस वर्ग का नैतिक दायित्व है।

समाज में इस वर्ग का सम्मानजनक स्थान है। अतः इनकी बात का प्रभाव पड़ता है। बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से वैचारिक क्रांति लाने में इस वर्ग की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। हमारे अन्नदाता व श्रमदाता का महत्व बढ़े,जाति ,धर्म ,भाषा, क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने के लिए दूर खड़े व्यक्ति को पास लाना इसी वर्ग का दायित्व है।

युवा वर्ग को राष्ट्रीय कार्यों में जोड़ने के लिए प्रेरित

व प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्हें पीठ बल देना होगा। युवा देश का भविष्य है, इसलिए इनका सही समय पर सही मार्गदर्शन राष्ट्र निर्माण में सहायक है।

आधुनिक युग में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ रही है। दिमागी रूप से तेजस्विता, निपुणता, कार्य कुशलता के साथ–साथ अहंकार भी बढ़ रहा है।

रिश्ते निभाने में स्नेह और संवेदनाओं की कमी दिखाई देती है। शिक्षा से स्वार्थ बढ़ रहा है, व्यक्ति आत्म केंद्रित हो रहा है। इन्हें समूह के साथ काम करने के लिए प्रेरित करना, सामाजिक शिष्टाचार सिखाना, संगठन शास्त्र के मूल सिद्धांत एवं संस्थागत कार्य विधि में रुचि पैदा करने से सामूहिक शक्ति का उदय होगा एवं सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में युवा पीढ़ी सहभागी बनेगी ।

सोच से सच तक के सफर में साधनों की शुचिता भी आवश्यक है प्रकृति प्रदत्त साधनों का आवश्यकता से अधिक उपयोग करना राष्ट्र की उन्नति में बाधक है। अति सर्वत्र वर्जयेत सहित आचरण में संयम व समझदारी से किया हुआ सुधार इनोवेशन कहलाता है। विरासत से विकास तक की यात्रा में राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु त्याग सेवा एवं सदाचार की भावना को प्रज्ज्वलित करने का कार्य प्रबुद्ध वर्ग का है।निजी स्वार्थ को आहुति देते हुए अधिकारों से पहले कर्तव्य बोध राष्ट्र निर्माण में सहयोगी है।

धरती व प्रकृति को बचाने का नारा एक भ्रम है। अगर हमें स्वयं को बचाना है तो हमारी आवश्यकताओं एवं असीमित संसाधनों का उपयोग कम करना होगा। प्रकृति को हमारी आवश्यकता नहीं है, हमें प्रकृति की आवश्यकता है। उपभोक्तावादी संस्कृति में साधन संपन्न व्यक्तियों को स्वार्थी बना दिया। सुख के साधनों का अत्यधिक उपयोग करके हवा, पानी,खाद्य पदार्थ एवं पर्यावरण का दुषित हो जाना, हमारे ही कर्मों का फल है।

आईये, जरा ठहर कर स्थिर मन से सोचें, समझे एवं स्वयं को दायित्ववान है कार्यकर्ता बनाने का संकल्प ले।

राष्ट्र – सुरक्षा, राष्ट्र – उत्थान एवं राष्ट्र –प्रथम की भावना जन–जन में जागृत करें। राष्ट्र निर्माण में स्वयं की भूमिका को सुनिश्चित करें।

गीता मून्दड़ा,इंदौर
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

संस्कार और शिक्षा

एक–दूसरे के पूरक: शिक्षा हमें ज्ञान और रोज़गार के अवसर देती है, जबकि संस्कार हमें उस ज्ञान का सही और लोक–कल्याणकारी उपयोग करना सिखाते हैं। बिना संस्कार के शिक्षा अधूरी है।

चरित्र का निर्माण: अच्छी शिक्षा और उत्तम संस्कार मिलकर व्यक्ति के भीतर ईमानदारी, दया, और विनम्रता जैसे गुणों का विकास करते हैं, जिससे एक मजबूत चरित्र का निर्माण होता है।

समाज का मार्गदर्शन: सुशिक्षित और सुसंस्कृत नागरिक ही समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वासों को दूर कर एक प्रगतिशील और सभ्य समाज की राह दिखाते हैं।

जीवन की नींव: परिवार से मिलने वाले संस्कार और गुरु से मिलने वाली शिक्षा, व्यक्ति को जीवन के कठिन मोड़ों पर सही और गलत का भेद करने की समझ और सही निर्णय लेने का साहस देती है।

सच्ची सफलता: केवल डिग्रियां या धन कमाना सफलता नहीं है। वास्तविक रूप से सफल वही है जो शिक्षित होने के साथ–साथ बड़ों का सम्मान करना और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना जानता हो।

माँ - सृजन की सरिता

माँ केवल एक संबोधन नहीं,
ईश्वर का साकार स्वरूप हैं।
जिसकी धड़कन से जीवन जागे,
वह ममता में अनूप है।

उसकी गोदी में शांति बसती,
उसकी आँखों में आशीष।
उसके स्पर्श से मिट जाते हैं
मन के शोक, हृदय की पीर।

कभी तपती धूप में छाया,
कभी ठिठुरन में ऊष्मा बनती।
संतान की हर पीड़ा पीकर
वह मुस्कानों की भाषा गढ़ती।

हर दुख सहकर भी खुशियों की थाली सजाना,
मन ही मन रोकर भी साहस का सिखलाना।

अपने सपनों को मौन रखकर,
बच्चों का भविष्य सजाना।
सिर्फ! माँ ही जानती है..
अपने सुखों को हँसकर लुटाना।

माँ त्याग का वह दीप अखंड,
जो आँधियों में भी जलता है।
उसके आँचल का एक सिरा
पूरे जीवन को संभालता है।

वह गंगा-सी निर्मल पावन,
वह धरती-सी अटल महान।
उसके चरणों की धूल भर से धन्य! हो जाता इंसान।

माँ का होना सबसे बड़ा धन,
जिसका मूल्य नहीं आँका जाता।
उसके रहते जीवन का हर दुःख
स्वंय ही हल्का हो जाता।
इस मातृ दिवस पर, बस इतना ही है कहना...
जब तक सर पर माँ का साया,
उसके प्रेम को आदर देना,
उसके मन को कभी न दुखाना।

समय निकल जाए फिर केवल
स्मृतियों का संसार बचता है।
मन के भीतर एक अधूरापन
जीवन भर मौन धधकता है।

दुनिया में हर वस्तु फिर मिल जाए,
वैभव, संबंध, सम्मान मिलें।
पर जन्मदायिनी माँ एक बार बिछड़े,
तो फिर लाख प्रयासों पर भी कहाँ मिलें?

सौ.सरोज गट्टाणी, परभणी

लबों पर उसके कभी बद्दुआ नहीं होती,
बस एक माँ है जो कभी खफ़ा नहीं होती।
इस तरह मेरे गुनाहों को वो धो देती है,
माँ बहुत गुस्से में होती है तो रो देती है।

घुटनों से रेंगते-रेंगते जब पैरों पर खड़ा हुआ,
माँ तेरी ममता की छाँव में जाने कब बड़ा हुआ।
काला टीका, वो थपकी तेरी, आज भी याद है मुझको,
तेरी दुआओं के साए में हर दर्द से मैं बचा हुआ

महिला दिवस के उपलक्ष्य में नारी शक्ति को नमन

मैं रोती नहीं हूँ

मैं नारी हूँ
इसलिए लोग समझ लेते हैं कि
मुझे कुछ तकलीफ नहीं होती।
किसी ने यह जानने की कोशिश ही नहीं की
कि चुप रहना कितना बोलता है ।
मेरे घर में मेरी आवाज़ नहीं,
मेरी जम्मेदिरियाँ पहचानी जाती हैं।
अगर मैं थक जाऊँ, तो कहा जाता है–
'तुम तो संभाल लेती हो।' मैंने सीखा है
बुखार में भी खाना बनाना, आँसू आँखों में दबाकर
सबके सवालों का जवाब देना।
मेरे दर्द का कोई मेडिकल रिपोर्ट नहीं बनती,
क्योंकि उसमें 'औरत की आदत' लिखा होता है।
मैंने कभी माँ से नहीं कहा
कि मुझे डर लगता है, क्योंकि
वो पहले से बहुत कुछ सह रही थी।
मैंने पति से नहीं कहा
कि मैं टूट रही हूँ, क्योंकि उसकी थकान
मुझसे ज्यादा दिखती थी ।
मैंने बच्चों से नहीं कहा कि मुझे आराम चाहिए,
क्योंकि उनकी मुस्कान मेरी कमजोरी बन गई।
कभी–कभी सोचती हूँ, अगर मैं भी ज़ोर से रो पड़ूं
तो क्या कोई दौड़कर आएगा ?
या तब भी कहा जाएगा– सब ठीक हो जाएगा।'
मैं मजबूत नहीं हूँ । मैं बस ऐसी औरत हूँ
जिसे हालातों ने कमज़ोर होने का वक़्त नहीं दिया ।
अगर मेरी चुप्पी
आपकी किसी खामोशी से मिलती–जुलती लगे,
तो समझ लीजिए– आप अकेली नहीं हैं।

मनीषा लाठी, सोनकच्छ (म.प्र.)

मैं नारी नदी सी, मेरे दो किनारे

मै नारी नदी सी मेरे दो किनारे।
एक किनारे ससुराल,दूजी ओर मायका
दोनों मेरे अपने फिर भी अलग दोनों का जायका।
एक तरफ मां जिसकी कोख का मैं हिस्सा।
दूजी ओर सास जिनके लाल संग जुड़ा मेरे
जीवन भर का किस्सा
एक तरफ पिता,जिनसे है अपनत्व की धाक।
दूजी ओर ससुरजी जिनकी हैं सम्मान की साख।
मायके का आँगन मेरे जन्म की किलकारी
ससुराल का आँगन मेरे बच्चों की चिलकारी
मायके में मेरी बहने, मेरी हमजोली
ससुराल में मेरी ननदे है, शक्कर सी मीठी गोली।
मायके में मामा, काका है पिता सी मुस्कान
ससुराल के देवर जेठ हैं तीखे में मिष्टान।
मायके में भाभी है
ममता के खजाने की चाबी,
ससुराल में देवरानी जेठानी हैं
मेरी तरह ही बहती नदी का पानी।
मायके में मेरा भईया
एक आस जो बनेगा दुख में मेरी नय्या
ससुराल में मेरे प्राणप्रिय सैया
जो हैं मेरे जीवन के खेवैया।
ससुराल ओर मायका हैं दो नदी की धारा
जो एक नारी में समाकर नारी को बनाती है
सागर सा गहरा।
नारी शक्ति को प्रणाम

स्वर्णमंगलम्

हर धड़कन खास बनी

बहुत सी स्मृतियाँ लेकर लौटे हम अपने द्वार,
पर स्वर्ण मंगलम की छवि आए बारंबार।
सूरत नगरी की बहनों का स्नेहिल सत्कार,
मानो बरसों से था उन्हें हमारा इंतज़ार।
दो दिन की यह यात्रा स्वर्गिक एहसास बनी,
आतिथ्य की मधुरता से हर धड़कन खास बनी।
संगठन की शक्ति का सुंदर संदेश मिला,
एकता में ही सामर्थ्य है–यह अनुभव खिला।
मंजुदीदी की वाणी, ज्योति दीदी का प्रकाश,
नेतृत्व ने भर दिया हर मन में विश्वास।
विमला दीदी,उर्मिला दीदी,
मंगल दीदी संग टीम का योगदान,
संगठन की शक्ति का बना सजीव प्रमाण।
स्वादिष्ट भोजन, सुंदर सेवा, भव्य हर व्यवस्था,
हर पल में झलकी संस्कृति और आत्मीयता।
''स्वर्ण मंगलम्'' केवल आयोजन नहीं,
स्वर्णिम भावों का अद्भुत संगम यहीं।
अविस्मरणीय ये पल, ये स्नेह और प्यार,
रहेगा हृदय में सदा स्वर्ण मंगलम साकार
गुजरात प्रदेश की बहनों ने बरसाया अपार प्यार,
आदरणीय ज्योति दीदी एवं
उनकी टीम को हार्दिक बधाई।

अध्यक्ष – शशि डोंगरा ✻ सचिव – मुनमुन मूंदड़ा

मधुर मुस्कान की जो है धनी, ऐसी ज्योतिजी राठी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी

दसों दिशाओं में फैले
चतुर्दश सत्र की सफलता...।
प्रेरणादायी व अनुकरणीय हो जाये...।
नवीन सत्र की सार्थकता।
जिनकी विलक्षण नेतृत्व क्षमता,
असाधारण कार्यशैली ऐसी हमारी ...
छत्तीसगढ़ कोहिनूर ज्योति जी....
बागडोर अब आपके हाथों में...
जिनकी प्रामाणिकता...
को नहीं प्रमाण की आवश्यकता।।...
अब राष्ट्रीय महामंत्री पद पर विराजमान।
किरण जी ने हर दायित्व में...
दिखाई सदा ही पारदर्शिता...।
राष्ट्रीय महामंत्री पद का कार्यभार..
निभाने में भी है..... निपुणता.।
मधुर मुस्कान की जो है धनी...।
प्रदेश कोष अब उनके हाथ।...
ममता जी में है नि:संदेह...।
अर्थ को नये अर्थ देने की सक्षमता।
वाक–कला में प्रवीणता... बहुमुखी प्रतिभा है योग्यता।
प्रदेश–जिला–स्थानीय 'संगठन' होंगे और सुदृढ़...
गिरिजा जी,अनीता जी की पात्रता में...हमें है श्रद्धा।
ज्योति जी आपके अध्यक्षीय कार्यकाल में...
स्वर्णिम सत्र...राष्ट्र में परचम लहरायें।।
सौ. ज्योति राठी को बहुत–बहुत बधाई।

भावना राठी

हमारे गौरव... बधाई... बधाई...

प्राची काबरा ने साइबर फ्राड रोकने के लिए AI एप तैयार की, बहुत बधाई

बड़वानी जिले के धवली ग्राम सेंधवा से इंडिया AI इंपैक्ट समिट 2026 में प्राची काबरा शामिल हुई। प्राची ने देश भर से 38000 प्रतियोगियों में से पहले टॉप 200 एवं बाद में टॉप 6 में जगह बनाई। एक छोटे से ग्राम मे शिक्षा के सीमित संसाधनों के बावजूद प्राची एवं उसकी टीम ने आज की गंभीर समस्या साइबर फ्राड पर AI एप तैयार किया जिससे इस तरह के फ्रॉड रोकने में बहुत मदद मिलेगी। प्राची व पूरे परिवार को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उसके उज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

रतलाम की बेटी रिदमा बनीं मिसेज सेंट्रल इंडिया

मध्यप्रदेश के रतलाम शहर की गुलमोहर कॉलोनी निवासी समाजसेवी दिनेश काकानी, श्रीमती ललिता काकानी की सुपुत्री, शहर की बेटी श्रीमती रिमा काकानी जो वर्तमान में पुणे में VDART डिजिटल नामक आई टी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। जिसने हाल ही में 2 उपलब्धियां अर्जित करते हुए रतलाम तथा परिवार का नाम शीर्ष पर पहुंचाया है। राजधानी भोपाल में 21 फरवरी 2026 को द पेजेण्ट कंपनी द्वारा आयोजित मिसेज सेंट्रल इंडिया में विजेता का खिताब जीता हैं और 21 दिसंबर 2025 को पुणे में द पेजेण्ट कंपनी द्वारा आयोजित मिसेज महाराष्ट्र में रनर अप का खिताब जीता है। बहुत बहुत बधाई।

श्रद्धेय स्व. श्री श्यामसुंदरजी मूंदडा के यश का अभिनंदन, बधाई

आदरणीय गीता दीदी एवं समस्त मूंदडा परिवार को राष्ट्रीय महिला संगठन की ओर से इस गौरवशाली क्षण की हृदयपूर्ण बधाई व शुभकामनाएं। HURUN Rich List द्वारा प्रदत्त यह सम्मान श्रद्धेय स्व. श्री श्यामसुंदर मूंदडा जीजाजी के यश का अभिनंदन है। यह केवल एक अलंकरण नहीं, उनकी मेहनत, समर्पण और दूरदर्शिता का वंदन है। बेटे अनुराग मूंदड़ा द्वारा यह सम्मान ग्रहण करना मानो विरासत का दीप आगे बढ़ाना है। उनके यशस्वी जीवन की अमर श्रृंखला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। ईश्वर करे उनकी प्रेरणा का उजास सदैव पथ आलोकित करता रहे और मूंदड़ा परिवार का गौरव नित नई बुलंदियों को स्पर्श करता रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष–मंजु बांगड़ * राष्ट्रीय महामंत्री–ज्योति राठी

अनुराग मूंदड़ा सम्मान ग्रहण करते हुए

माहेश्वरी समाज के लिए गौरव के क्षण

आरुषि बाहेती (माहेश्वरी) बनीं लेफ्टिनेंट कर्नल

कांटाफोड़। नगर कांटाफोड़ के लिए यह अत्यंत गर्व और सम्मान का क्षण है। नगर की भांजी एवं माहेश्वरी समाज की होनहार बेटी आरुषि बाहेती, निवासी बाग (जिला धार) ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल (Lieutenant Colonel) का प्रतिष्ठित पद प्राप्त कर परिवार, समाज और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर खुशी और गर्व का माहौल है।

गर्व की बात है कि आरुषि बाहेती माहेश्वरी समाज की देश की पहली बेटी हैं, जिन्होंने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का पद प्राप्त कर समाज के इतिहास में एक नई उपलब्धि दर्ज की है। उनकी यह सफलता समाज की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

कु. निशि जी मंत्री

समाजसेवी एवं श्री माहेश्वरी समाज बालाजी क्षेत्र के नवनिर्वाचित संयुक्त मंत्री श्री रितेश मंत्री-सौ. अंजली जी मंत्री की सुपुत्री कु. निशि जी मंत्री को भारतीय प्रबंध संस्थान से एम.बी.ए. उत्कृष्ट अंकों के साथ उत्तीर्ण होने पर हार्दिक अभिनंदन। इस गौरवशाली उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु मंगलमय शुभकामनाएं।

कांस के भारत पवेलियन में अदिति का क्यूरेशन

इंदौर शहर की अदिति भूतड़ा ने 12 से 20 मई तक कांस फ़िल्म फ़ेस्टिवल और मार्चे डू फ़िल्म (कांस फ़िल्म मार्केट) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मंच पर सहभागिता की। उन्होंने भारत सरकार के भारत पवेलियन में भारतीय फ़िल्म उद्योग से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का क्यूरेशन और प्रोग्रामिंग की। अदिति फिक्की के मीडिया एंड एंटरटेनमेंट डिवीज़न में प्रोग्रामिंग कंसलटेंट हैं। उन्होंने इंडियन फ़िल्म फ़ेस्टिवल्स, क्रिएटिव इकोनॉमी, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड इमर्सिव मीडिया से जुड़े विषयों को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया। साथ ही भारतीय डायरेक्टर्स एवं प्रोड्यूसर्स को अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शक्ति वंदनम् सम्मान से अलंकृत किया जाना मेरे जीवन का गौरवपूर्ण क्षण है

सूरत की पावन धरती पर आयोजित राष्ट्रीय बैठक स्वर्ण मंगलम वास्तव में भव्यता, अनुशासन, समर्पण और संगठन शक्ति का अद्वितीय उदाहरण था।

इस दिव्य आयोजन में मुझे शक्ति वंदनम सम्मान से अलंकृत किया जाना मेरे जीवन का अत्यंत गौरवपूर्ण, भावुक और अविस्मरणीय क्षण है। इसके लिए मैं हृदय की गहराइयों से कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ।

माननीय सौ.मंजुजी बागड़–आप केवल एक व्यक्तिव नहीं, बल्कि दूरदर्शी नेतृत्व, स्नेहिल मार्गदर्शन और असाधारण व्यक्तित्व की जीती–जागती प्रेरणा हैं। आपकी कार्यशैली में जो गरिमा, संवेदनशीलता और संगठन के प्रति समर्पण दिखाई देता है, वह सच में अनुकरणीय है। आपके नेतृत्व में यह आयोजन जिस उत्कृष्टता और सौंदर्य के साथ सम्पन्न हुआ, वह सदैव स्मरणीय रहेगा साथ ही आप के द्वारा मेरे चयन के लिए भी मै जीवन पर्यंत आप की आभारी रहूंगी।

माननीय सौ ज्योति जी राठी–आपकी विनम्रता, आपके विचारों की गहराई और समाज के प्रति आपकी प्रतिबद्धता अत्यंत प्रेरणादायक है। आपके प्रत्येक शब्द में संवेदना, प्रत्येक विचार में दिशा और प्रत्येक पहल में समाज के उज्ज्वल भविष्य की झलक दिखाई देती है। आपका सान्निध्य अपने आप में ऊर्जा का स्रोत है। अधिवेशन और आपके मथुरा प्रवास के दौरान मैने आप से बहुत कुछ सीखा जो मेरे जीवन की स्मरणीय यादों में से एक रहेंगे। आपकी सोच आकाश से भी ऊंची है और आपके विचार सागर से भी गहरे हैं। जिनसे हम सभी को बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

सूरत महिला मंडल एवं गुजरात प्रांतीय महिला संगठन की प्रत्येक बहन, प्रत्येक कार्यकर्ता–आप सभी ने जिस समर्पण, सूक्ष्म योजना और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के साथ इस आयोजन को सफल बनाया, वह सच में अद्भुत है।

मेरे 25 वर्षों के सामाजिक कार्य को आपने जिस स्नेह और सम्मान के साथ स्वीकार किया, उसने मेरे मन में सेवा के संकल्प को और भी दृढ़ कर दिया है। मैं पूर्ण निष्ठा, समर्पण और नई ऊर्जा के साथ महिला सशक्तिकरण के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ।

मैं शीघ्र ही महिलाओं के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच विकसित करने का प्रयास करूँगी, जिससे घर बैठी महिलाएँ भी अपने हुनर को पहचान सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। इस दिशा में आप सभी का मार्गदर्शन और सहयोग मेरे लिए अमूल्य रहेगा। आप सभी के प्रति मेरा मन सदैव सम्मान, कृतज्ञता और अपनत्व से भरा रहेगा।

शिप्रा राठी (रोजगार दीदी)

अध्यक्ष, माहेश्वरी महिला मंडल, मथुरा

उत्तरांचल

पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

निर्विरोध प्रदेश की नवम सत्र की टीम का चयन

प्रदेश द्वारा चुनावी बैठक अलंकृति का कासगंज में आयोजन। चुनाव पर्यवेक्षक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधु जी बाहेती कोटा, चुनाव अधिकारी प्रदेश संस्थापिका अध्यक्ष रेखा जी माहेश्वरी के सानिध्य में निर्विरोध प्रदेश की नवम सत्र टीम की घोषणा कर साथ में ही शपथ ग्रहण कराई। मधु जी बाहेती ने सदन में विधान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

नवरात्रि में कन्या पूजन और गणगौर पर 5 संगठनों द्वारा सामूहिक उद्यापन कराए गए। रामनवमी एवं हनुमान जयंती पर प्रदेश की 17 संगठनों द्वारा सुंदरकांड,हनुमान चालीसा व भंडारे का आयोजन।

आगरा द्वारा मासिक बैठक में दो बहनों ने दो जरूरतमंद किशोरियों की साल भर की शिक्षा का दायित्व संभाला।

मेरठ द्वारा गुरुकुल के छात्रों को भोजन करा दक्षिणा प्रदान की। प्रदेश के 16 संगठनों द्वारा स्थानीय नगरों की प्रथम कार्यकारिणी बैठकों का आयोजन कर नई टीम को कार्यभार सौंपा गया।

अक्षय तृतीया पर संगठनों द्वारा भजन कीर्तन, छप्पन भोग एवं प्रसादी वितरित की गई। मेरठ द्वारा ऋषिकेश में भागवत कथा में दो दिवसीय सहभागिता एवं मंडल की बहनों द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुति एवं प्रसादी वितरण। अलीगढ़ द्वारा नैमीशरण में भागवत कथा का आयोजन बढ़ते हुए तापमान को देखते हुए संगठनों द्वारा शरबत वितरण प्याऊ लगवाई गई।

कोटद्वार संगठन द्वारा जरूरतमंद कन्या के विवाह हेतु नगद धनराशि व जरूरत का सामान प्रदान किया गया। मथुरा संगठन द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय ज्योति जी राठी का स्वागत सम्मान।

प्रदेश को रिपोर्टिंग मूल्यांकन में कोहिनूर कैटिगरी प्राप्त। प्रदेश की शिप्रा जी राठी सूरत में शक्ति वंदनम पुरस्कार से सम्मानित।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश से मोनिका जी माहेश्वरी उत्तरांचल संयुक्त मंत्री के पद से सुशोभित।

प्र.अध्यक्ष-मनीषा राठी
प्र.सचिव-अनामिका माहेश्वरी

पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

अष्टदिवसीय भक्त समागम–माहेश्वरी महिला संगठन,वाराणसी द्वारा सभी समाज बन्धुओं के कल्याण हेतू श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया जिसके मुख्य वक्ता व्यास पीठ से पं. श्री संजय शास्त्री जी (प्रधान अर्चक श्री श्याम मंदिर) द्वारा कथामृत का आस्वादन कराया गया जिसमें समाज के बड़ी संख्या में वृद्ध, युवा,बालक एवं बालिकाओ दवारा,कथा श्रवण का लाभ लिया गया।

प्रत्येक दिन की कथानुसार बहुत ही सुंदर एवं मनमोहक झांकी प्रस्तुत की गई। कथा का शुभारंभ कलश शोभायात्रा से हुआ जिसमें एक रंग की साड़ियां पहने महिलाएं बहुत ही सुंदर लग रही थी। इतने भव्य आयोजन, कार्यकर्ता भाई बहनों की मेहनत,लगन, दिन रात निस्वार्थ भाव से सेवा के बिना संभव नहीं होता । चाहे अतिथियों की सेवा हो, प्रसाद वितरण हो या श्रोताओं की सुविधा ।

मानस सिद्धि झलकियां– युगांतर में महाभारत का प्रसंग हमारी बहनों ने बहुत ही सुंदर ढंग से निभाया। साहित्य समिति अंतर्गत मानस हंस में वाराणसी की कृष्णा सोमानी का अभूतपूर्व प्रदर्शन रहा।

पंचतंत्र –ग्राम विकास मॉडल, मे वाराणसी की प्रियंका राठी ने बहुत ही सुंदर मॉडल प्रस्तुत किया। भजन गायन प्रतियोगिता में हमारे प्रदेश की टीम जिसमें पुष्पा धूत, ममता सोमानी और नेहा लड्ढा ने सहभागिता प्रदान की थी,सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। बंदनवार प्रतियोगिता में वाराणसी से प्रीति मंत्री और मिर्जापुर से संजू डागा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुए। एकल प्रतियोगिता में वाराणसी की गुंजन पटवारी ने शूर्पनखा का चरित्र निभाया जिसे राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त हुआ एवं ज्योति चांडक जिसने कौशल्या की भूमिका निभाई उसे सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

अध्यक्ष भारती करवा ❊ सचिव पुष्प धूत

क्या महिलाओं द्वारा अपने घर के कार्य करना उन्हें नौकरानी बना देना है

जी नहीं, मेरे विचार में ये कदापि सत्य नहीं है, अपने घर के कार्यों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग होना चाहिए।

इस अवधारणा का जन्म ही तब हुआ, जब घर के कार्यों को तुच्छ व केवल महिला का ही कार्य माना गया, क्योंकि इनको करने के लिए वो कभी वेतन की अधिकारिणी समझी ही नहीं गयी और घर के बाकी सदस्यों द्वारा कार्यों को साझा करने के बजाय सिर्फ महिला को ही सौंप दिए गए।

भारत में एक खुशहाल परिवार को स्वर्ग की उपमा दी जाती है जहाँ सभी कार्य आपस में बाँट लिए जाते है ताकि घर की महिला को भी परिवार के साथ आनंद के पलों को जीने की स्वतंत्रता हो।

ये कथन कैसे औचित्यपूर्ण हो सकता है कि कोई अपने ही घर के कार्यों को करने से नौकरानी बन जाता है, क्या ज़ब हम नौकरी करने बाहर जाते है तब नौकर वाली अनुभूति नहीं होती, वहाँ बॉस की डांट भी स्वीकार है, किन्तु घर में यदि किसी सदस्य ने कुछ बोल दिया तो स्वतंत्रता की भावना आहत होने लगती है व वातावरण अस्वस्थ होने लगता है।

अपने घर का अपने द्वारा सुरुचिपूर्ण तरीके से किया गया कार्य सुघढ़ता दर्शाता है।

इस धारणा को, कि इतना पढ़ लिख कर हम घर का काम थोड़े ही करेंगे, मूल से समाप्त करना होगा। सहायकों पर पूर्ण निर्भरता मानसिक और आर्थिक प्रकार से बोझिल हो सकती है।

महिला नौकरीपेशा हो अथवा नहीं, जहाँ तक संभव हो सभी सदस्य यथासंभव सहयोग करें, तो तनाव भी कम होगा और काम कभी भी बोझ नहीं लगेगा। अपने घर का जो भी कार्य हम स्वयं कर सकते है, हमें करना चाहिए, स्पष्टत्या जहाँ आवश्यक है, वहाँ सहायता लेना स्वाभाविक है।

अंत में स्वयं के घर का कार्य करने से नौकरानी वाली भावना का आना एक स्वस्थ व आदर्श परिवार के लिए अच्छा सन्देश नहीं है, इसका ध्यान रखना ही होगा।

मंजु हरकुट, मेरठ

दक्षिणांचल

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

द्विदिवसीय बैठक सुयश सिद्धि सानंद सम्पन्न

अष्ट सिद्धा समिति–महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन के नवम सत्र की सत्रांत द्विदिवसीय बैठक का आयोजन कोंकण विभाग के भयंदर जिला स्थित प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण साईं सृष्टि परिसर में, तत्कालीन प्र अध्यक्ष आ सुनीताजी पलोड के अचूक मार्गदर्शन में, सम्पन्न हुआ।

प्रथम दिवस पर, उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व रा अध्यक्ष आ कल्पना जी गगडानी तथा विशेष अतिथि के रूप में संरक्षक मां रत्नादेवी काबरा, की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यकारिणी बैठक सुचारू सम्पन्न हुई। संध्या समय में ब्लैक एंड व्हाइट रेट्रो थीम पर आधारित अवार्ड सेरेमनी का आयोजन हुआ, जिसमें पुराने गीत–संगीत के साथ अत्यंत खुशनुमा वातावरण में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

द्वितीय दिवस पर चयन प्रक्रिया एवं पदग्रहण विधि विधिवत संपन्न हुई। इस अवसर पर पर्यवेक्षक के रूप में आ. अनीता जी जावंदिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। चयन अधिकारी आ. शैला जी कलंत्री की अनुपस्थिति में यह दायित्व आ. कल्पना जी गगडानी को सौंपा गया।

चयन समिति में आ. भाग्यश्री जी चांडक, आ. अंजली जी तापड़िया, आ. अनुसया जी मालू, आ. अरुणा जी लड्ढा एवं आ. पुष्पा जी तोषनीवाल सम्मिलित रहीं। निम्न पदाधिकारियों का चयन हुआ– ✻ आ. सरोज जी तोषनीवाल – प्रदेश अध्यक्ष ✻ आ. अनीता जी मालू – प्रदेश सचिव ✻ आ. कांता जी लाहोटी – कोषाध्यक्ष ✻ एड. दीपाजी बियानी – संगठन मंत्री ✻ आ. अंजु जी भराड़िया – प्रकल्प प्रमुख साथ ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष, 4 उपाध्यक्ष एवं 4 सहसचिव भी मनोनीत किए गए।

श्रीमती पुष्पाजी तोषनीवाल को सुयश सिद्धि बैठक के उद्घाटन सत्र में जीवन गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

बाल संस्कार एवं किशोर–किशोरी विकास–परीक्षा काल में बच्चों को तनावमुक्त रखने हेतु बालकों एवं अभिभावकों के लिए मार्गदर्शन व्याख्यान आयोजित किए गए। समर कैंप, विविध प्रशिक्षण कक्षाएँ एवं संस्कार शिविरों का उत्साहपूर्ण आयोजन किया जा रहा है।

स्वयंसिद्धा समिति –घरेलू उद्योग (आचार, पापड़, खींचा, चिप्स, मिर्च मसाले) करने वाली बहनों के तैयार पदार्थों की, जिला संगठनों द्वारा ऑनलाइन मार्केटिंग।

ज्ञान सिद्धा समिति–नासिक जिला में एक स्वरचित भजन पुस्तिका का विमोचन किया गया। प्रदेश की स्मरणिका का मुखपृष्ठ सुयश सिद्धि बैठक में लोकार्पित किया गया।

आध्यात्म एवं संस्कृति सिद्धा–प्रत्येक जिले में फाग उत्सव एवं गणगौर पर्व के अंतर्गत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। एक शाम गौराबाई के नाम, रील प्रतियोगिता, शंकर–पार्वती विवाह, शिव–शक्ति थीम आधारित प्रस्तुतियाँ आदि। रंगोत्सव के अवसर पर जीवन के विभिन्न रंगों के महत्व को दर्शाती नृत्य–नाटिकाएँ प्रस्तुत की गई। रामनवमी, हनुमान जयंती, गुड़ी पाडवा सहित सभी प्रमुख त्योहार श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाए गए।

रघुकुल रीत सिद्धा–लातूर जिले में लगभग 2000 किशोरियों, युवतियों एवं महिलाओं को द केरला स्टोरी 2 फिल्म निःशुल्क दिखाई गई। साथ ही राजस्थानी समाज की

दो युवतियों की घर वापसी कर उन्हें परामर्श (काउंसिलिंग) भी प्रदान किया गया।

संकल्प सिद्धा–गर्मी के प्रकोप से राहत हेतु शीतल पेय, चप्पल एवं छाते वितरण, तथा कुंभ दान जैसे सेवा कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। महिला दिवस के अवसर पर कहीं वरिष्ठ महिलाओं का सम्मान, तो कहीं घरेलू एवं खेतिहर मजदूर बहनों का अभिनंदन; साथ ही प्रोफेशनल एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।

संचार सिद्धा–प्रतिदिन जन्मदिन और विवाह दिन की शुभकामनाएं डिजिटल फ्लायर द्वारा प्रेषित। सभी जिला में ऑनलाइन बैठकों और कार्यक्रमों का सुचारू आयोजन।

युगल सिद्धा समिति–महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन के माध्यम से बीड निवासी कु. साक्षी (ब्राह्मण कन्या) का विवाह सांगली जिला स्थित महेश भवन में पूर्ण रीति–रिवाजों के साथ सम्पन्न कराया गया। युगल सिद्धा समिति की संयोजिका आ. राजकमल जी मर्दा एवं उनकी टीम, साथ ही सांगली जिला टीम ने इस दायित्व को अपनी पुत्री के विवाह समान हर्षोल्लास के साथ निभाया। दो महीनों में अनेक बायोडाटा के आदान–प्रदान के साथ 5 सगाइयाँ भी संपन्न हुई।

प्र. अध्यक्ष: सरोज तोषनीवाल ❊ प्र. सचिव: अनीता मालू

तेलंगाना आंध्र प्रदेश जिला माहेश्वरी महिला संगठन

चुनाव बहुत ही पारदर्शिता, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से सम्पन्न

आज दिनांक 4 अप्रैल 2026 को तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के लिए 2026–2029 के लिए पदाधिकारियों का चयन चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में पधारी श्रीमती ममता जी मोदानी (राष्ट्रीय संगठन मंत्री) एवं चुनाव अधिकारी के रूप में श्रीमती रेनू जी सारडा (संयुक्त मंत्री ,दक्षिणांचल) की उपस्थिति में सर्व सहमति से संपन्न हुआ। चुनाव बहुत ही पारदर्शिता, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से आदरणीय ममता जी मोदानी द्वारा संपन्न हुआ। निम्नलिखित पदों के लिए चयन हुआ:

राष्ट्रीय कार्य समिति–श्रीमती रजनी राठी, प्रदेश अध्यक्ष–श्रीमती मंजुजी लाहौटी, प्रदेश सचिव–श्रीमती आरती असश्रवा, प्रदेश कोषाध्यक्ष–श्रीमती सुधा लाहोटी , संगठन मंत्री–श्रीमती निशा छापरवाल (निजामबाद), वरिष्ठ उपाध्यक्ष–श्रीमती पायल राठी (विशाखापट्टनम), उपाध्यक्ष–श्रीमती लता भट्टर (विजयवाड़ा), श्रीमती आरती झंवर (मंचेरियाल), श्रीमती प्रेमलता जी माहेश्वरी (राजमहेंद्री), श्रीमती संतोष मालपानी(हैदराबाद), सहमंत्री–श्रीमती मधुबाला दरक(वरंगल), श्रीमती दीपा असश्रवा (कागज नगर),श्रीमती रंजना लोया (Jadcherla), श्रीमती मोनिका सोमानी (हैदराबाद), प्रचार मंत्री–श्रीमती इंदिरा बजाज ,श्रीमती संतोष लाहौटी, सलाहकार–श्रीमती शकुंतला जी नावंदर, श्रीमती उर्मिला जी साबू।

सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के चयन के पश्चात आदरणीय ममता जी मोदानी द्वारा अपने सात सूत्रों के साथ सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। ये चुनाव, सत्र संरक्षक–आदरणीय कलावती जी जाजू, (राष्ट्रीय ज्ञान सिद्धा समिति प्रभारी) श्रीमती अनुराधा जी जाजू और संपूर्ण आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना से पधारी 130 सदस्यों और तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के समस्त पदाधिकारियों की सहमति से शांतिपूर्वक, सौहार्द पूर्ण, वातावरण में संपन्न हुआ।

प्र.अध्यक्ष–मंजु लाहोटी ❊ प्र.सचिव–आरती असावा

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

गणगौर का सिंजारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, गेम्स, म्यूजिकल हाऊजी आयोजित

होली के सुअवसर पर बीजापुर, बेंगलुरु, गुलेदगुड, बागलकोट, हुबली, इरकल, कलबुर्गी आदि शहरों में लड्डू गोपाल संग फूलों की होली एवं फाग उत्सव धूमधाम से मनाया गया।

महिला दिवस 8 मार्च को बेंगलुरु माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा फेस योग एवं हेल्दी डाइट कार्यक्रम जुम पर रखा जिसमें प्रशिक्षक डॉ पूजा माहेश्वरी ने बहुत ही सुंदर और सरल तरीके से यंग और सुंदर दिखने के राज़ खोले, जिसका लाभ करीब 100महिलाओं ने लिया।

राजस्थान सरकार द्वारा संचालित राजस्थान फाउंडेशन, बेंगलुरु प्रकोष्ठ के अंतर्गत आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में श्रीमती सुनीताजी लाहोटी को महिला उत्थान हेतु उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

13 मार्च को बेंगलुरु में मंगल जी मरदा द्वारा कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ 21 मार्च गणगौर के निमित्त प्राय: सभी स्थानीय संगठनों द्वारा गणगौर का सिंजारा संस्कृतीक कार्यक्रम गेम्स म्यूजिकल हाऊजी का आयोजन किया गया बेंगलुरु बेल्लारी और बागलकोट में गणगौर और सूरजजी का सामूहिक उद्यापन भी करवाया गया।

बेल्लारी, बागलकोट, इरकल, कलबुर्गी, हुबली, बेलगाम आदि शहरों में हनुमान जयंती के निमित्त सुंदरकांड एवं 108 हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। इरकल में शादी के पारंपरिक गीत सीखने के लिए कार्यशाला रखी गई एवं हुबली में बच्चों के लिए तीन दिवसीय गीता पठन कार्यशाला रखि गई।

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन की सत्रांत बैठक बेंगलुरु में संपन्न हुई। दिनांक 3 अप्रैल 2026 को सर्वसम्मति से नवीन पदाधिकारियों की चयन प्रक्रिया संपन्न हुई। चुनाव अधिकारी प्रांतीय पूर्वाध्यक्ष सौ शोभा भूतड़ा (हुबली) राष्ट्रीय परीवेक्षक संगठन मंत्री श्रीमति ममता जी मोदानी भीलवाड़ा के मार्गदर्शन में, पारदर्शिता, शांतिपूर्ण और सोहाद्र मयी वातावरण में सम्पन्न हुई। प्रदेश अध्यक्ष के लिए बेंगलुरु सौ सुनीता जी लाहोटी, प्रदेश सचिव बल्लारी से सौ नीता भूतड़ा, कोषाध्यक्ष बेलगांव से सौ सरिता सारडा, संगठन मंत्री बनहट्टी से सौ उमाजी भट्टड़ का चयन हुआ। साथ ही नई टीम की घोषणा की गई जिसे उपस्थित सदन ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की। सौ प्रकाश जी मूंदड़ा, सौ कमलाजी तोषनीवाल बेलगाम, राष्ट्रीय कार्य समिति भूतपूर्व अध्यक्ष सौ पुष्पा जी गिलड़ा की उपस्थिति में हुई।

बैठक के दूसरे सत्र में सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बेंगलुरु माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा किया गया।

गर्मी से राहत हेतु बेंगलुरु गंगावती विजयपुर गुलेदगुड रायचूर बागलकोट बेल्लारी मैसूर आदि शहरों में छाछ जूस नींबू शर्बत आइसक्रीम आदि का वितरण किया गया कलबुर्गी में जरूरतमंद लोगों को चप्पल एवं मटका भी भेंट किया गया।

अध्यक्ष–सुनीता लाहोटी

सचिव नीता भूतड़ा

मध्यांचल

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

नवम सत्र-दो दिवसीय रजत उत्सव एवं प्रादेशिक अधिवेशन ''नव उमंग'' सम्पन्न

छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर नारी शक्ति, संगठन शक्ति और सेवा भावना के अद्भूत संगम का साक्षी बना दो दिवसीय रजत उत्सव एवं प्रादेशिक अधिवेशन नव उमंग, जिसका आयोजन छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय महामंत्राणी श्रीमती ज्योति जी राठी, सत्र संरक्षिका पुष्पा जी राठी, प्रदेश अध्यक्ष शशि जी गट्टानी, प्रदेश सचिव रूपा मुंदडा एवं पदाधिकारी के साथ मंच पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

औद्योगिक मेले का उदघाटन श्रीमती ज्योति जी राठी द्वारा किया गया जिसमें विभिन्न स्थानों से महिला उद्यमियों द्वारा उत्पाद के 15 से अधिक स्टॉल थे। इसकी संयोजिका श्रीमती उर्मिला जी टावरी और श्रीमती शशि जी बागड़ी श्रीमती संगीता जी टुवानी थी। पूरे प्रदेश से लगभग 300 बहनों का आगमन, जिसमें ढोल नगाड़ों के साथ श्रीमती प्रगति कोठारी एवं श्रीमती संजू करवा द्वारा कुमकुम तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

हमारे राष्ट्रीय पदाधिकारी श्रीमती मंजुजी बांगड़ (राष्ट्रीय अध्यक्ष), श्रीमती ममता जी मोदानी, श्रीमती अनीता जी जावंधिया (मध्यांचल संयुक्त मंत्री), श्रीमती सुनीता जी लढा (ग्वालियर) का आगमन सभागृह को गौरवान्वित कर रहा था।

प्रादेशिक अधिवेशन मे रायपुर जिला द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कंचन होलानी एवं टीम द्वारा यह कार्यक्रम किया गया। नव निधि रामायण पर आधारित कार्यक्रम जिसमें 7 संयोजिका एवं 29 सहसंयोजीका द्वारा ''लव कुश'' को सार बनाकर भाव पूर्ण 50 मिनट की प्रस्तुति दी गई। संयोजिका मधु जी राठी का सराहनीय सहयोग। पश्चात प्रदेश द्वारा सभी का सम्मान किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का आगाज। सुरभि राठी के मनमोहक नृत्य ने सभागृह को उपकृत किया,महेश वंदना द्वारा। जिला अध्यक्ष पुष्पाजी लाहोटी द्वारा सुंदर शाब्दिक स्वागत उदबोधन।

प्रदेश अध्यक्ष शशि जी द्वारा अपने उदबोधन में संगठन की स्थापना से लेकर आज तक की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह रजत उत्सव केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि भविष्य की नई दिशा का संकल्प है।

विशिष्ट अतिथियों के प्रेरक उदबोधन हमारे लिए मार्गदर्शन, महिलाओं की भूमिका, हमारे कार्यों का आकलन, छत्तीसगढ़ की गौरव गाथा, और एक दूसरे से जुड़ाव आदि सुंदर विचारों के साथ संगठन के सामने आया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती ममता जी मोदानी, मध्यांचल संयुक्त मंत्री श्रीमती अनिता जांवधिया, सत्र संरक्षिका श्रीमती पुष्पा राठी, राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री श्री नारायण राठी, पूर्व सांसद श्री प्रदीप गांधी सभा अध्यक्ष श्री सुरेश मूंदड़ा युवा मंडल अध्यक्ष श्री नरेश चांडक सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। संचालिका रूपाली गांधी एवं वृंदा भट्टड़ ने अपनी जुगलबंदी से समा बाँधा। आत्मनिर्भर योजना के तहत 8 जरूरत मंद महिलाओ को दाल पिसने की मशीन, और सिलाई मशीन दी गई।

संगठन की 25 वर्षों की गौरवगाथा को स्मरण करते हुए रजत उत्सव की भावना को जीवंत किया गया। और इसमें मुख्य भूमिका रही श्रीमती मंजुजी सोमानी, श्रीमती सुषमा जी राठी श्रीमती अंजलि जी लखोटिया, जिनकी मेहनत ने इसे एक नाटक के रूप में रूपांतरित किया।

छत्तीसगढ़ महिला संगठन को वटवृक्ष के रूप में तैयार करने वाली स्वर्गीय श्रीमती रुक्मिणी देवी टावरी (दादीजी) का एआई वीडियो जो हमें सचाई दर्शा रहा था को देखकर सभी

की आंखें नम हो गई। पश्चात जिला स्तरीय प्रतियोगिता नवरस 6 जिला और दो स्थानीय संगठनों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

दूसरे दिन का आरंभ उत्साह और उमंग के साथ हुआ। 20 मिनट का जुंबा और मेडिटेशन का सेशन कविता जी द्वारा कराया गया, जिससे सभी और रिफ्रेश हो गए। ट्रेजर हंट प्रतियोगिता का आयोजन, जिसमें प्रतिभागियों ने टीम भावना और सूझबूझ का परिचय दिया। श्रीमती नीना जी राठी और टीम ने बखूबी कार्यभार संभाला। उर्मिला जी टावरी और भिलाई की टीम द्वारा रंगारंग होली का माहौल जिसमें सभी ने एक दूसरे को रंगों से सराबोर किया और सम्मानित अतिथियों को टाइटल देकर उनका स्वागत किया गया।

नव परिवर्तन–**''शेष जिंदगी विशेष जिंदगी''** विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें जीवन के उत्तरार्ध को सार्थक बनाने पर विचार व्यक्त किए गए। पल्लवी जी टावरी और उर्मिला जी टावरी ने विशेष भूमिका अदा की और सेशन के बीच में सभी की आंखें भी नम हो गई। जब जिंदगी की ना टूटे लड़ी गाने मे सभी के पैर थिरकने को मजबूर हो गए। नववक्ता (वाद–विवाद) प्रतियोगिताओं ने बौद्धिक ऊर्जा का संचार किया। अलका जी सूरजन ने अपने बोलने की विशेष शैली के अंदाज से कार्यक्रम में जान डाल दी। 12 प्रतिभागी 6 जिले से उपस्थित रहे।

समाज की उन विशिष्ट महिलाओं का सम्मान किया गया जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

दो दिवसीय इस आयोजन में अनुशासन, उत्साह, एकता और आत्मीयता का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। यह रजत उत्सव संगठन के गौरवपूर्ण 25 वर्षों की सफल यात्रा का उत्सव होने के साथ–साथ आगामी वर्षों के लिए नई प्रेरणा, नई ऊर्जा और नई दिशा का शुभारंभ भी सिद्ध हुआ।

प्रदेश अध्यक्ष–शशि गट्टानी ❊ प्रदेश सचिव–रूपा मूंदड़ा

माहेश्वरी है हम.... रायपुर में ''महेश पथ'' का नामकरण

अध्यक्ष पुष्पा लाहोटी ,सचिव वर्षा लाहोटी, संगठन मंत्री रमा जी मल्ल एवं पूरी टीम का अथक प्रयास रहा।

इस महत्वपूर्ण निर्णय को एजेंडे मे शामिल कर प्रस्ताव पारित कराने हेतु माहेश्वरी समाज के प्रतिनिधियों ने... आदरणीय महापौर श्रीमती मीनल जी चौबे एंव जोन कमिश्नर श्रीमती दिव्या जी चंद्रवंशी से भेंट कर सम्मान एवं आभार व्यक्त किया।

माहेश्वरी समाज के लिये यह अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि सरकार द्वारा विधिवत नेताजी कन्हैया लाल बाजारी वार्ड क्रमांक 15 के प्रमुख मार्गों में से एक मार्ग मारुति मंगलम से अवधपुरी मैदान तक की रोड़ को महेश पथ के रूप में शासकीय मान्यता प्राप्त हुई है यह नामकरण माहेश्वरी समाज की पहचान को सुदृढ़ करेगा और समाज की भावनाओं को भी सम्मान देने का भी कार्य करेगा। माहेश्वरी समाज के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।

इस कार्य को पूर्ण करने हेतु श्रीमती देवकी जी लड्ढा और श्रीमती शकुन जी बूब का आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। प्रदेश सत्र संरक्षिका श्रीमती पुष्पा जी राठी एवं विशेष सलाहकार श्रीमती संतोष जी चांडक एवं गुढियारी संगठन संरक्षक श्रीमती सीता जी राठी ने उचित मार्गदर्शन किया।

अध्यक्ष –पुष्पा लाहोटी ❊ सचिव –वर्षा लाहोटी

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

सम्मान समारोह एवं शपथ विधि सम्पन्न

अधिक मास में नर्मदा पूजन एवं वृक्षारोपण सम्पन्न

पश्चिमी मध्य प्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन सम्मान समारोह एवं शपथ विधि इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में 2 मई 2026को इंदौर में श्री आनंदम में संपन्न हुआ। जिला अध्यक्ष पुष्पा मोलासरिया एवं अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से और महेश वंदना दूर्वा परवाल ने नृत्य स्वरूप में प्रस्तुत की। अतिथियों के स्वागत के पश्चात नम्रता जी बियानी के राष्ट्रीय मध्यांचल उपाध्यक्ष बनने पर राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों और क्षेत्रीय संगठनों द्वारा उनका स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि आप ओर हम एक परिवार है, जहां सहयोग है,संस्कार है और सेवा करने की चाहत है। प्रदेश अध्यक्ष ऊषा जी ने भी स्वागत उद्बोधन दिया और अपने तीन वर्ष के कार्यकाल को पीपीटी द्वारा बहुत सुंदर तरीके से 10 समितियों के कार्यों का विवरण दिया। इसके पश्चात श्रीमती स्मिता बियानी द्वारा पुरस्कार वितरण तथा सभी 16जिलों से पधारी हमारी सभी कार्यकर्ता बहनों का सम्मान किया गया।

पश्चिमी मध्य प्रदेश प्रादेशिक ट्रस्ट की जानकारी पीपीटी द्वारा निवर्तमान अध्यक्ष वीणा जी सोमानी द्वारा दी गई एवं ट्रस्टियों का स्वागत भी किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रताजी बियानी ने नव निर्वाचित अध्यक्ष और सभी पदाधिकारियों को एक नए स्वरूप में शपथ दिलाई,जो सराहनीय थी। इंदौर जिला ने नव चयनित टीम का स्वागत किया।नई प्रदेश अध्यक्ष शोभा जी माहेश्वरी के उद्बोधन के बाद प्रदेश अध्यक्ष पुष्पजी माहेश्वरी, भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला जी काबरा तथा गीताजी मूंदड़ा ने नव चयनित प्रदेश अध्यक्ष और पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। इस प्रोग्राम में समाज के वरिष्ठ जन, प्रदेश, जिला अध्यक्ष,सचिव, की उपस्थिति रही। प्रोग्राम का संचालन जिला सचिव मीनाक्षी नवाल ने किया। आभार प्रदेश सचिव साधना जी बियानी ने दिया।

भव्य माँ नर्मदा पूजन एवं वृक्षारोपण के साथ आध्यात्मिक फतेहगढ़ की यात्रा संपन्न

पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की आध्यात्मिक समिति द्वारा फतेहगढ़ स्थित नर्मदा तट पर भव्य नर्मदा पूजन यात्रा का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। संस्था अध्यक्ष शोभा माहेश्वरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आध्यात्मिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म की भावनाओं को जन-जन तक पहुँचाना, संगठन को एक सूत्र में जोड़ना तथा सेवा, संस्कार एवं आध्यात्मिकता के साथ नए कार्यकाल का शुभारंभ करना है। संस्था सचिव साधना बियाणी एवं आध्यात्मिक समिति की प्रदेश संयोजिका भावना जी माहेश्वरी ने कुशलतापूर्वक व्यवस्थापन में संपूर्ण यात्रा का सफल संचालन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत माँ नर्मदा पूजन, दुग्ध अभिषेक, भोग प्रसादी , दान, ब्राह्मण भोजन एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन अत्यंत श्रद्धापूर्वक

किया गया।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। बहनों ने पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण एवं हरित वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। यह पहल आध्यात्मिकता के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रोत्थान का सुंदर संदेश बनकर उभरी। कार्यक्रम में गठबंधन समिति की मध्यांचल सह प्रभारी श्रीमती दीप्ति जी धूत विशेष रूप से उपस्थित रहीं। साथ ही प्रदेश कोषाध्यक्ष किरण जी लखोटिया, अहिल्या अंचल उपाध्यक्ष सुमन जी सारडा, दशपुर अंचल उपाध्यक्ष स्नेहलता जी मुंदड़ा, उज्जैन जिलाध्यक्ष मनीषा राठी, नीमच जिलाध्यक्ष संध्या राठी, स्वर्णिम साहित्य समिति संयोजिका रेणुका जी तोतला, धार अध्यक्ष मंजू जी डोडिया, सतवास महिला संगठन अध्यक्ष क्षमा जी राठी, सचिव सीमा जी सिंगी सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से अनेक पदाधिकारी एवं बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। देवास जिलाध्यक्ष रितु तापड़िया एवं सचिव मनीषा लाठी के सहयोग से सभी अतिथियों एवं बहनों का आत्मीय स्वागत–सत्कार किया गया। कार्यक्रम की सफलता पर सभी पदाधिकारियों ने सतवास और कन्नौद महिला संगठन द्वारा किए गए उत्कृष्ट आयोजन की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

इस अवसर पर सतवास तथा कन्नौद पदाधिकारीगण, समाजजन गणमान्यजनों की उपस्थिति रही। अन्त में इस धार्मिक आयोजन के सहयोगी एवं सहभागिता हेतु सचिव साधना जी बियाणी–ने आभार व्यक्त किया।

प्र.अध्यक्ष–शोभा माहेश्वरी ❊ प्र.सचिव–साधना बियाणी

माहेश्वरी समाज प्रगति मंडल उज्जैन द्वारा फूलपाति गणगौर उत्सव का आयोजन

माहेश्वरी मारवाड़ी महिला मंडल एवं माहेश्वरी समाज प्रगति मंडल उज्जैन द्वारा फूलपाति गणगौर उत्सव का आयोजन किया गया।

आयोजन के आरंभ में पश्चिमी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की निवृत्तमान अध्यक्ष श्रीमती वीणाजी सोमानी, मारवाड़ी महिला मंडल उज्जैन निवृत्तमान अध्यक्ष श्रीमती रेखा लढ़ा, वर्तमान अध्यक्ष श्रीमती उषा भट्टड एवं समाजसेवी श्रीमती मंगला बांगड़ द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं प्रगति मंडल द्वारा नृत्य एवं गीत की शानदार प्रस्तुति दी गई । सभी उपस्थित महिलाओं ने झाले वारने की सुंदर प्रस्तुति दी। आकर्षक गेम के साथ–साथ हाउजी भी खिलाई गई। प्रचार मंत्री सुनीता लड्ढा ने जानकारी दी।

प्रेषक –श्वेता बजाज, उज्जैन

गुजरात प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

''स्वर्ण मंगलम्'' की बैठक ने संकल्पों को स्वर दिया,

सौभाग्य रहा, स्वर्णिम क्षणों का साक्षी हुआ, सभागार,
स्वर्ण जयंती का उत्सव बना अविस्मरणीय अपार।
भव्य आयोजन की छटा में, समर्पण का दीप जला
सहभाग से सजी हर डगर, कर्मपथ का मान बढ़ा।
नव पर्व के शुभारंभ में, उमंगों का हुआ एहसास,
एकता के इस संगम ने, रचा स्वर्णिम इतिरास।
''स्वर्ण मंगलम्'' की बैठक ने, संकल्पों को स्वर दिया,
राष्ट्रहित के पावन पथ पर, नवयुग का आह्वान किया।

गुजरात प्रदेश के आयोजन में डायमंड सिटी सूरत जिले के आतिथ्य में राष्ट्रीय सत्रांत बैठक तथा नव सत्र के चयन और शपथ विधि का भव्य और यादगार आयोजन सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती मंजुजी बांगड़ के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मंजुश्री काबरा एवं सूरत जिला अध्यक्ष श्रीमती बीना तोषनीवाल के सफल नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम की पूर्णता हुई नवचयनित राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती ज्योतिजी राठी के ताजपोशी से।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती माया माहेश्वरी, श्री संदीप काबरा (सभापति) समाज के गई गणमान्य भामासाह, राष्ट्रीय भूतपूर्व, वर्तमान पदाधिकारी गण तथा संपूर्ण गुजरात प्रदेश और राष्ट्र से पधारी हुई बहनों ने इस स्वर्णिम शुभारंभ का आनंद उठाया। अहमदाबाद जिले में गुजरात प्रदेश की सत्रांत बैठक तथा एकादश सत्र के पदाधिकारियों का चयन एवं शपथ विधि ग्रहण प्रक्रिया सम्पन्न हुई। हैदराबाद से पधारी हुई चुनाव पर्यवेक्षक श्रीमती रेणु सारड़ा (दक्षिणांचल पूर्व संयुक्त मंत्री) और प्रदेश चुनाव अधिकारी श्रीमती उमा जाजू (प्रदेश पूर्वाध्यक्ष) की उपस्थिति में चयन प्रक्रिया सुचारू रूप से पूर्ण हुई। श्रीमती कांता मोदानी (प्रदेश अध्यक्ष), श्रीमती प्रतिभा होलानी (सचिव) ने अन्य चयनित पदाधिकारियों सहित उपस्थित 124 बहनों के समक्ष शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्वाध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता बांगड़, श्रीमती मंगल मर्दा और श्रीमती उर्मिला कलंत्री की सम्माननीय उपस्थिति रही।

प्रदेश के प्रत्येक सथानीय एवं जिला संगठन की चयन प्रक्रिया सुचारू रूप से संविधान के दिशा-निर्देशानुसार अत्यंत उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुई।

प्र.अध्यक्ष-मंजुश्री काबरा ❊ प्र.सचिव-कांता मोदानी

स्वर्णमय आभा से हो मंगल सवेरा
कल्याणकारी सुखों का हो रेन-बसेरा।
मिले यश, समृद्धि और अपार खुशियाँ,
हर घर, हर मन में हो स्वर्ण मंगलम् का डेरा।

पूर्वांचल

माहेश्वरी नवयुवती प्रतिभा संगठन, कोलकाता

त्रिदिवसीय शिव कथा का भव्य उदघाटन समारोह

माहेश्वरी नवयुवती प्रतिभा संगठन, कोलकाता (अंतर्गत वृ.को.प्रा.मा.म.स) ने त्रिदिवसीय शिव कथा के भव्य उद्घाटन समारोह में 11 जुलाई को व्यक्तित्व विकास सेमीनार का आयोजन कर राष्ट्रीय स्तर के दिग्गज महिलाओं को वक्ता के रूप में बुलाया जिन्होंने 6 विषयों पर सभी को प्रशिक्षित किया।

1) **सर्वश्री प्रमुख अतिथि–** राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी–संगठनात्मक सशक्तिकरण,अंतिम छोर तक।

2) **समारोह अध्यक्ष–** राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष शोभा जी सादानी–आत्म विश्वास से आत्मसम्मान और आत्मरक्षा।

3) **सम्माननीय अतिथि** – राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष कल्पना जी गगडानी–संभले और संभाले।

4) एडवोकेट, सीए (पूर्व अध्यक्ष आईसीएसआई), ममता जी बिन्नानी – वित्तीय प्रबंधन से बने अस्तित्व का सम्मान।

5) मिसेज इंडिया यूनिवर्स,2019 रूपल जी मोहता–स्वनिर्माण से पूरा करे अरमान।

6) प्रमुख समाजसेविका संगीता जी बियानी– असंभव से ही होता है संभव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण किया।

उदघाटनकर्ता श्री कमल जी गांधी, नंदकिशोर जी लखोटिया के विशेष सहयोग से इन वक्ताओं के साथ ही राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री–निशाजी लड्डा, प्रदेश संरक्षक–इंद्रा जी गांधी, प्रदेश के सभी पूर्व अध्यक्षगण, राष्ट्र सेविका पूर्णिमा जी कोठारी को उमाश्री रत्न एवं मिस्टर इंडिया 2025 मधुरम डागा, मेडिकल गोल्ड मेडलिस्ट हर्ष नवल, सीए सिद्धार्थ तापड़ीया, स्नूकर गोल्ड मेडलिस्ट बृजेश दम्मानी को उमाश्री कौशल विभूषण प्रदान कर मन अत्यंत प्रफुल्लित हो गया। शिव कथा के वाचक श्री ओम प्रकाश जी पुरोहित एवं मुख्य यजमान प्रदेश सभा अध्यक्ष विनोद जी – अरुणा जी जाजू रहे ।

इस कार्यक्रम को सजाने में प्रदेश अध्यक्ष मंजुजी पेड़ीवाल, स्वागताध्यक्ष वर्षा जी डागा, स्वागत मंत्री रश्मि जी बिन्नानी एवं नवयुवती के प्रत्येक सदस्य ने अहम भूमिका निभाई।

निवृत्तमान अध्यक्ष निर्मला जी मल्ल, प्रदेश सचिव कुसुम जी मूंदड़ा, कोलकाता प्रदेश महिला एवं सभा के पदाधिकारी उपस्थित होकर बधाई और प्रसादी स्वीकार कर हमारा मान बढ़ाया ।

अध्यक्ष –प्रिया पेड़ीवाल ✻ सचिव– श्रद्धा मोहता

✻ **मानसिक शांति और दुखों का निवारण :** शिव कथा का श्रवण करने से मन को परम शांति मिलती है। यह मनुष्य के भीतर के तनाव, भय, चिंता और नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट कर जीवन में सकारात्मकता का संचार करती है। ✻ **पापों का नाश और आत्मशुद्धि :** धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो व्यक्ति सच्चे मन से शिव महापुराण या शिव कथा सुनता है, उसके जाने–अनजाने में किए गए सभी पापों का नाश होता है। यह अंतःकरण को शुद्ध कर व्यक्ति को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।**भक्ति और वैराग्य की प्राप्ति** : शिव जी त्याग, वैराग्य, करुणा और सहजता के प्रतीक हैं। उनकी कथा सुनने से संसारी मोह–माया के बीच भी एक संतुलन (संतोष और वैराग्य) की भावना जागृत होती है, जिससे ईश्वर के प्रति सच्ची भक्ति सुदृढ़ होती है।

उत्कल प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

होली मिलन, गणगौर सिंजारा एवं हनुमान जन्मोत्सव व सुंदरकांड का कार्यक्रम

7 मार्च को जगन्नाथ पुरी में उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के सप्तम सत्र की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ।

इस सत्र के लिए पदाधिकारी–कार्यसमिति– श्रीमती अस्मिता मूंदड़ा,संबलपुर, अध्यक्ष– श्रीमती शशी डोंगरा,कटक, सचिव– श्रीमती मुनमुन मूंदड़ा,झारसुगुड़ा, कोषाध्यक्ष–श्रीमती नीलम झंवर,भुवनेश्वर, संगठन मंत्री– श्रीमती सीमा कोठारी,कटक, सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई।

चुनाव अधिकारी श्रीमती सुनीता जी राठी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी को शुभकामनाएँ प्रदान कीं। चुनाव पर्यवेक्षिका श्रीमती शैला जी कलंत्री ने सभी के नाम की घोषणा करते हुए संगठन के विधान की जानकारी दी।

प्रदेश के सभी जिला में नवनिर्वाचित चयन प्रक्रिया पुर्ण हुई। प्रदेश के झारसुगुड़ा जिला द्वारा राम नवमी के अवसर पर प्रस्तुत रामलीला में अलौकिक एवं मनमोहक झांकी ने भक्ति रस से सराबोर कर दिया।

मंडल की समर्पित महिलाओं ने श्रीराम जी की दिव्य लीलाओं का सजीव,भावपूर्ण और अत्यंत हृदयस्पर्शी चित्रण किया मानो स्वयं त्रेतायुग साकार हो।

प्रत्येक पात्र ने अपने अभिनय, भाव–भंगिमा और समर्पण से अपनी भूमिका को पूर्णतः जीवंत कर दिया। लगभग प्रत्येक घर से सहभागिता रही। जाजपुर में लेडीज क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।

अंगुल, तालचेर, ढेंकनाल, बालासोर,बारीपदा, भुवनेश्वर, कटक, जाजपुर, राउरकेला, संबलपुर, ब्रह्मपुर, ब्रजराजनगर, बड़बिल, मल्कानगिरी इन सभी जिला में रंग गुलाल के साथ कान्हा के संग फाग महोत्सव मनाया गया। समाज के साथ होली मिलन, गणगौर सिंधारा व हनुमान जन्मोत्सव पर अखंड पाठ व सुंदरकांड का कार्यक्रम महिला संगठन द्वारा आयोजित किया गया। गणगौर सिंधारा पर सभी उपस्थित सदस्यों को गेम्स, टंग ट्विस्टर,होजी इत्यादि खिलाए गए। गणगौर में होने वाले पारंपरिक रीतियों की नृत्य प्रस्तुति दी गई।

आखा तीज के पावन अवसर पर इन सभी जिला में निःशुल्क जल सेवा दही छाछ, शरबत, लस्सी, ज्यूस राहगीरों को पिलाया गया। अनाथ आश्रम में बच्चों को एक समय का भोजन दिया गया व गौशाला में गायों के लिए पानी व घास चारा का योगदान दिया गया। गुजरात सूरत में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन ''स्वर्ण मंगलम'' में अध्यक्ष,सचिव,राष्ट्रीय कार्यसमिति का उत्तम रिपोर्टिंग के लिए शालीमार सम्मान मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस सत्र 26–29 के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व सचिव का सम्मान किया गया।

अध्यक्ष –अस्मिता मूंदड़ा * सचिव –शशी डोंगरा

पश्चिमांचल

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

पारंपरिक पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाए गए

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत मार्च–अप्रैल 2026 के दौरान सामाजिक, सांस्कृतिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों का व्यापक एवं प्रभावशाली आयोजन किया गया। फागोत्सव एवं गणगौर जैसे पारंपरिक पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाए गए, जिनमें रंगारंग कार्यक्रम, झांकियां, लोकगीत एवं सामूहिक सहभागिता ने विशेष आकर्षण प्रस्तुत किया। महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं मनोरंजक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई गई, जिससे आपसी सौहार्द और संगठनात्मक एकता सुदृढ़ हुई।

नेतृत्व विकास को प्रोत्साहित करने हेतु शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें नव–निर्वाचित पदाधिकारियों को दायित्वों के प्रति निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी गई। खेल गतिविधियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं निःशुल्क कक्षाओं के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया गया।

सामाजिक सरोकारों के अंतर्गत गौसेवा, जल सेवा, कन्या पूजन एवं जरूरतमंदों को सहयोग जैसी सेवा गतिविधियाँ भी प्रभावी रूप से संपन्न हुई। संगठनात्मक दृष्टि से चयन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। यह समस्त गतिविधियाँ संगठन की एकता, सेवा भावना एवं सांस्कृतिक प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई।

प्र.अध्यक्ष–सीमा कोगटा ❊ प्र. सचिव–मंजू गांधी

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

प्रदेश में चयन प्रक्रिया द्वारा चुनाव सम्पन्न

मार्च में होली उत्सव पारंपरिक अंदाज में मनाया । फाग के गीतों के साथ होली उत्सव किया गया। गणगौर पर बगीचे में जाकर गणगौर का बाना निकाला और विविध प्रकार के गीत गाए।

अपने दांतों की देखभाल किस तरह की जाए डॉक्टर अंकिता रूठीया के आठ वीडियो डाले गए, इंप्लांट brushing किस तरह करना चाहिए।

प्रदेश के चुनाव के लिए दिल्ली से मंजुजी मंधाना पर्यवेक्षक के रूप में पधारी एवं मधु ललित बाहेती चुनाव अधिकारी के रूप में उपस्थित रहे। विशेष अतिथि निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी रहे । चारों जिलों के चुनाव एवं चयन प्रक्रिया अच्छे से संपन्न हुई प्रदेश में नीलम तापड़िया अध्यक्ष कांचन राठी मंत्री कोषाध्यक्ष रेनू साबू संगठन मंत्री निशा भराड़िया निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष मंजु भराड़िया को राष्ट्रीय कार्य समिति नियुक्त किया गया।

कोटा जिले से अरुणा मुंदडा अध्यक्ष एवं सचिव संध्या लड्ढा चयनित की गई। कोटा जिले के चयन प्रक्रिया में प्रदेश अध्यक्ष मंजुभराड़िया मंत्री नीलम तापड़िया की उपस्थिति रहीं। बूंदी से संगीता मुंदड़ा अध्यक्ष एवं सचिव शिल्पा सोमानी ,बारा से सीमा बागड़ी अध्यक्ष एवं सचिव मीना सोमानी , झालावाड़ चयन प्रक्रिया में पर्यवेक्षक मंजुभराड़िया चुनाव अधिकारी कंचन राठी उपस्थित रहे । झालावाड़ से प्रीति शारदा अध्यक्ष अलका कासट सचिव रहे। एक बेटी को विवाह कन्यादान जरूरत का सामान दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योति जी द्वारा जूम पर मीटिंग रखी गई। अध्यक्ष सचिव एवं कार्य समिति द्वारा सहभागिता रही।

प्र. अध्यक्ष मंजुभराड़िया ✻ प्र. मंत्री नीलम तापड़िया

हिंदू धर्म और आध्यात्मिकता के दो महत्वपूर्ण पहलू

हिंदू धर्म और आध्यात्मिकता के दो महत्वपूर्ण पहलुओं –सगुण और निर्गुण–छूता है। सगुण और निर्गुण की पूजा–सगुण रूप: इसमें भगवान को एक विशिष्ट रूप में पूजा जाता है, जैसे कि राम, कृष्ण, शिव आदि। सगुण पूजा में भक्त अपने इष्ट देव की मूर्ति या रूप की पूजा करते हैं और उनकी भक्ति करते हैं। निर्गुण रूप: इसमें भगवान को निराकार, अविनाशी और सर्वव्यापी माना जाता है। निर्गुण पूजा में भक्त उस परम सत्ता की पूजा करते हैं जो हर जगह है और जिसका कोई विशिष्ट रूप नहीं है। कौन उत्तम है? हिंदू धर्म में दोनों ही मार्गों को महत्वपूर्ण माना गया है। सगुण भक्ति में भक्त अपने इष्ट देव के प्रति गहरी भावनाएं और प्रेम रखते हैं, जो उनके लिए अधिक व्यक्तिगत और भावनात्मक हो सकता है। निर्गुण पूजा में भक्त उस परम सत्ता की व्यापकता और अविनाशिता को समझने का प्रयास करते हैं, जो अधिक दार्शनिक और आध्यात्मिक हो सकता है। दोनों मार्गों का अपना महत्व है और यह भक्त की व्यक्तिगत पसंद, स्वभाव और आध्यात्मिक यात्रा पर निर्भर करता है कि वह किस मार्ग को अपनाता है।

मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

पंचम सत्र की चयन प्रक्रिया सम्पन्न

मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की पंचम सत्र की चयन प्रक्रिया पवित्र तीर्थनगरी पुष्कर में अत्यंत गरिमामय एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण अवसर पर रा.कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण लड्ढा ने चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में व पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सुनीता रांधड ने चुनाव अधिकारी के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई और पूरी प्रक्रिया का कुशल मार्गदर्शन किया। चयन प्रक्रिया सौहार्द, अनुशासन एवं संगठनात्मक मूल्यों के अनुरूप संपन्न हुई, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मनीषा बागला मालपुरा, प्रदेश सचिव श्रीमती मीनाक्षी रांधड मकराना, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीमती मंजुमुरक्या अजमेर व प्रदेश संगठन मंत्री श्रीमती अनीता सोमानी अजमेर का चयन सर्वसम्मति एवं समन्वय के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान संगठन की एकजुटता, पारदर्शिता एवं सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला।

श्रीमती किरण लड्ढा ने अपने उद्बोधन में संगठन की शक्ति, बहनों की सहभागिता एवं नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया संगठन की मजबूती का आधार होती है, जिसमें समर्पण, विश्वास और सहयोग की भावना सर्वोपरि होती है। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्य बहनों ने चयनित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प व्यक्त किया। सूरत में आयोजित चतुर्थ राष्ट्रीय बैठक स्वर्ण मंगलम में प्रदेश से तेरह बहनों ने अपनी उपस्थिति दी जहां राष्ट्र में सर्वाधिक 78 विद्यालय में आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित करने पर राष्ट्रीय मंच पर प्र.अध्यक्ष शशि लड्ढा व प्रदेश सचिव मनीषा बागला का सम्मान किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष–शशि लढ़ा ❊ प्रदेश सचिव– मनीषा बागला

श्रद्धा सुमन

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

श्री बंसीलालजी राठी

93 वर्ष की उम्र में खींवसर राजस्थान में जन्में ''पद्मश्री'' समाजसेवी **श्री बंसीलालजी राठी** का गोलोकगमन से समाज व राष्ट्र दोनों में आपकी क्षति अपूरणीय है। उनका पूरा जीवन सफर हर पीढ़ी के लिये एक प्रेरणापुंज की तरह सबके सामने है। मात्र प्राइमरी स्तर तक औपचारिक शिक्षा ग्रहण करने वाले श्री राठीजी ने साबित कर दिखाया था कि यदि दृढ़ इच्छाशक्ति और अटूट पुरुषार्थ हो तो अभावों के बीच भी सफलता का हिमालय खड़ा किया जा सकता है। उन्हें अपने व्यवसाय को शून्य से प्रारंभ कर अपनी दूरदर्शिता व कड़े परिश्रम के बल से, स्टील फाइनेंस, एक्सपोर्ट सहित कई उद्योगों का संचालन करते हुए कार्पोरेट जगत में शिखर तक पहुंचाया।

एक बार ट्रेन के सफर में एक छोटे बच्चे को ट्रेन में पढ़ाई के लिए सामान बेचते देखा था, तभी से उनका जीवन बदला और उन्होंने संकल्प लिया कि हमारी कमाई का 25% हमेशा शिक्षा के लिये सहयोग दूंगा। समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का उनका भाव व समाज के प्रति निष्ठा को नहीं भुलाया जा सकता।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति के रूप में उनका आत्मविश्वास, सशक्त व्यक्तित्व एवं उदारमना स्वभाव उनकी पहचान थी। उनके लिये आतुर होते थे। पुष्कर बैठक में आदित्य विक्रम बिरला ट्रस्ट की स्थापना के लिये आपने अधिकारपूर्वक कुछ ही घंटों में सदस्यों से राशि लिखवा ली। यह उनके लिये एक सामान्य कार्य था। वे एक व्यक्ति नहीं अपितु पूर्ण संस्था थे। ऐसे सेवाभावी व्यक्तित्व को अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के समस्त सदस्यों व पदाधिकारियों की ओर से श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति व मोक्ष हेतु परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं।

श्री आर.डी. बाहेती

महासभा के पूर्व उपसभापति, समाजसेवी एवं हास्य सम्राट **श्री आर.डी. बाहेती** के आकस्मिक देवलोकगमन से सभी स्तब्ध, निशब्द एवं विमूढ़ हैं। सिर्फ जयपुर ही नहीं पूर्ण समाज में आपकी क्षति अपूरणीय है। समाज ने एक विभूति को खो दिया है। हम सब परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं, वैकुंठवासी आत्मा का सद्गति प्रदान करें एवं समस्त परिजनों को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति दें।

श्रद्धा-सुमन भेंट करते हैं-

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

छत्तीसगढ़ प्रदेश का अधिवेशन "नव उमंग" सम्पन्न "नींव की यात्रा" का किया दर्शन

स्वर्णमंगलम्

सम्मान, वंदन, अभिनंदन

पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505
दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536

पोस्ट दिनांक

प्रेषक :
माहेश्वरी महिला
22/15, यशवंत निवास रोड
इन्दौर (म.प्र.) मो. 9329211011

प्रकाशक एवं व्यवस्थापक–श्रीमती सुशीला काबरा, माहेश्वरी महिला समिति 22/15 यशवंत निवास रोड, इन्दौर से प्रकाशित एवं अप्सरा फाईन आर्ट प्रिंटर्स, 89, एम.जी. रोड, इन्दौर 2434147 से मुद्रित।